राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 10 फ़रवरी 2026
वर्ष 07,अंक 130, पृष्ट 12,मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

धारदार हथियार से हमला दो युवक गंभीर रूप से घायल जन्मदिन पार्टी से लौट रहे युवकों पर हमला...03

आदिवासी छात्रवास निर्माण में भू-माफिया बने बाधा, निर्माण कार्य रुकवाकर मजदूरों को दी धमकी...12

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा , वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अख़बार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

ट्रांस-अरुणाचल हाईवे जमीन में घोटाला, ईडी ने चीनी बॉर्डर समेत 6 जगहों पर मारी रेड

● प्रवर्तन निदेशालय (ED), ईटानगर ने ट्रांस-अरुणाचल हाईवे जमीन मुआवजा घोटाले से जुड़े मामले में बड़ा एक्शन लिया है. श्वष्ठ ने अरुणाचल प्रदेश के चीनी बॉर्डर और असम में 6 जगहों पर छापेमारी की

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), ईटानगर ने ट्रांस-अरुणाचल हाईवे जमीन मुआवजा घोटाले से जुड़े मामले में बड़ा एक्शन लिया है. ईडी ने अरुणाचल प्रदेश के चीनी बॉर्डर और असम में 6 जगहों पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान ईडी ने कुल 2.62 करोड़ रुपये नकद बरामद किए. यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई.

ईडी के मुताबिक, इन 6 ठिकानों में से 4 ईटानगर और उसके आसपास, एक लिखाबाली (डिब्रूगढ़ के पास) और एक आलों (मेचुकाचीन सीमा के पास) में है. ये सभी जगहें पहाड़ी, दूर-दराज और सीमा से सटे संवेदनशील इलाकों में स्थित हैं, ताकि पूरे राज्य में फैले इस घोटाले की गहराई से जांच की जा सके. इस दौरान ने कुल 2.62 करोड़ रुपये नकद बरामद किए. इसमें से 2.40 करोड़ रुपये लिखाबा माज के घर से और 22 लाख रुपये तदार बाबिन के घर से मिले.

इसके अलावा, तदार बाबिन और भारत लिंगू (पूर्व डीएलआरएसओ, जीरो) के बैंक खातों में जमा करीब 1.77 करोड़ रुपये फ्रीज किए गए।

ईडी को केमो लोल्लेन (पूर्व डिप्टी कमिश्नर, जीरो) और उनके परिवार, भारत लिंगू, टोको ताजे (जूनियर इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी) और लिखाबा सोनी (निजी लाभार्थी) के ठिकानों से ऐसे दस्तावेज भी मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि मुआवजा राशि से अवैध रूप से संपत्तियां खरीदी गई थीं. इससे पहले जांच में ईडी ने करीब 3.95 करोड़ रुपये के बैंक खाते, एफडी और आरडी फ्रीज किए थे, जो कबाक भट्ट (जूनियर इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी) और मेसर्स टी एंड जी एंटरप्राइजेज से जुड़े पाए गए

सरकारी मुआवजा राशि में गड़बड़ी

ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि सरकारी मुआवजा राशि से बिना अनुमति के करीब 175 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट बनाई गई. इन एफडी से मिले ब्याज में से करीब 2.79 करोड़ रुपये का गलत इस्तेमाल किया गया. इतना ही नहीं, एफडी का 21.57 लाख रुपये ब्याज सीधे कबाक भट्ट के निजी खाते में ट्रांसफर किया गया. ईडी ने कबाक भट्ट के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पीएमएलए के तहत विशेष अदालत में चार्जशीट (प्रोसिक्यूशन कंप्लेंट) भी दाखिल कर दी है.

जानें क्या है पूरा मामला?

यह पूरा मामला ट्रांस-अरुणाचल हाईवे (पोटिनबोपी, 0 से 157.70 किलोमीटर) सड़क परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण में दिए गए मुआवजे से जुड़ा है. इस सड़क को याचुली, जीरो और रागा सेक्टर में बांटा गया था. शुरुआत में करीब 289.40 करोड़ रुपये का मुआवजा प्रस्तावित था, जिसे बाद में घटाकर 188 करोड़ रुपये कर दिया गया, लेकिन फिर भी भुगतान में भारी गड़बड़ियां की गई, जिससे निजी लोगों को गलत फायदा पहुंचाया गया.

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में खुलासा

राज्य की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में सामने आया कि याचुली सेक्टर में जहां 38.18 करोड़ रुपये का मुआवजा बनता था, वहां 66.25 करोड़ रुपये बांट दिए गए, यानी करीब 28 करोड़ रुपये ज्यादा. इसी तरह जीरो और रागा सेक्टर में भी भारी अनियमितताएं पाई गई. कुल मिलाकर सरकार को करीब 44.98 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

जांच में यह भी पता चला कि फर्जी लाभार्थी बनाए गए, रिकॉर्ड में हेरफेर की गई, सरकारी पैसे को गलत खातों और एफडी में डालकर निजी लोगों तक पहुंचाया गया. कई मामलों में सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने और बाद में उस पैसे को अलग-अलग तरीकों से घुमाने (लेयरिंग) के सबूत भी मिले हैं. फिलहाल इस मामले में ईडी की जांच जारी है।

लैंड फॉर जॉब केस: तेजस्वी यादव का आरोपों से इनकार, आरजेडी नेता ने चुना ये विकल्प

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लेने से जुड़े कथित स्कैम से सीबीआई मामले में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए. लैंड फॉर जॉब से जुड़े इस केस में तेजस्वी यादव ने आरोपों को मानने से इनकार कर दिया. तेजस्वी यादव ने मामले में मुकदमा लड़ने का विकल्प चुना. अब इस मामले में उनके खिलाफ ट्रायल चलेगा। दरअसल, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 29 जनवरी को आरजेडी नेताओं लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को 1 फरवरी से 25 फरवरी के बीच औपचारिक आरोप तय करने के लिए अदालत में पेश होने की अनुमति दी थी. लालू परिवार और अन्य के खिलाफ आरोप तय करते हुए कोर्ट ने कहा था कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव और उनके परिवार ने एक आपराधिक गिरोह की तरह काम किया है. उनकी ओर से एक व्यापक साजिश रची गई थी।

आरोपों से इनकार, केस की नियमित सुनवाई 9 मार्च से शुरू

बताया जा रहा है कि किन्हीं कारणों की वजह से बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कोर्ट में पेश नहीं हो पाए थे. इसके बाद केस के सभी आरोपियों को 15 फरवरी तक कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया था. इसी के चलते बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कोर्ट में अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों से इनकार कर दिया है. उन्होंने साफ कहा कि उनके या परिवार पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह गलत हैं. उन्होंने इस पूरी कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है. वे ट्रायल का सामना करेंगे. इस केस की नियमित सुनवाई 9 मार्च से शुरू होने वाली है।

तेज प्रताप के आरोपों पर चुप्पी साधी

सोमवार को तेजस्वी ने मीडिया से भी बात की. उन्होंने कहा कि वह रूटीन प्रक्रिया के चलते यहां आए हैं. उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है. इस बीच उनसे बड़े भाई तेज प्रताप के आरोपों पर सवाल किया गया. इस पर तेजस्वी यादव ने चुप्पी साध ली. बता दें कि एक दिन पहले ही लालू के बड़े बेटे एवं जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप ने आरजेडी के 5 नेताओं को जयचंद बताकर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया था।

क्या है लैंड फॉर जॉब केस?

यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद रेल मंत्री थे. सीबीआई की चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि रेलवे में ग्रुप-D नौकरियां देने के बदले उम्मीदवारों के परिवारों ने जमीन के छोटे-छोटे प्लॉट लालू परिवार या उनसे जुड़े लोगों के नाम ट्रांसफर किए. यह ट्रांसफर बिहार के कई जिलों में हुआ और बाद में इन जमीनों को परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज किया गया।

संक्षिप्त ख़बरें

फिर हादसे का शिकार हुई शिक्षकों की वैन, चार महिला शिक्षक घायल

दो माह पूर्व हुए हादसे में जा चुकी हैं दो शिक्षिकाओं की जान

तालबेहट। झांसी से तालबेहट विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में तैनात महिला शिक्षकों को लाने वाली मारुति वैन एक बार फिर सड़क हादसे का शिकार हो गई। गनीमत रही कि इस बार बड़ा हादसा टल गया और किसी की जान नहीं गई। दुर्घटना में चार महिला शिक्षक मामूली घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 9 बजे झांसी से तालबेहट आ रही इको कार झरघाट पुल पर डिवाइडर से टकरा गई। रेलिंग मजबूत होने के कारण वाहन पुल के नीचे गिरने से बच गया। हादसे में आरती पटेल, आरती साहू, सुभाषनी साहू और दीपका घायल हो गईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की सहायता से घायलों को सीएचसी तालबेहट पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया।

उनका कहना है कि कर चालक शराब का नशा किए हुए था।उल्लेखनीय है कि ठीक दो माह पूर्व भी महिला शिक्षकों से भरी मारुति वैन हादसे का शिकार हुई थी, जिसमें दो महिला शिक्षिकाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। लगातार हो रहे हादसों से शिक्षकों और उनके परिजनों में दहशत का माहौल है।

देवगढ़ रोड पर शराब की दुकानों से महिलाओं में भय

● मोहल्ला वासियों ने डीएम से की हटाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर के मोहल्ला नेहरू नगर देवगढ़ रोड क्षेत्र में देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों को लेकर स्थानीय महिलाओं में भय का माहौल बना हुआ है। इसी को लेकर मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए शराब की दुकानों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि देवगढ़ रोड पर स्थित देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों की पूर्ण क्षमता बहाल कर दी गई है। इससे पहले भी बीते वर्ष 01 अप्रैल 2025 को इन दुकानों को खोले जाने का विरोध किया गया था, जिसमें मोहल्ले की महिलाओं ने आपत्ति जताई थी। बावजूद इसके समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। मोहल्ला वासियों का कहना है कि शराबियों द्वारा आए दिन सड़क पर गाली-गलौज, झगड़ा और खुलेआम शराब पीने जैसी गतिविधियां की जाती हैं, जिससे मंदिर, स्कूल और बाजार जाने वाली महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शाम के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जिससे किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में सड़क पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण को लेकर भी शिकायत की गई थी, लेकिन उस पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब एक बार फिर मोहल्ला वासियों ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। मोहल्ला वासियों ने जिलाधिकारी से देवगढ़ रोड नेहरू नगर में स्थित शराब की दुकानों को किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किये जाने की मांग उठायी गयी, ताकि मंदिर व स्कूल आने-जाने वाले ब'चों, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रार्थना पत्र पर कई महिलाओं व स्थानीय निवासियों में रामकुंवर, रवि प्रभा, ममता, सौ या, सामवती, राजकुमारी, अनुराधा, कमला, मीरा, सविता, मनीष, दीपक, सागर, रामसेवक, ऊषा, खिलान, रजनी, फूलन, मनोज, विमलेश, बेबी, ममता, सीता, मनीषा, रानी, पूना के हस्ताक्षर अंकित बताये गए हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

बैठक में विवाद, लाठी-डंडों से मारपीट का आरोप

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुढ़ा बुजुर्ग में बैठक के दौरान हुए विवाद में मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाना नाराहट में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम बुढ़ा बुजुर्ग निवासी भगवानदास प्रजापति पुत्र जुगल प्रसाद ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 7 फरवरी 2026 को गांव में मंदिर पर सामान्य बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सभी ग्रामीण मौजूद थे। बैठक के दौरान गांव के ही कुछ लोगों द्वारा प्रधान बनाए जाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया गया। आरोप है कि इसी दौरान धमकी भरे शब्द कहे गए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पीड़ित ने बताया कि वह विवाद बढ़ता देख वहां से अपने घर लौट आया। शिकायतकर्ता के अनुसार 8 फरवरी 2026 की सुबह जब वह गांव में गया तो आरोपियों द्वारा फिर से उसे अपमानित किया गया। इसके बाद दोपहर करीब 2.×0 बजे आरोप है कि उक्त लोग उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व जूतों से मारपीट की। इस दौरान उसके गले से सोने की चेन टूट गई, जिससे उसकी जान बाल-बाल बची। आरोप है कि हमलावर उसका मोबाइल फोन भी छीन ले गए। पीड़ित ने बताया कि मारपीट के कारण उसके शरीर में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। घटना के समय उसकी मां रामरती, भाई हल्केराम मौके पर मौजूद थे।

वकील ने कहा- दिल्ली की अदालत में हुआ हमला, सीजेआई बोले- पहले हाईकोर्ट जाएं, गुंडा राज अस्वीकार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

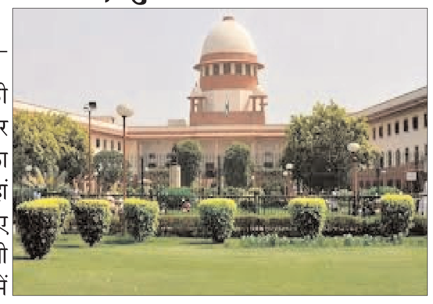

ब्यूरो प्रयागराज। दिल्ली की एक जिला अदालत में वकील और उसके मुवक्किल पर हुए हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। यहां वकील ने घटना का जिक्र करते हुए सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली की तीस हजारी जिला अदालत में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज (एडीजे) हरदीप सिंह पाल की अदालत के अंदर उन पर और उनके मुवक्किल पर हमला हुआ। वकील के मुताबिक, जब वह अपने मुवक्किल (जो एक आरोपी है) की पैरवी कर रहे थे, तभी शिकायतकर्ता और कुछ गुंडों ने उन दोनों को बुरी तरह पीटा। वकील ने कोर्ट को जानकारी दी कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था। उस समय जज और कोर्ट के कर्मचारी भी वहीं मौजूद थे। वकील ने आरोप लगाया कि आरोपी का पक्ष लेने की वजह से उन्हें भी निशाना बनाया गया।

इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने वकील से सवाल किया कि क्या उन्होंने इस घटना की जानकारी दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को दी है? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अगर पुलिस इस मामले में दखल नहीं दे रही है, तो यह कानून की अवहेलना है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना को गुंडा राज बताया और कहा कि ऐसी हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। बेंच ने वकील को निर्देश दिया कि वह सबसे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। कोर्ट ने साफ किया कि अदालत परिसर में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

खुला नाला होने से गंदगी का साम्राज्य, बिमारी फैलने की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के मिर्जापुर रोड मेवालाल की बगिया तिराहे के समीप खुले नाला से गंदगी का साम्राज्य है। जिससे क्षेत्र में तमाम तरह की बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है।बताया जाता है, मेवालाल की बगिया तिराहे के समीप स्थित मोहल्ले में खुले नाले के चलते गंदगी का साम्राज्य देखने को मिल रहा है। सामने खुले तौर पर गंदे पानी के बहाव बना हुआ है। खुले तौर पर गंदे पानी के बहाव होने से यहां का वातावरण काफी प्रदूषित हो गया है। लोगों को शुद्ध हवा मिलना मुश्किल हो गया है। भीषण गंदगी के चलते मोहल्ले में मच्छरों की भरमार हो गई है। मच्छरों के बढ़ते आतंक से रात मैं लोगों की नींद हराम हो गई है। वही इस नाले में गिर कर कई लोग घायल भी हो चुके हैं। क्षेत्रीय लोगों के द्वारा इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को कई बार दी गई , बावजूद इसके उनके द्वारा इस तरफ कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खुले नाले के चलते आए दिन दुर्घटना होने की भी सम्भावना बनी रहती है।

महिलाओं में मारपीट व धमकाने का आरोप

ललितपुर। तालबेहट थाना क्षेत्र में गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़िता मोहिनी यादव पत्नी गुलाब यादव की तहरीर पर थाना तालबेहट पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहिनी ने बताया कि घटना 8 फरवरी 2026 की सुबह करीब 9 बजे की है। वह अपने घर के बाहर अपनी जेठानी की बेटी के साथ खड़ी थी। इसी दौरान गांव की ही निराशा पत्नी नारायण यादव, नेहा पत्नी अनेश यादव और बृज पत्नी बल्लू यादव वहां पहुंचीं। आरोप है कि तीनों महिलाओं ने आलू की फसल को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब पीड़िता ने गालियां देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गई। घटना से भयभीत पीड़िता ने तत्काल थाना तालबेहट पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से झटका, रेप पीड़िता के पिता की मौत मामले में जमानत नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने पीड़िता के पिता की कथित हिरासत में मौत से जुड़े मामले में उनकी सजा के निलंबन और जमानत की मांग वाली याचिका पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि वह सेंगर की लंबित अपील पर शीघ्र सुनवाई करते हुए तीन महीने के भीतर इसका निपटारा करे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह मामला विचार के लिए हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है। पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'हम इसे एक उपयुक्त मामला मानते हैं, जिसमें उच्च न्यायालय से यह अनुरोध किया जाता है कि वह अपील की सुनवाई यथासंभव शीघ्र, लेकिन तीन महीने से अधिक की देरी किए बिना पूरी करे।' दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर ने पीड़िता के पिता की कथित हिरासत में मौत के मामले में मिली सजा को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर की हुई है। इसी अपील के साथ उन्होंने सजा के निलंबन और जमानत की मांग भी की थी। हाईकोर्ट में सुनवाई लंबित होने के चलते सेंगर ने तत्काल राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि इस स्तर पर वह कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं करेगा। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि अपील पर अंतिम फैसला देने का अधिकार दिल्ली हाईकोर्ट के पास है, इसलिए वहीं इस मामले की सुनवाई पूरी की जानी चाहिए। गौरतलब है कि कुलदीप सिंह सेंगर उत्तर प्रदेश के उन्नाव से पूर्व विधायक रह चुके हैं। वह पहले ही एक अलग मामले में रेप के आरोप में दोषी ठहराए जा चुके हैं। पीड़िता के पिता की मौत का यह मामला भी उसी प्रकरण से जुड़ा हुआ है, जिसने देशभर में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया था।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की वारदात से दहशत, लाखों के आभूषण व नगदी पार

शुकुल बाजार अमेठी। जनपद के थाना क्षेत्र शुकुल बाजार अंतर्गत ग्राम दक्खिनगांव मजरा के पूरे लदई दुबे में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश कुमार मिश्रा के घर में घुसे चोर सोने-चांदी के कीमती आभूषण तथा नगदी समेटकर फरार हो गए। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है।पीड़ित परिवार के अनुसार रात में अज्ञात चोर घर में दाखिल हुए और कमरे में रखे बक्से व अलमारी का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी पार कर दी। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों के होश उड़ गए और गांव में हड़कंप मच गया।पीड़ित सुरेश कुमार मिश्रा ने थाना शुकुल बाजार पहुंचकर घटना की लिखित तहरीर दी है। मामले में थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है तथा पुलिस टीम गठित कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वही लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रीय लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस गश्त बढ़ाए जाने और शीघ्र खुलासे की मांग की है।

कुदरहा ब्लॉक परिसर में युवक की पिटाई, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

बस्ती। बस्ती जिले केकुदरहा विकासखंड के सहायक विकासखंड कार्यालय में प्रधान प्रतिनिधि और एक युवक के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद मारपीट में बदल गया। घटना से कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी डरकर बाहर निकल आए। मारपीट में घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार मामला ग्राम पंचायत मंझरिया से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि सामुदायिक शौचालय निर्माण के नाम पर फर्जी मास्टर रोल को लेकर दोनों पक्षों में पहले से विवाद चल रहा था। इसी मुद्दे को लेकर प्रधान प्रतिनिधि शेरराम उर्फ भोलू और उनके पुत्र अंकित उर्फ राजकुमार का गांव निवासी विकास कुमार से सहायक विकासखंड कार्यालय में आमना-सामना हो गया। पूछताछ के दौरान कहासुनी बढ़ी और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। घायल पक्ष का आरोप है कि पिता-पुत्र ने लात-घूंसे से जमकर पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि विकास कार्यों को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट किए जाने से विवाद बढ़ा। चौकी प्रभारी महेश कुमार शर्मा ने बताया कि फिलहाल किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ललगंज थाना अध्यक्ष संजय कुमार ने भी बताया कि मामला संज्ञान में है और शिकायत का इंतजार किया जा रहा है।

अधिवक्ता को पितृ शोक, बार संघ ने दी श्रद्धांजलि

देवरिया। दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील शर्मा के पिता राम नक्षत्र शर्मा का सोमवार को निधन हो गया। वह 100 वर्ष के रहे व लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्होंने अपने पैतृक गांव लार क्षेत्र के ग्राम सभा चौमुखा में सुबह लगभग 11 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार में अधिवक्ताओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने उन्हें बेहद सरल, सज्जन और नेक व्यक्तित्व का धनी बताया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

दरोगा अजय गौड़ की मौत पर उठे गंभीर सवाल, भाई ने पुलिस पर लगाए लापरवाही के आरोप, पत्नी नें की CBI जांच की मांग

●नवागत पुलिस अधीक्षक के स्वागत में व्यस्त रही बस्ती पुलिस, लापता दरोगा की तलाश हाशिये पर चली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के थाना परशुरामपुर में तैनात रहे नगर उप निरीक्षक का शव सरयू नदी में मिलने के बाद पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लापता होने के कई दिन बाद रविवार को सरयू नदी में शव मिलने और शुरुआती जांच को लेकर पुलिस पर लापरवाही के आरोप अब खुलकर सामने आने लगे हैं। सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद अजय गौड़ के भाई, जो झांसी में एडीएम के पद पर तैनात हैं, ने साफ शब्दों में कहा कि बस्ती पुलिस ने उनके भाई को खोजने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समय उनका भाई लापता था, उस समय पुलिस द्वारा खोजबीन को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस दौरान वह रो भी पड़े उस समय पोस्टमार्टम हाउस पर उन्हें सान्तवना प्रदान करने के लिए CRO,एडिशनल एसपी श्याम कांत तथा अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

दिवंगत दरोगा के भाई ने बताया कि अजय गौड़ की बाइक कोतवाली थाना क्षेत्र के अमहट घाट पर मिली, जहां आसपास लगातार पुलिस बल तैनात रहता है। उसी बगल में पुलिस अधीक्षक का आवास भी स्थित है, इसके बावजूद पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि बाइक वहां कौन और कैसे लेकर पहुंचा। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने संवेदनशील इलाके में घटना से जुड़ी कोई ठोस जानकारी अब तक सामने क्यों नहीं आई। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगालने की बात कर रही है, जबकि यह काम पहले ही किया जाना चाहिए था। उनका आरोप है कि यदि समय रहते तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल और लोकेशन की गंभीरता से जांच होती, तो शायद आज हालात कुछ और होते।दिवंगत दरोगा की पत्नी और भाई ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अजय गौड़ के मोबाइल फोन और सीयूजी नंबर की कॉल डिटेल, अंतिम कॉल और अंतिम लोकेशन भी उन्हें उपलब्ध कराने की भी मांग की, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी स्तर की लापरवाही या चूक को छिपाया न जा सके।

इस पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने कहा कि प्रकरण की जांच लगातार की जा रही है। उनके अनुसार अभी तक की जाँच में अजय गौड़ की अंतिम लोकेशन सरयू नदी से लगभग पांच किलोमीटर पहले तक ट्रेस की जा चुकी है और आगे की लोकेशन को लेकर भी तकनीकी जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि अमहट घाट तक बाइक कैसे पहुंची, इसकी जांच टोल प्लाजा समेत अन्य संभावित रास्तों और साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि दरोगा अजय गौड़ की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल कई टीमें जांच में लगी हुई हैं और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस का चेकिंग अभियान, 138 वाहनों का ई-चालान

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में सोमवार को यातायात पुलिस ने शहर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात प्रभारी गुलाब सिंह के नेतृत्व में कोतवाली क्षेत्र में ई-रिक्शा वाहनों की जांच की गई तथा वैध कागजात वाले वाहनों पर नंबरिंग कराई गई। गोरखपुर ओवरब्रिज, कसया ओवरब्रिज, मालवीय रोड और बस स्टैंड पर सड़क किनारे सवारी भरने वाले अनुबंधित बस, ऑटो और ई-रिक्शा के विरुद्ध चालान व सीज की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 138 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि 10 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने बताया कि ऐसी कार्रवाई से यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित होता है, सड़क दुर्घटनाओं में कमी आती है तथा नियम उल्लंघन करने वालों को सख्त संदेश दिया जाता है।

राजकीय जिला पुस्तकालय समिति बस्ती की बैठक दोपहर 12.30 बजेकलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में राजकीय जिला पुस्तकालय समिति बस्ती की बैठक दोपहर 12:30 बजे जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में पुस्तकालय के विकास, उन्नयन, संवर्धन एवं अधिक उपयोगी बनाने के दृष्टिगत विभिन्न विन्दुओं पर चर्चा की गई और छात्र-छात्राओं को स्क्रीन से पन्नों की ओर लाकर पठन संस्कृति के विकास पर जोर दिया गया। प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती डॉ. विजय प्रकाश वर्मा ने बताया कि जिला पुस्तकालय समिति के माध्यम से राजकीय जिला पुस्तकालय बस्ती को और अधिक उपयोगी बनाया जाएगा जिससे अधिक से अधिक लोग पुस्तकालय से जुड़ सके। बैठक में सम्मानित सदस्य के रूप में अध्यक्ष नगर पालिका प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सहजिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा, (प्रवक्ता) प्राचार्य डायट प्रतिनिधि रविनाथ, जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रतिनिधि, प्रो. बलराम गुप्ता महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, श्रीमती अपर्णा भारद्वाज प्राचार्या राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, समन्वयक नेहरू युवा केंद्र प्रतिनिधि, श्रीमती आयुषि गिरि, कु. दीपा वर्मा के साथ पुस्तकालय के जयदीप चौधरी समन्वयक, मुकेश कन्नौजिया कम्प्यूटर आपरेटर उपस्थित रहे।

महात्रिशूल सनातन हिंदू एकता यात्रा पहुंची सुल्तानपुर

●60 फीट ऊंचा त्रिशूल अयोध्या में होगा स्थापित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। महात्रिशूल सनातन हिंदू एकता यात्रा सोमवार को सुल्तानपुर पहुंची। इस यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म को संगठित करना और हिंदू एकता का संदेश देना है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से 2 फरवरी को शुरू हुई यह यात्रा 10 फरवरी को अयोध्या स्थित श्री विघ्नेश्वर नाथ महादेव धाम पहुंचेगी।यात्रा का मुख्य आकर्षण 60 फीट ऊंचा और 800 किलोग्राम वजनी विशाल स्टील का त्रिशूल है। यह त्रिशूल पूरी तरह से स्टील धातु से निर्मित भारत का पहला ऐसा विशाल प्रतीक बताया जा रहा है, जिसे अयोध्या में स्थापित किया जाएगा। सुल्तानपुर पहुंचने पर स्थानीय हिंदू संगठनों और श्रद्धालुओं ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान 'जय श्री राम' के उद्घोष गूंजते रहे। यात्रा का नेतृत्व कर रहे अमित योगी विघ्नेश्वर नाथ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि यह यात्रा सनातनियों को एकजुट करने के लिए निकाली गई है।

अमित योगी ने त्रिशूल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह 60 फीट ऊंचा और 11 फीट चौड़ा भव्य प्रतीक है, जो 'बाबा की मर्जी से बना' है। यात्रा का व्यापक उद्देश्य समाज में आत्मबल, संबल और धर्म की रक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। सुल्तानपुर में भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष रीना जायसवाल और अन्य गणमान्य नागरिक भी यात्रा के स्वागत में उपस्थित रहे। यह यात्रा का सातवां दिन था, जो 10 फरवरी को अयोध्या में संपन्न होगी। अमित योगी का मानना है कि प्रत्येक सनातनी के घर में 'शास्त्र' के साथ-साथ 'शस्त्र' का प्रतीक भी होना चाहिए ताकि समाज और परिवार की रक्षा हो सके।

निधन पर व्यापारियों ने जताया शोक

ललितपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय जैन के बड़े भाई एवं अनुज जैन आयुष के पूज्य पिताजी राजेश जैन के आकस्मिक निधन पर व्यापार मंडल की हुई शोक बैठक में गहरा शोक व्यक्त कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनकी आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को धैर्य करने की शक्ति प्रदान किए जाने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। बैठक में महेंद्र जैन मयूर, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, महेश जैन, अनिल जैन, अनिल अंचल, पंकज बिरधा, सतीश जैन, राजीव सुडेले, मनोज सोनी मज्जू, अवध बिहारी उपाध्याय, जयनारायण शर्मा, मनोज जैन, राजीव चौधरी, अवनीश जैन, नवीन सिंघई, अभय जैन एड., डा.प्रीतम सराफ, लखन अग्रवाल, अंकित सतभैया, पार्षद आलोक मयूर, उदयभान सिंह यादव, अशोक अनौरा, मुकेश परवार, राजेंद्र जैन, नितेश जैन, संजीव जैन, उदयभान सिंह यादव, आनंद जैन, हरीश सिंघई, विनोद जैन, वासु जैन, महेश सतभैया, सुमत जैन, राहुल मोदी, रमाकांत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख रोहित पासी जगदीशपुर विधानसभा में जनमानस को कर रहे जागरूक

●लोगों के सुख-दुख में हो रहे शामिल एसआईआर को सफल बनाने में कर रहे सहयोग

केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को करा रहे अवगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जगदीशपुर, अमेठी। विधानसभा क्षेत्र 184 जगदीशपुर में पूर्व ब्लॉक प्रमुख भादर रोहित पासी (चौधरी) द्वारा लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। वे क्षेत्र के गांव-गांव पहुंचकर लोगों के सुख-दुख में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनमानस तक पहुंचा रहे हैं।रोहित पासी, पूर्व लोकसभा एवं विधानसभा प्रत्याशी रहे स्वर्गीय राजेंद्र चौधरी के पुत्र हैं। राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े होने के कारण वे लंबे समय से सामाजिक व जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। क्षेत्र में उनकी बढ़ती सक्रियता को लेकर समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है।जनसंपर्क के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए हर संभव प्रयास का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार 'डबल इंजन' के रूप में देश-प्रदेश के विकास को नई गति दे रही है। सड़क, बिजली, आवास, शौचालय, स्वास्थ्य एवं राशन जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।मीडिया से रूबरू होते हुए रोहित पासी ने कहा–सिर्फ वादे नहीं, इरादे मजबूत हैं; विकास की राह पर हम सब साथ हैं। 'उन्होंने आगे कहा कि देश के नवनिर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है और सभी को मिलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को साकार करते हुए सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।रोहित पासी ने अपने पिता स्वर्गीय राजेंद्र चौधरी के विचारों को याद करते हुए कहा कि परिवार की भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति गहरी निष्ठा रही है। उनके पिता स्वयं संघ के स्वयंसेवक रहे और उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर वे भी राष्ट्र सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं।क्षेत्रीय जनता से मिल रहे समर्थन के बीच रोहित पासी का यह जनसंपर्क अभियान आगामी समय में और तेज होने के संकेत दे रहा है। वही एस आईआर को लेकर उन्होंने कहा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियॉ दर्ज करने की अवधि 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) से 06 मार्च 2026 (शुक्रवार) तक व सूचना चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों और आपत्तियों का निस्तारण अवधि 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) से 27 मार्च 2026 (शुक्रवार) तक एवं स्वास्थ्य मापदंडों की जांच अवधि 03 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) तक तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अवधि 10 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं हेतु प्रारूप-6, घोषणा पत्र के साथ, अपमार्जन के लिए प्रारूप-7, किसी प्रविष्टि में त्रुटि, पता बदलवाने एवं डुप्लीकेट वोटर कार्ड हेतु प्रारूप-8, (घोषणा पत्र (अनुलग्नक-4) के साथ भरकर अपना आवेदन 06 मार्च 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन के माध्यम से सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा सम्बन्धित भाग संख्या के बीएलओ को अपना आवेदन जमा करना होगा। इस सम्बन्ध में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं व जनमानस से अपील किया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें और अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं।

विजय कुमार वर्मा की स्स्क्रमें तैनाती:बलरामपुर के चमरूपुर गांव में हुआ जोरदार स्वागत

बलरामपुर – जिले के श्रीदत्तगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत चमरूपुर मजरा भड़वाजोत निवासी विजय कुमार वर्मा का सशस्त्र सीमा बल (SSB) में कांस्टेबल जीडी के पद पर तैनाती हुआ है। अपने गांव पहली बार लौटने पर क्षेत्र वासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।विजय कुमार वर्मा किसान माया राम वर्मा के पुत्र हैं। उनकी यह उपलब्धि गांव और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चमरूपुर शिव शंकर सैनी ने प्रभु श्रीराम का फोटो देकर स्वागत किया, पूर्व प्रधान अयूब खान, अविनाश पांडे, अशोक कुमार वर्मा, रक्षा राम कश्यप, सियाराम वर्मा, डॉक्टर केसरी लाल वर्मा, अखिलेश कुमार गुप्ता, ताज मोहम्मद, मास्टर रवीन्द्र किशोर, दाताराम वर्मा, शंकर वर्मा, विनय वर्मा ,राजेंद्र प्रसाद वर्मा और राजेश भारती सहित कई ग्रामवासियों और क्षेत्र के लोगों ने उनका अभिनंदन किया।

बस्ती से लापता दरोगा की लाश सरयू नदी में मिली, हत्या की आशंका

●पुलिस कर रही है विभिन्न बिंदुओं पर जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के परशुरामपुर थाने से लापता हुए सब इंस्पेक्टर अजय कुमार गौड़ का शव अयोध्या में सरयू नदी से बरामद किया गया है। उनका शव मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अयोध्या कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। सब इंस्पेक्टर अजय कुमार गौड़ मूल रूप से देवरिया जनपद के निवासी थे। वे 05 फरवरी की शाम से लापता हो गए थे। उनका निजी मोबाइल फोन और थाने का सीयूजी नंबर लगातार बंद आ रहा था। सब इंसपेक्टर की पत्नी ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।*लापता दरोगा का शव सरयू नदी में मिला।बस्ती जिले के थाना परशुरामपुर से लापता चल रहे सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ का शव सरयू नदी में बरामद होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। शव अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के तिहुरा माझा इलाके में नदी किनारे मिला, जिसे स्थानीय पुलिस ने कब्जे में लेकर बाहर निकाला।पुलिस के अनुसार सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ मूल रूप से देवरिया जिले के रहने वाले थे और बीते दिनों से परशुरामपुर थाना क्षेत्र से लापता बताए जा रहे थे। रविवार को अयोध्या कोतवाली पुलिस को सरयू नदी में शव दिखाई देने की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया गया। प्राथमिक जांच में शव की पहचान अजय गौड़ के रूप में की गई।

एक ही गुरु की शिक्षा से गढ़ी तीन पीढ़ियों की सफलता की मिसाल, लोहेपनिया गांव बना प्रेरणा केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। लोहेपनिया कहते हैं कि सच्चा गुरु केवल पढ़ाता नहीं, बल्कि पीढ़ियों का भविष्य गढ़ता है। इस कहावत को चरितार्थ किया है परिषदीय प्राथमिक विद्यालय लोहेपनिया के सेवानिवृत्त शिक्षक सुरेश चन्द्र तिवारी ने, जिनकी शिक्षा से एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने ऊँचाइयों को छुआ है। ग्राम लोहेपनिया निवासी आकांक्षा तिवारी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा परिषदीय प्राथमिक विद्यालय लोहेपनिया से प्राप्त कर आगे चलकर बी.डी.एस. की डिग्री हासिल की। वहीं उनके भाई सौरभ तिवारी ने भी प्रारंभिक शिक्षा अपने मूल गांव से प्रारंभ कर मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक व एम.टेक की पढ़ाई पूरी की और वर्तमान में कनाडा में प्रोजेक्ट्स इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। परिवार की इस शैक्षिक विरासत की नींव उनके पिता महेंद्र तिवारी एडवोकेट ने रखी, जिन्होंने स्वयं भी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय लोहेपनिया से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर लखनऊ विश्वविद्यालय से वकालत की पढ़ाई पूरी की। इसके पश्चात वे इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में अधिवक्ता के रूप में कार्य करने लगे।

खास बात यह है कि पिता, पुत्र और पुत्री – तीनों को प्रारंभिक शिक्षा देने वाले एक ही गुरु सुरेश चन्द्र तिवारी रहे हैं, जो अब सेवा निवृत्त हो चुके हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा की ताकत का प्रमाण है। सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्र में भी महेंद्र तिवारी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। वे वर्ष 2015 से 2020 तक ग्राम पंचायत लोहेपनिया के प्रधान रहे और उनके नेतृत्व में जनपद में सर्वप्रथम गांव को खुले में शौच मुक्त बनाया गया। अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए जुगनू व मजनू टीम का गठन कर सक्रिय पहल की गई। स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी के साथ-साथ कोविड महामारी के दौरान ग्रामीणों को मास्क, सेनेटाइजर व डिटॉल साबुन वितरित कर जागरूक किया गया तथा पुलिस और ग्रामीणों के बीच संवाद स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई गई। उनके सामाजिक योगदान को देखते हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा द्वारा परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर, वहीं तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी रवीश गुप्ता एवं जिलाधिकारी राकेश मिश्रा द्वारा जिला स्वच्छता समिति का सदस्य मनोनीत किया गया। प्रशासन द्वारा समय-समय पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। लोहेपनिया गांव की यह कहानी न केवल शिक्षा, बल्कि संस्कार, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की एक जीवंत मिसाल बनकर उभरी है।

किशोर की हत्या की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने की बात सामने आई, FIR दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – धम्मौर थानाक्षेत्र में 11 वर्षीय किशोर की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किशोर की गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। इसके बाद, पुलिस ने मृतक के बाबा की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। रामापुर हाजीपट्टी गांव निवासी अरुण चौहान के पुत्र विवेक चौहान (11) का शव शुक्रवार शाम उसके घर में छप्पर से लटका मिला था। मृतक के मामा आशीष चौहान के अनुसार, घटना के समय वे बाजार गए हुए थे। सूचना मिलने पर घर लौटने पर उन्होंने विवेक का शव फंदे से लटका पाया। परिजन तुरंत किशोर को अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। परिजनों ने शुरुआत से ही आरोप लगाया था कि विवेक ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों का कहना था कि किसी ने पहले विवेक का गला दबाकर उसकी हत्या की। इसके बाद, हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को छप्पर में रस्सी के सहारे लटका दिया गया। आशीष चौहान ने अपनी आशंका व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें संदेह है कि किसी ने पहले उसका गला दबाया और फिर उसे छप्पर की रस्सी से लटका दिया। उन्होंने सच सामने आने की मांग की थी। इस मामले में रविवार को डॉग स्क्वॉयड टीम ने गांव का दौरा किया और आसपास के खेतों व रास्तों का निरीक्षण किया। धम्मौर थानाध्यक्ष अंजू मिश्रा ने बताया कि मृतक किशोर के बाबा राम अभिलाष की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

संदिग्ध हालात में लापता नाबालिग

ललितपुर। जिले के एक गांव में रहने वाली नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। नाबालिग के अचानक घर से गायब हो जाने से परिजनों में हड़कंप मच गया है। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं लगा तो परिजनों ने थाना बार में तहरीर देकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बार के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 08 फरवरी को लगभग सुबह 2 बजे उनकी भतीजी बिना किसी को बताए घर से चली गई। जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने आसपास के क्षेत्रों, रिश्तेदारी और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना बार पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 137(2) के अंतर्गत दर्ज कर ली है।

मथुरा घाट पुल का निर्माण शुरू:श्रावस्ती-बलरामपुर को जोड़ेगा, लागत 74 करोड़ रुपये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। श्रावस्ती बलरामपुर बॉर्डर पर बहुप्रतीक्षित मथुरा घाट पुल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा निर्मित यह पुल श्रावस्ती और बलरामपुर के बीच संपर्क बढ़ाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 74 करोड़ 9 लाख रुपये है।पुल निर्माण के लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसमें नेवार, सांचा और मजदूरों के लिए आवासीय क्वार्टर का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, निर्माण स्थल तक पहुंचने वाली सड़क का कार्य भी प्रगति पर है। राज्य सेतु निगम के कर्मचारी गुले यादव ने बताया कि सभी आवश्यक उपकरण पहुंचने लगे हैं और जल्द ही निर्माण कार्य में तेजी आएगी। इस पुल के बनने से श्रावस्ती, कटरा, इकौना, बलरामपुर और बहराइच जैसे प्रमुख इलाके सीधे जुड़ जाएंगे। इससे तुलसीपुर देवीपाटन मंदिर, सिरसिया के विभूति नाथ मंदिर और भिनगा मुख्यालय तक की यात्रा काफी सुगम हो जाएगी।यह पुल बरसात के मौसम में राप्ती नदी के जलभराव और बाढ़ की समस्या से भी राहत प्रदान करेगा। लक्ष्मनपुर बाजार, सिरसिया और आसपास के कई गांव सीधे इकौना से जुड़ सकेंगे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इससे कोडरी घाट से होकर आने वाली लगभग 20 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी समाप्त हो जाएगी। आवागमन में आसानी से व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। स्थानीय निवासियों ने इस परियोजना पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यह उनकी वर्षों पुरानी मांग थी, जो अब पूरी हो रही है। पुल के निर्माण से क्षेत्र के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे, जिससे इस इलाके के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।

धर्म आस्था और विश्वास के केंद्र बिंदु महावीर धाम पर हुआ विशाल भंडारा

●हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, क्षेत्र में रहा भक्ति का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। क्षेत्र के प्रसिद्ध धर्मस्थल महावीरन धाम पूरे भोजा, अंदीपुर में विशाल भंडारे का आयोजन बड़े ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। अति प्राचीन व अति सिद्ध स्थल के रूप में विख्यात इस धाम पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दूर-दराज़ गांवों से आए हजारों भक्तों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।धार्मिक मान्यता है कि महावीरन धाम पर सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत पूर्ण होती है। यही कारण है कि वर्ष भर यहां भक्तों का आगमन लगा रहता है। भंडारे के अवसर पर पूरे परिसर को भव्य रूप से सजाया गया तथा भक्तिमय भजनों से वातावरण गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता रोहित चौधरी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ला सहित अनेक गणमान्य जनों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर एडवोकेट प्रमोद शुक्ला, युवा भाजपा नेता विश्व प्रकाश शुक्ला, त्रिलोचन पांडे, मैनेजर पांडे, शिक्षक अनूप तिवारी, राहुल तिवारी, सेक्टर संयोजक अरुण शुक्ला, पूर्व प्रधान राम प्रताप तिवारी, शेषनाथ तिवारी सहित क्षेत्र के तमाम ग्रामीणों की आयोजन में अहम भूमिका रही।भंडारे के सफल आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं व ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा देर शाम तक प्रसाद वितरण का क्रम चलता रहा।

संक्षिप्त खबरें

श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद माध्यमिक विद्यालय में बच्चों द्वारा रखा गया सुंदरकांड पाठ

बिसवां/सीतापुर श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद माध्यमिक विद्यालय अल्लीपुर मे बच्चों द्वारा सुंदरकांड का पाठ रखा गया सुंदरकांड पाठ में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया उसके तत्पश्चात बच्चों ने मां शारदे का हवन भी किया जिसमें कई कवि और अतिथि भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन से बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया और एक नई राह दिखाने का प्रयास किया..उपस्थित अतिथि गण -डॉ हामिद अली कृषक इंटर कॉलेज मारु छी के प्रबंधक- अमन नबी अहमद जी, ग्राम पेड़रा के प्रधान- आलोक यादव जी और कई कविगण भी उपस्थित रहे- धर्मेंद्र धवल, अरविंद सिंह मधुप, घनश्याम शर्मा, विजय रस्तोगी, संदीप सरस, अरविंद त्रिपाठी, रजनीकांत दीक्षित रंजन, और विद्यालय में आए अतिथियों ने भी बच्चों को एक नया मार्गदर्शन दिया..बच्चों और विद्यालय के अध्यापकों ने बड़ी मेहनत और लगन से इस कार्यक्रम को एक नई दिशा दी विद्यालय परिवार को बहुत बहुत धन्यवाद..

बसपा प्रमुख मायावती ने बजट सत्र में राज्यपाल के संबोधन को बताया निराशाजनक, कही ये बातें

» मायावती ने राज्यपाल के संबोधन को निराशाजनक करार दिया।

» विकास और जनहित पर ध्यान न देने की आलोचना की।

» गरीबी, बेरोजगारी और सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की।

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्य के संबोधन को निराशाजनक बताया। कहा कि उनका भाषण परंपरा से हटकर विकास एवं सर्वसमाज के उत्थान और जनहित में होना चाहिए था।

पूर्व सीएम ने एक्स पर लिखा है कि सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में करोड़ों लोग त्रस्त हैं। उन्हें गरीबी एवं बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इससे ज्यादा चिंता उन्हें अपने जान, माल और मजहब की है। राज्यपाल को इस विषय पर फोकस करना चाहिए था जिससे प्रदेश की जनता और विपक्ष को आश्वासन मिलता। मायावती ने लिखा है कि इसी वजह से विपक्ष लगातार नारेबाजी करता रहा। राज्यपाल के संबोधन में सरकार द्वारा जनहित के बड़े बड़े दावों, आश्वासनों एवं घोषणाओं व वादों को पूरा करने संबंधी विवरणों का अभाव लोगों की चिंता का कारण रहा। इसका आगामी बजट में समायोजन करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में 'सीखो करके' से संवरेंगी कक्षाएं, विज्ञान-गणित शिक्षक बनेंगे कौशल शिक्षक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में बुनियादी शिक्षा को रटंत से मुक्त कर प्रयोगधर्मी और कौशल-आधारित बनाने की दिशा में कोशिश हो रही है। 3288 चयनित परिषदीय विद्यालयों और डायट संस्थानों में 'लर्निंग बाय डूइंग' (सीखो करके) माडल को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों को किताबों तक सीमित न रखकर प्रयोग, गतिविधि और जीवन से जुड़े अनुभवों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना है। इसी क्रम में उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ में 16 फरवरी से 18 मार्च तक विज्ञान और गणित विषय के 1400 शिक्षकों का त्रिदिवसीय आवासीय कौशल-आधारित प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कुल 66 बैचों में पूरा होगा। इससे पहले 1880 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षित शिक्षक आगे अपने-अपने विद्यालयों में बच्चों को प्रयोग, प्रोजेक्ट, माडल और गतिविधि आधारित शिक्षण देंगे। विभाग का लक्ष्य बच्चों को केवल याद करने के बजाय समझने, परखने और खोजने की शिक्षा देना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है और भविष्य की स्किल-इकोनामी, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग की जरूरतों को ध्यान में रखकर की जा रही है। शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, जब बच्चे स्वयं प्रयोग करते हैं और समाधान खोजते हैं तो उनकी जिज्ञासा, तार्किक सोच और समस्या-समाधान क्षमता का तेजी से विकास होता है। इससे बच्चे निष्क्रिय श्रोता के बजाय सक्रिय शिक्षार्थी बनते हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि यह प्रयास बुनियादी शिक्षा में नई संस्कृति विकसित करेगा, जहां विद्यालय ज्ञान के साथ अनुभव की प्रयोगशाला बनेंगे। इससे उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत होगी और आने वाली पीढ़ी अधिक सक्षम व आत्मविश्वासी बनेगी।

धारदार हथियार से हमला दो युवक गंभीर रूप से घायल जन्मदिन पार्टी से लौट रहे युवकों पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सदरपुर थाना इलाके में जन्मदिन कार्यक्रम से लौट रहे युवकों पर दबंगों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दो नामजद आरोपियों समेत चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस दौरान नाराज लोगों ने थाने पहुंचकर नाराजगी व्यक्त की जानकारी के अनुसार कोतवाली बिसवां क्षेत्र के मोहल्ला झज्झर निवासी विनीत कुमार मिश्रा, ललित दीक्षित और गौरव अग्निहोत्री रविवार रात करीब सवा ग्यारह बजे थाना सदरपुर के ग्राम धामी सरायं से जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में देवियापुर में कुछ सामान लेने के लिए वे एक दुकान पर रुके। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद रिंकू रावत ने अकारण गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर रिंकू ने अपने साथी सुरेंद्र रावत और अन्य चार युवकों को बुला लिया और सभी ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। बताया जाता है कि रिंकू रावत ने विनीत कुमार मिश्रा के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। बीच-बचाव करने आए ललित दीक्षित के सिर पर तमंचे की बट से प्रहार किया गया, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने विनीत की जेब से करीब साढ़े बारह हजार रुपये भी निकाल लिए। घटना का वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे साथी का मोबाइल फोन तोड़ दिया गया इसी दौरान गौरव ने किसी तरह गाड़ी स्टार्ट कर मौके से निकलने की कोशिश की तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से वाहन पर हमला कर शीशे तोड़ दिए। आरोप है कि जब गाड़ी आगे बढ़ी तो हमलावरों ने पीछे से फायरिंग भी की। पीड़ित किसी तरह जान बचाकर देवियापुर चौकी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी थाना सदरपुर पुलिस ने रिंकू रावत पुत्र प्रेमचंद, सुरेंद्र रावत तथा चार अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं!!

युवक की मौत मामले में तीन पर हत्या का केस दर्ज तालाब में मिला था शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में थानगांव थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह तालाब में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता नरेश कश्यप की तहरीर पर गांव के ही शरीफ, खलील और शकील के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर चोट के निशान और नाक से रक्तस्राव की पुष्टि हुई है। पुलिस की मौजूदगी में मृतक का अंतिम संस्कार कराया गया है। गौरतलब है कि शनिवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में एक शव उतराता देखा, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया वहां मौजूद लोगों ने उसकी पहचान 3 फरवरी से लापता 20 वर्षीय मनीष कश्यप पुत्र नरेश कश्यप निवासी थानगांव के रूप में की सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए और हत्या की आशंका जताई। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, 3 फरवरी की शाम मनीष को गांव के पास नव निर्मित पुलिया के निकट से संदिग्ध परिस्थितियों में उठाया गया था। इसके बाद से वह लापता था। आशंका है कि उसे कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और शुक्रवार को उसकी हत्या कर दी गई। हत्या को छिपाने के उद्देश्य से शव को रात के अंधेरे में तालाब में फेंका गया शव मिलने पर नाक से खून बहने और शरीर पर कई चोटों के निशान पाए गए, जिससे परिजनों का शक और गहरा गया। थानाध्यक्ष विमल गौतम ने बताया कि युवक के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा!!

नाम छिपाकर महिला से की शादी, मानसिक रूप से किया प्रताड़ित, गिरफ्तार

लखनऊ। सआदतगंज की एक कालोनी में रहने वाली महिला ने अपने पति पर नाम छिपाकर शादी करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। कन्नौज निवासी महिला ने आरोप लगाया कि 2010 में उसकी शादी हो चुकी थी। पहले पति से उसे एक बच्चा था। पति मानसिक रूप से अस्वस्थ थे। 2015 में युवक ने उससे दोस्ती की और अपना नाम रितेश मौर्य बताकर शादी कर ली। इसके बाद किराये पर सआदतगंज इलाके में रहने लगा। 2018 में महिला गर्भवती हो गई। आरोपित उसे अपने माधौगंज हरदोई स्थित घर ले गया तो उसे पता चला कि युवक का असली नाम आरिफ है। इसके बाद महिला ने विरोध जताया लेकिन आरोपित ने डरा धमका कर शांत करा दिया। एक वर्ष पहले आसिफ उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। इसके बाद महिला ने हरदोई पुलिस से शिकायत की लेकिन सुनवाई नहीं हुई। थक हारकर उसने सआदतगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया। महिला ने अपने पिता से मिली कार हड़पने के भी आसिफ पर आरोप लगाए हैं इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया कि आरोपित आसिफ को गिरफ्तार किया गया है।

सीटेट में पांच सॉल्वर गिरफ्तार, बनारस में जेठानी की जगह देवरानी दे रही थी परीक्षा

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) के दूसरे दिन रविवार को वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ और प्रयागराज में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पांच सॉल्वर गिरफ्तार किए गए हैं। वाराणसी के सुभाषचंद्र महाविद्यालय में सीटेट की परीक्षा में आजमगढ़ निवासी अपनी जेठानी मंजू देवी के स्थान पर पात्रता परीक्षा देते समय देवरानी अर्चना यादव को पकड़ा गया। मऊ के अमृत पब्लिक स्कूल सहादतपुरा में प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी बलिया के सोना सम्राट मौर्या के स्थान पर बलिया का ही निवासी सुशील कुमार वर्मा कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर परीक्षा देते मिला। जौनपुर के प्रकाश ग्लोबल परीक्षा केंद्र से कुमारी गौतम को पकड़ा गया। प्रतापगढ़ की कुमारी गौतम जौनपुर निवासी नीलम यादव के स्थान पर परीक्षा दे रही थी। गाजीपुर के न्यू शाह फैज पब्लिक स्कूल में जीत यादव के स्थान पर पटना निवासी अंकित कुमार सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रतापगढ़ में लालगंज तहसील क्षेत्र स्थित अझारा में पं. नागेश दत्त पब्लिक स्कूल में कौशांबी का रहने वाला संजय कुमार प्रतापगढ़ के परीक्षार्थी उमेश कुमार के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया। दोनों दोस्त हैं।

हरगांव क्षेत्र में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 817 मरीजों का हुआ इलाज

● हड्डी, हृदय, स्त्री व सांस रोगों की जांच, सर्जरी योग्य मरीज अस्पताल रेफर, आयुष्मान कार्ड से भी मिला लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरगांव सीतापुर (ब्यूरो)। जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, श्री पीतांबरा शिक्षा समिति एवं पारा सराय स्थित के0 पी0 सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत सेलूमऊ की झरेखापुर बाजार में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के गरीब, जरूरतमंद एवं ग्रामीण लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर में वरिष्ठ सलाहकार ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सुधीर कुमार चौधरी द्वारा हड्डी से संबंधित 113 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से गंभीर मामलों को आवश्यक सर्जरी हेतु के0 पी0 सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहीं डॉ. एस0 ए0 मीर (एमडी मेडिसिन) ने 52 हृदय रोगियों का कार्डियक परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई एवं श्वास संबंधी रोगों की जांच कर मरीजों को उपचार प्रदान किया गया। महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए डॉ. मधुलिका राय ने महिलाओं में बांझपन, ल्यूकोरिया एवं

माहवारी से जुड़ी बीमारियों की जांच कर निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। डॉ. फोजिया (स्त्री रोग विशेषज्ञ) द्वारा 93 महिलाओं का परीक्षण किया गया, जबकि डॉ. मोहम्मद इलियास (जनरल फिजिशियन) ने वायरल फीवर से पीड़ित 129 मरीजों की जांच कर उपचार किया।

शिविर में कुल 817 मरीजों का पंजीकरण कर उन्हें निःशुल्क जांच, परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के जनरल मैनेजर मुकेश बघेला एवं सीनियर मैनेजर नीतीश भीमटे द्वारा किया गया। आए हुए अतिथियों का स्वागत श्री पीतांबरा शिक्षा समिति के चेयरमैन डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। शिविर के सफल आयोजन में समिति के 12 पैरामेडिकल स्टाफ, 8 नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन एवं अन्य कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वास्थ्य शिविर से लाभान्वित ग्रामीणों ने इस पहल की जमकर सराहना की और ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से कराने की मांग की।

योगी बोले- कटे इसलिए थे क्योंकि बंटे थे फ़िर बटेंगे तो कटेंगे, बांग्लादेश में रोज़ दलित हिंदू मारे जा रहे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में सीएम योगी ने कहा- अगर सनातन पर संकट आएगा तो देश पर संकट आएगा। बंटोगे तो कटोगे। इसलिए बांटने वाले लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है भूतकाल में गुलाम इसलिए हुए थे कि हम बंटे थे। भूतकाल में कटे इसलिए थे क्योंकि हम बंटे थे। बांग्लादेश में आज हिंदुओं की हालत किसी से छिपी नहीं है। वहां रोज दलित हिंदुओं की हत्या हो रही है। लेकिन देश के लोग चुप हैं। इसलिए हमें एकजुट रहना है। सीएम ने यहां तपोधाम आश्रम में गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल का अनावरण किया। गिरधारी नाथ महाराज पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित शक्तिपीठ के संत रहे हैं। देश के बंटवारे के बाद उन्होंने सीतापुर में आकर अपनी साधना पूरी की थी। जिनकी याद में तपोधाम आश्रम में उनका स्मारक बनाया गया है अब नैमिष में महंत गिरधारी नाथ को भी जान सकेंगे सीएम ने कहा- जिस तरह पूर्वी भारत में शक्तिपीठ का महत्व है, वैसे ही पश्चिम में हिंगलाज का महत्व है। फिलहाल ये मंदिर पाकिस्तान में स्थित है। वहां हमारे बहुत कम लोग ही दर्शन करने जा पाते हैं। सीतापुर भारत के सनातन का पौराणिक स्थल है। भारत के पौराणिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने का जिम्मा हमने लिया है। 3500 वर्ष पहले 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिष में की थी और सभी ग्रंथ वही लिखा है। नैमिष ही महापुरुषों की तपस्थली है। अब यहां महंत गिरधारी नाथ को भी लोग जान सकेंगे। हमारे यहां चीटी को आंटा डालते हैं, ये सनातन की समानता सनातन में पहला ग्रास गो माता और अंतिम ग्रास कुत्ते को दिया जाता है। ये समता का व्यवहार है, जो सिर्फ भारत में मिलेगा। चीटी को भी लोग आटा डालते हैं। कितना भी जहरीला सांप हो उसे भी लोग नागमंचमी के दिन दूध पिलाते हैं। ये सनातन में ही संभव है। सनातन को तोड़ने का बहुत प्रयास हुआ। कुछ लोगों ने शरण तो ली लेकिन शरणार्थी धर्म नहीं निभाया। भारत की पूरी परम्परा इस से जुड़ी हैं, दुनिया की तमाम संस्कृति और सभ्यता समापत हो गई, लेकिन एक सांस्कृति दुनिया के सामने खड़ी और दुनिया को बसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाली हमारी सनातन परंपरा है। सनातन ने हर एक को बढ़ने का मौका दिया। मुगल आए, अंग्रेज आए, लेकिन जो लोग आए, धर्म और संस्कृति को लूटने का काम किया।

यहां जो भी आया, उसे शरण मिली, लेकिन कुछ लोगों ने यहां शरण लेकर शरणार्थी धर्म का पालन नहीं किया। उंगली पकड़ कर हाथ पकड़ने का काम किया, देश को लूटने का काम किया। पिछले 11 साल में देश ने तरक्की की चीन बढ़ रहा था और भारत को बढ़ाने का जो प्रयास होना चाहिए था वो नहीं हो पाया। मुगलों ने तो लूटा ही था और अंग्रेजों ने आश्रम पद्धति को खत्म करने का काम किया। देश 1947 में आजाद होता है, तब दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी महज 2 फीसदी रह गई थी पिछले 11 वर्षों में भारत की प्रगति देखा होगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। अब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का नंबर होगा। 22 जनवरी को हर सनातनी की आंखें नम थीं 22 जनवरी 2024 के बाद भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हर भारतीय की आंखें नम थी। हर घर में दीप जल रहे थे और भारतीय दिवाली मना रहे थे। क्योंकि राम के साथ आत्मीयता का रिश्ता था। काशी में पहले 10 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे लेकिन अब देखिए कहीं कोई समस्या नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर बन गया। काशी में कॉरिडोर बन गया। देश में लोग बांग्लादेश पर कुछ नहीं बोलते सनातन कमजोर हो तो देश कमजोर होगा। जाति क्षेत्र और भाषा उसके सामने कोई मायने नहीं रखते। जो बांटने वाले लोग हैं उनसे सतर्क रहिएगा। ये लोग बांग्लादेश में रोज हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार पर कुछ नहीं बोलते। वो मरने वाला दलित हिंदू है। लेकिन कोई उसपर कुछ नहीं बोल रहा है। कुछ धर्माचार्यों और हिन्दू संगठनों को छोड़कर सब मौन हैं। दलित हिंदू पर सब मौन हैं। इन नेताओं के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। तमाम जातियों के नाम पर बांटना चाहते हैं। हम लोगों को सनातन को बचाना है देश का दुश्मन आंखे लगाए बैठा है कि कैसे आप बंटेंगे? हम भारतीयों का दायित्व बनता है कि हम भी उस यात्रा के साथ चले और सनातन की सुरक्षा करें। वर्तमान में जो सजग रहता है उसी का भविष्य भी उज्जवल होता है। भूतकाल में गुलाम इसलिए हुए थे कि हम बंटे थे, भूतकाल में कटे इसलिए थे क्योंकि हम बंटे थे। इसलिए बंटना नहीं है। वर्तमान में जो सजग रहता है उसी का भविष्य भी उज्जवल होता है!!

एस.जे.एस. में कक्षा 12 के छात्रों का भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। नगर के सर्वश्रेष्ठ व बहुचर्चित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज में कक्षा 12 के छात्रों के सम्मान में भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अग्रज सिंह व सह प्रबंधिका डॉ अनुश्री सिंह द्वारा मां वीणा वादिनी की पूजा अर्चना तथा माल्यार्पण के साथ किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू सिंह ने प्रबंधक तथा प्रबंधिका को फूलों का गुलदस्ता प्रदान कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात अपने स्वागत भाषण के साथ उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या व प्रबंध समिति द्वारा कक्षा 12 के छात्रों को स्मृति चिन्ह व उपहार प्रदान किए गए। इसके उपरांत विद्यार्थियों के साथ भावनात्मक फोटो सेशन आयोजित किया गया जिसमें शिक्षकों और छात्रों की यादें कैमरे में कैद हुई। कार्यक्रम में कक्षा 11 के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। नृत्य संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया इसी के साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रभावशाली मंचन किया गया जिसने समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय की सह प्रबंधिका डॉ अनुश्री सिंह ने अपने प्रेरक अभिभाषण में छात्रों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया, वहीं विद्यालय के प्रबंधक अग्रज सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन के नए पड़ाव के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

सफलता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाना ही सच्ची उपलब्धि है। समारोह के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा धन्यवाद भाषण प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्रों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के इस अवसर पर कक्षा 11 तथा कक्षा 12 के समस्त छात्र तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

सैकड़ों वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार, विशाल भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। महराजगंज तहसील क्षेत्र के सलेथू गांव में स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर का ग्रामीणों के सहयोग से भव्य जीर्णोद्धार संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक और धार्मिक अवसर पर पूरे गांव में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर के जीर्णोद्धार के उपलक्ष्य में बीते आठ दिनों से निरंतर अपराजिता पाठ का आयोजन किया गया, जिसका विधिवत समापन सोमवार को हवन-पूजन और विशाल भंडारे के साथ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे सलेथू गांव में धार्मिक उत्सव जैसा वातावरण बना रहा और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से क्षेत्र गूंज उठा। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे महराजगंज तहसील के उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने मंदिर का अवलोकन किया और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'इतने सुविचारित, आस्था से जुड़े और ऐतिहासिक शिव मंदिर आज के समय में बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह सलेथू गांव के लोगों का सौभाग्य है कि उन्होंने इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार कर भगवान शिव की सेवा की है। इससे निश्चित रूप से

पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक चेतना का संचार होगा। '

ग्रामीणों ने बताया कि यह शिव मंदिर वर्षों से क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां पीढ़ियों से लोग पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। मंदिर के जीर्णोद्धार से न केवल इसका धार्मिक महत्व और बढ़ा है, बल्कि गांव की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान भी और अधिक सुदृढ़ हुई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और अनुशासन भी सराहनीय रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। इस अवसर पर उमेश तिवारी, रमाकांत तिवारी, अनु कोटेदार, आर.पी. साहू, मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, शिवम मिश्रा, लालू सिंह, महबूब अली सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंदिर के जीर्णोद्धार और इस भव्य आयोजन ने न केवल सलेथू गांव, बल्कि पूरे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।

पतंग का जानलेवा मांझा रखने पर उत्तर प्रदेश में पहला एक्शन, लखनऊ में दो गिरफ्तारभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 270 के तहत मुकदमा

युवकों के पास से पुलिस कांच लगा मांझा बरामद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में पतंग के गैर परंपरागत मांझा से बढ़ती दुर्घटनाओं और जनहानि पर मुख?यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद एक्शन हो गया है। दुकान में जानलेवा चाइनीज मांझा रखने के मामले में लखनऊ में पुलिस ने पहली बार दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लगातर सख्ती के बाद प्रदेश में पुलिस ने जानलेवा चाइनीज मांझा के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के बाद उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्णा ने भी पुलिस पर इस चाइनीज मांझा रखने वालों के खिलाफ धरपकड़ करने का निर्देश दिया।

सख्ती के तहत चाइनीज मांझा रखने के मामले में लखनऊ में पुलिस ने पहली बार दो लोगों को गिरफ्तार किया है! बाजारखाला इलाके में दो युवकों के पास से पुलिस कांच लगा मांझा बरामद किया है। युवकों की पहचान लखनऊ में शहीद पथ के पास स्थित मलेसेमऊ गांव निवासी सदफ अली और अयान खान के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 270 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से मांझे की चरखी मिली है।

नंदकिशोर कैलाशचंद महाविद्यालय टिकरा के सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य समापन

● सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्यावरण रैली एवं प्रतिभावान स्वयंसेवकों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर नंदकिशोर कैलाशचंद महाविद्यालय, टिकरा बिसवां (सीतापुर) की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा चयनित ग्राम में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संतुलन का संदेश दिया गया। इसके पश्चात शिविर स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने देशभक्ति, सामाजिक चेतना और लोकसंस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियाँ देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मध्यान्ह भोजन के उपरांत विधिवत रूप से शिविर का समापन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संरक्षक डॉ. सुधाकर वर्मा एवं संस्था के डायरेक्टर संतोष वर्मा उपस्थित रहे। डॉ.

सुधाकर वर्मा ने अपने संबोधन में कहा– 'राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित होती है। इस शिविर में स्वयंसेवकों ने जिस निष्ठा और समर्पण से कार्य किया है, वह सराहनीय है। '

वहीं संस्था डायरेक्टर संतोष वर्मा ने कहा– 'शिविर के दौरान बताए गए कार्यों को जीवन में उतारना ही NSS की सच्ची सफलता है। स्वयंसेवकों का श्रमदान और अनुशासन प्रेरणादायक रहा। ' शिविर के दौरान श्रमदान किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्रेष्ठ स्वयंसेवकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल संचालन दलनायकों के नेतृत्व में संपन्न हुआ दलनायक मनीष वर्मा समापन अवसर पर सभी स्वयंसेवकों ने शिविर से प्राप्त अनुभवों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह, कहा-मन से पढ़ो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बच्चों को लेकर बेहद गंभीर हैं। लखनऊ या गोरखपुर में भी जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोकस देश के भविष्य पर ही रहता है। उनका बच्चों से संवाद और उनका दुलार काफी चर्चा में रहता है। लखनऊ में सोमवार को बजट सत्र पर जाने से पहले मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए लोगों के साथ पहुंचे बच्चों को बड़े काम की सलाह दी। उन्होंने से अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा। इसके बाद उनको चाकलेट दी और कहा कि मोबाइल से दूर रहना और खूब मन लगाकर पढ़ना। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि मोबाइल पर गेम और रील आपका कीमती समय चुरा रहा है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा है कि वे किताबों से दोस्ती करें। जनता दर्शन में हापुड़ से आए दो सैनिकों ने मुख्यमंत्री से बताया कि पिता के नेत्रहीन होने और घर पर कोई न रहने से जमीन ताऊ के लड़कों ने कब्जा कर लिया है। ताऊ के लड़के हथियार के बल पर धमकी देते हैं। मुख्यमंत्री ने हापुड़ प्रशासन को मामले की तत्काल जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि आप हॉस्पिटल से एस्टिमेट बनवाकर दें, सरकार इलाज में हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि आप मरीज के स्वास्थ्य की चिंता कीजिए, इलाज की चिंता सरकार की जिम्मेदारी है। इसके अतिरिक्त बिजली, नगर निगम, राजस्व आदि से जुड़े मामले भी आए।

जब हार ने रच दी पहचान: टी20 विश्व कप में नेपाल का उदय

[पराजय नहीं, पहचान की शुरुआत: नेपाल का साहसी संघर्ष]
[चार रन की हार, करोड़ों दिलों की जीत: नेपाल क्रिकेट की गौरवगाथा]

जब इतिहास करवट बदलता है, तो वह शोर मचाकर नहीं आता, बल्कि मैदान पर उतरकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। 8 फरवरी 2026 की शाम वानखेड़े स्टेडियम में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। समुद्री हवा में घुली रोशनियों की चमक, हजारों दर्शकों की थमी सांसें और करोड़ों दिलों की उम्मीदें एक साथ स्पंदित हो रही थीं। यह कोई साधारण मुकाबला नहीं था, बल्कि छोटे सपनों और बड़े नामों के बीच होने वाली निर्णायक भिड़ंत थी। एक ओर दो बार का विश्व विजेता इंग्लैंड अपने अनुभव और प्रतिष्ठा के साथ खड़ा था, तो दूसरी ओर नेपाल, जिसके पास खिताब नहीं थे, लेकिन हौसलों की अपार पूंजी थी। उसी पल यह साफ हो गया था कि यह मुकाबला आंकड़ों का नहीं, बल्कि जज्बे और आत्मबल का संग्राम बनने वाला है। टॉस जीतकर इंग्लैंड ने जब पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, तो उसने अपने अनुभव और रणनीति पर पूरा भरोसा जताया। हालांकि शुरुआती ओवरों में ही नेपाल ने इस भरोसे को चुनौती दे दी। फिल साल्ट का जल्दी पवेलियन लौटना इंग्लैंड के लिए एक चेतावनी संकेत था। इसके बाद जोस बटलर ने कुछ रन जोड़े, लेकिन आउट होने के बाद टॉम बैंटन आए और जल्दी आउट हो गए, फिर जैकब बेथेल और कप्तान हैरी ब्रुक ने पारी को संभाला। दोनों ने संयम और आक्रमण का संतुलित प्रदर्शन करते हुए टीम को स्थिरता प्रदान की। हर रन के साथ इंग्लैंड की पारी मजबूत होती गई। ब्रुक का नेतृत्व और बेथेल की तकनीक यह साबित कर रही थी कि टीम दबाव में भी संतुलन बनाए रख सकती है, लेकिन नेपाल का आत्मविश्वास भी लगातार बढ़ता जा रहा था।

इस दौरान नेपाल के गेंदबाजों और फील्डरों की ऊर्जा और समर्पण देखते ही बनता था। दीपेंद्र सिंह ऐरी की घूमती गेंदों ने बल्लेबाजों को बार-बार भ्रमित किया, जबकि नंदन यादव ने सटीक लाइन-लेंथ से रन गति पर अंकुश लगाया और संदीप लामिछाने ने भी विकेट लेकर दबाव बनाया। फील्डर हर गेंद पर पूरे जोश से जुटे रहे–कभी बाउंड्री पर छलांग लगाकर, तो कभी तेज थ्रो से आसान रन रोककर। यह केवल एक मुकाबला नहीं था, बल्कि अपनी पहचान स्थापित करने का दृढ़ संकल्प था। अंत में विल जैक्स की विस्फोटक बल्लेबाजी से इंग्लैंड 184 रन तक पहुंचा, जो मजबूत जरूर था, लेकिन नेपाल के हौसलों को तोड़ने के लिए पर्याप्त नहीं लग रहा था। लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने शुरुआत से ही यह स्पष्ट कर दिया कि वह डर और दबाव से मुक्त होकर खेलने आया है। कुशल भुर्तेल ने आसिफ शेख के साथ आक्रामक शुरुआत की और बड़े शॉट लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। आसिफ के आउट होने के बाद रोहित पौडेल ने धैर्य और समझदारी से पारी को आगे बढ़ाया, हालांकि कुशल भुर्तेल भी जल्द आउट हो गए। फिर दीपेंद्र सिंह ऐरी के साथ उन्होंने टीम को मजबूत आधार प्रदान किया। हर चौके और छक्के के साथ स्टेडियम का शोर बढ़ता गया और दर्शकों को महसूस होने लगा कि वे किसी ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं। यह केवल रन चेज नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और विश्वास की यात्रा थी।

मध्य ओवरों में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने जिम्मेदारी का शानदार निर्वाह किया। उन्होंने परिस्थितियों को भांपते हुए सटीक शॉट्स लगाए और रन गति को बनाए रखा। नेपाल की पारी की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि कोई भी खिलाड़ी घबराया हुआ नजर नहीं आया। सभी को अपने लक्ष्य और क्षमता पर पूरा भरोसा था। इसके बाद आरिफ शेख आए लेकिन जल्द आउट हो गए, फिर लोकेश बाम मैदान में आए और उन्होंने मैच की दिशा ही बदल दी, हालांकि गुलशन झा के जल्दी आउट होने से दबाव बढ़ा। उनकी बल्लेबाजी में निडरता, परिपक्वता और जुनून का अद्भुत मेल दिखाई दिया। जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज पर लगाए गए छक्के सिर्फ रन नहीं थे, बल्कि नेपाल के बढ़ते आत्मविश्वास की सशक्त घोषणा थे। जैसे-जैसे मैच अंतिम ओवर की ओर बढ़ा, तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। जीत के लिए दस रन चाहिए थे और लाखों दिल एक साथ धड़क रहे थे। स्टेडियम में सन्नाटा और उम्मीद दोनों की मौजूदगी महसूस की जा सकती थी। सैम करन ने इस दबाव भरे क्षण में अद्भुत संयम और समझदारी का परिचय दिया। उन्होंने सटीक लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए नेपाल के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। केवल पांच रन बने और इंग्लैंड चार रन से विजयी हो गया। स्कोरबोर्ड ने इंग्लैंड को विजेता बताया, लेकिन मैदान पर नेपाल का साहस सबसे ऊंचा नजर आ रहा था। यह हार नहीं, बल्कि एक नई पहचान की मुहर थी।

यह मुकाबला आधुनिक क्रिकेट की बदलती तस्वीर का सशक्त प्रतीक बन गया। अब एसोसिएट टीमें केवल अनुभव जुटाने नहीं, बल्कि इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतर रही हैं। नेपाल, स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी टीमें यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास से खुद को मजबूत बनाया है। इस मैच के बाद नेपाल के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंच पर चर्चा का विषय बन गए और विशेषज्ञों ने उन्हें भविष्य का उज्ज्वल सितारा बताया। टी20 विश्व कप 2026 की यह शुरुआत क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय और भावनात्मक स्मृति बन गई। इस मुकाबले ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की असली सुंदरता उसकी अनिश्चितता, रोमांच और भावनात्मक गहराई में ही बसती है। नेपाल ने यह साबित कर दिया कि सपनों का मूल्य केवल पदकों और ट्रॉफियों से नहीं, बल्कि साहस, संघर्ष, आत्मविश्वास और संकल्प से आंका जाता है। भले ही वे चार रन से हार गए, लेकिन उन्होंने करोड़ों दिलों में सम्मान और प्रेरणा की अमिट छाप छोड़ दी। यह मैच सदैव इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अंकित रहेगा–उस अविस्मरणीय दिन के रूप में, जब एक छोटे से देश ने अपने विशाल हौसलों, अडिग विश्वास और अदम्य जुझारूपन से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्रिकेट को नई सोच, नई ऊर्जा तथा नई पहचान प्रदान की।

प्रो. आरके जैन

देश के आर्थिक विकास को भ्रमित करती वर्ग विषमताएं

अर्थतंत्र से मजबूत होती देश की अधो संरचना।

देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

संजीव ठाकुर

मोबाइल, नेटवर्क और सपने: लेकिन महिलाएं अब भी बाहर क्यों?

डिजिटल बराबरी का अधूरा सपना और भारतीय महिलाएं
इंटरनेट के दौर में स्त्री का संघर्ष: सुविधा से सम्मान तक

हर सुबह घर में रोशनी से पहले जिम्मेदारियां जाग जाती हैं, और उसी के साथ एक महिला भी। मोबाइल की चमक दीवारों तक पहुंचती है, लेकिन उसकी हथेली तक नहीं। वह चूल्हे की आग में अपनी थकान घोलती है, बच्चों के सपनों को आकार देती है, पानी की कतार में खड़ी होकर दिन की नींव रखती है। उसी घर में रखा फोन किसी और की उंगलियों में पूरी दुनिया समेटे रहता है, जबकि वह अपने ही घर में डिजिटल अंधेरे में जीती रहती है। चमकते नारों और विज्ञापनों के पीछे एक दबा हुआ दर्द छिपा है, जहां करोड़ों महिलाएं तकनीक के दरवाजे पर खड़ी होकर भी भीतर नहीं जा पातीं। उनके पास घर है, रिश्ते हैं, जिम्मेदारियां हैं, लेकिन अपने भविष्य को गढ़ने का डिजिटल अधिकार नहीं है। यह कहानी सुविधा की नहीं, छीनी गई पहचान की पीड़ा है। भारत गर्व के साथ खुद को तकनीकी शक्ति कहता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और वर्चुअल शिक्षा आधुनिकता के प्रतीक बन चुके हैं। शहरों की ऊंची इमारतों से लेकर गांव की कच्ची गलियों तक इंटरनेट की लहर दौड़ रही है। लेकिन इस विकास के रंगमंच पर महिलाओं की भूमिका अक्सर दर्शक की बनी रहती है। ग्रामीण और मध्यमवर्गीय घरों में स्मार्टफोन आज भी पुरुषों की निजी जागीर समझा जाता है। महिलाएं अनुमति की दहलीज लांघकर ही उसे छू पाती हैं। सरकारी योजनाओं, नौकरी के पोर्टलों और बैंकिंग ऐप्स तक उनकी पहुंच अधूरी रहती है। यह अधूरापन उन्हें हर दिन प्रगति की दौड़ में और पीछे धकेल देता है।

इस डिजिटल दूरी की जड़ें नेटवर्क की कमजोरी में नहीं, बल्कि सदियों पुरानी मानसिकता में गहराई तक धंसी हुई हैं। आज भी कई घरों में फोन महिलाओं की स्वतंत्रता पर पहरा माना जाता है। उनकी आज़ादी को संदेह और नियंत्रण की जंजीरों में जकड़ दिया जाता है। डिजिटल शिक्षा के अभाव में वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। उन्हें हर क्लिक से डर लगता है, हर लिंक में खतरा नजर आता है। साइबर अपराध, डीपफेक और ऑनलाइन अपमान का भय उनके मन में स्थायी साया बनकर बैठ जाता है। यह डर धीरे धीरे उनकी जिज्ञासा, आत्मसम्मान और आगे बढ़ने की इच्छा को खामोशी से निगल जाता है। घर की चारदीवारी के भीतर महिलाओं पर टिका अदृश्य बोझ इस असमानता को और मजबूत करता है। बिना किसी वेतन, सम्मान या अवकाश के वे दिनभर चूल्हे, बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतों के बीच खुद को खपा देती हैं। उनका हर दिन दूसरों के लिए शुरू होता है और दूसरों पर ही खत्म हो जाता है। सीखने, समझने और आगे बढ़ने के लिए उनके पास न समय बचता है, न ऊर्जा। गांवों में पानी और ईंधन की तलाश लड़कियों की पढ़ाई और डिजिटल दुनिया दोनों छीन लेती है। तकनीक उनके लिए एक दूर चमकता सपना बन जाती है, जिसे वे सिर्फ दूसरों की उंगलियों में साकार होते देखती हैं।

इस डिजिटल खाई का सबसे गहरा घाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता पर पड़ता है। आज रोज़गार और कमाई के नए रास्ते इंटरनेट की गलियों से होकर गुजरते हैं। ऑनलाइन व्यापार, फ्रीलांसिंग, डिजिटल सेवाएं और गिग वर्क उन्हें आत्मनिर्भर बना सकते थे। लेकिन साधनों की कमी उनके सपनों पर ताला लगा देती है। किसान महिलाएं आधुनिक तकनीक से वंचित रहकर कम उपज और कम आय तक सीमित रह जाती हैं। मध्यमवर्गीय महिलाएं घर बैठे काम करने के अवसर खो देती हैं। उनकी मेहनत, प्रतिभा और हुनर बाजार की रोशनी तक पहुंच ही नहीं पाते। जमीनी सच्चाइयों की कहानियां इस पीड़ा को और तीखा बना देती हैं। कोई महिला महीनों की मेहनत से बनाई गई हस्तकला को ऑनलाइन मंच नहीं दे पाती। कोई छात्रा कमजोर नेटवर्क के कारण अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ देती है। कोई बीमार महिला डॉक्टर से संपर्क न कर पाने के कारण चुपचाप दर्द सहती रहती है। कई महिलाएं सोशल मीडिया पर अपमान, धमकी और ट्रोलिंग के डर से अपनी आवाज दबा लेती हैं। वे धीरे धीरे पीछे हट जाती हैं, जैसे खामोशी ही उनकी नियति बन गई हो।

सरकार और संस्थाओं ने बदलाव की कोशिशें जरूर की हैं, लेकिन वे अब भी अधूरी और कमजोर हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होते हैं, पर महिलाओं तक सही ढंग से नहीं पहुंच पाते। नेटवर्क गांवों की सीमाओं पर आकर दम तोड़ देता है। डेटा गरीब महिलाओं के लिए आज भी भारी बोझ बना हुआ है। साइबर सुरक्षा कानून और सहायता तंत्र कमजोर हैं। नीतियां कागजों पर आकर्षक दिखती हैं, लेकिन जमीन पर उनका असर फीका पड़ जाता है। जब तक योजनाएं महिलाओं की वास्तविक जिंदगी और जरूरतों से नहीं जुड़ेंगी, तब तक डिजिटल बराबरी का सपना अधूरा ही रहेगा। यह डिजिटल असमानता केवल वर्तमान की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की किस्मत भी तय कर रही है। जब एक मां तकनीक की दुनिया से बाहर रह जाती है, तो उसकी बेटी भी आत्मविश्वास और अवसरों से वंचित हो जाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में यह दूरी पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती चली जाती है। समाज में जब आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाओं की संख्या घटती है, तो विकास की रफ्तार खुद ही थमने लगती है। तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की कमजोर मौजूदगी देश की रचनात्मकता और नवाचार शक्ति को खोखला कर देती है। यह पराजय सिर्फ महिलाओं की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सामूहिक हार बन जाती है।

अब आधे-अधूरे प्रयासों का समय बीत चुका है, यह निर्णायक बदलाव का क्षण है। महिलाओं के लिए हर गांव और हर मोहल्ले में डिजिटल प्रशिक्षण केंद्र बनने चाहिए। हर लड़की और हर महिला को सस्ता, सुरक्षित और निजी स्मार्टफोन मिलना चाहिए। परिवारों में यह चेतना जागृत करनी होगी कि मोबाइल आज विलासिता नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार और सम्मान का साधन है। साइबर सुरक्षा और डिजिटल अधिकारों की शिक्षा अनिवार्य बनानी होगी। गांवों में मजबूत नेटवर्क, सामुदायिक इंटरनेट केंद्र और तकनीकी सहायता केंद्र स्थापित करने होंगे। साथ ही महिलाओं को डिजिटल उद्यमिता के लिए वित्त, मार्गदर्शन और बाजार से जोड़ना होगा। कल्पना नहीं, अब एक नए भारत की जरूरत है – ऐसा भारत जहां किसी महिला की सुबह चूल्हे की आग से नहीं, बल्कि उसके अपने मोबाइल की रोशनी से शुरू हो। जहां वह डर और अनुमति के बिना बैंकिंग करे, पढ़ाई करे, कारोबार बढ़ाए और दुनिया से बराबरी के साथ संवाद करे। जहां तकनीक उसकी सीमाएं तय न करे, बल्कि उसके सपनों को दिशा और गति दे। जहां डिजिटल समानता सिर्फ सरकारी दस्तावेजों की भाषा न होकर हर घर की सच्चाई बने। यह सवाल सुविधा का नहीं, बल्कि सम्मान, अधिकार और आत्मसम्मान का है। जिस दिन हर महिला डिजिटल रूप से सशक्त होगी, उसी दिन भारत सच मायनों में विकसित कहलाएगा। अब वक्त आ गया है कि फोन केवल घर में मौजूद न रहे, बल्कि हर महिला के हाथ में उसकी ताकत बनकर पहुंचे।

कृति आरके जैन

संपादकीय

कोशिश से हरियाली तक जब गांव खुद अपने भविष्य की जड़ें सींचते हैं

महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ गांवों में चल रही पर्यावरणीय पहलें आज उस भारत की तस्वीर दिखाती हैं, जहां समाधान किसी आदेश या योजना का इंतज़ार नहीं करते, बल्कि ज़मीन से उठते हैं। यह कहानी केवल पेड़ लगाने की नहीं है, बल्कि सोच बदलने, जिम्मेदारी लेने और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य गढ़ने की है। सोलापुर के पथरीले गांवों से लेकर धुले के जंगलों और बेंगलुरु के बाहरी इलाके के एक छोटे से गांव तक, लोगों ने साबित किया है कि अगर इरादा मजबूत हो तो हरियाली असंभव नहीं रहती। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के माडा तहसील के अंजनगांव खिलोबा में किसान प्रमोद इंगले जिस जमीन पर जंगल उगा रहे हैं, वह कभी झाड़ियों से आगे कुछ नहीं जानती थी। पथरीली जमीन, कम पानी और तेज गर्मी इन सबके बीच पेड़ लगाना एक सपना सा लगता था। लेकिन इंगले और उनके गांव के 25 साथी इस सपने को रोज़ अपने हाथों से सच कर रहे हैं। वे पौधों की जड़ों के पास गन्ने के सूखे अवशेष बिछाते हैं ताकि नमी बनी रहे और पानी की बर्बादी न हो। यह केवल तकनीक नहीं, बल्कि स्थानीय समझ और अनुभव का नतीजा है। इन सौ पेड़ों को बचाने की जिम्मेदारी पूरे गांव ने साझा की है, क्योंकि उन्हें पता है कि पेड़ लगाना आसान है, उन्हें जिंदा रखना असली चुनौती है। अंजनगांव की यह पहल अकेली नहीं है। सोलापुर जिले के 43 गांवों और दो कस्बों में अब तक छह हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और उनकी देखभाल भी की जा रही है। इन गांवों में पर्यावरण पाठशालाएं लगती हैं, जहां डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाती हैं और धरती के बढ़ते तापमान के खतरों को सरल भाषा में समझाया जाता है। पूर्व आईआरएस अधिकारी विपुल वाघमारे के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का नारा है- 'लेट्स प्लांट ए ट्री इन द माइंड।' यानी पहले सोच में बदलाव, फिर जमीन पर काम। गांवों में दस लोगों की टीम जाकर पर्यावरण परिवर्तन, जल संकट और पौधरोपण की जरूरत पर बात करती है। इसके बाद ग्रामीण खुद समूह बनाकर सौ पेड़ लगाने और उन्हें बचाने का लक्ष्य तय करते हैं। यह प्रक्रिया लोगों को सिर्फ सहभागी नहीं, बल्कि मालिक बनाती है।

इन गांवों में पेड़ों की देखभाल के लिए हर दस दिन में चंदा इकट्ठा किया जाता है। टैंकर से पानी लाया जाता है, खर्च सब मिलकर उठाते हैं। प्रमोद इंगले कहते हैं कि वे केवल आज के लिए नहीं, अपने बच्चों के कल के लिए यह सब कर रहे हैं। उनके शब्दों में, अगर पेड़ रहेंगे तभी बच्चे सुरक्षित रह सकेंगे। यह सोच पर्यावरण को किसी दूर की समस्या से निकालकर रोज़मर्रा की जिम्मेदारी बना देती है।

महाराष्ट्र के ही धुले जिले के पिंपलनेर, साक्री तहसील का डवण्यापाडा जंगल एक और उदाहरण है, जहां समुदाय ने जंगल को अपना माना। 1100 हेक्टेयर में फैले इस जंगल की सुरक्षा के लिए गांव वालों ने गार्ड नियुक्त किए हैं और खुद भी बारी-बारी से रखवाली करते हैं। सात बस्तियों के हर घर से सालाना 300 रुपये लेकर गार्ड की सैलरी दी जाती है। इससे अवैध कटाई रुकी है और अतिक्रमण पर भी रोक लगी है। गांव वालों ने कड़े नियम बनाए हैं।जंगल में कुल्हाड़ी ले जाना मना है, हरे पेड़ काटने पर भारी जुर्माना है और हर घटना का पंचनामा कर वन विभाग को सौंपा जाता है। यह अनुशासन डर से नहीं, साझा जिम्मेदारी से पैदा हुआ है।

इन पहलों के बीच एक और महत्वपूर्ण कहानी कर्नाटक के बेंगलुरु के बाहरी इलाके के बिलपुरा पंचायत की है, जहां पर्यावरण संरक्षण घर की चौखट से शुरू होता है। यह गांव दिखाता है कि कचरा समस्या नहीं, संसाधन बन सकता है। कभी जहां खुले मैदानों में कचरे के ढेर, बदबू और धुआं आम था, आज वहां 90 प्रतिशत कचरा घरों में ही अलग किया जाता है। गीले कचरे से खाद बनती है और उसी खाद से गांव में फलदार पेड़ों का एक छोटा सा वन तैयार हो रहा है। बिलपुरा की इस सफलता के केंद्र में घरों में बनने वाली खाद है, खासकर महिलाओं की भूमिका। गांव की महिलाएं रसोई से निकलने वाले गीले कचरे को अलग रखती हैं, उसे खाद में बदलने की प्रक्रिया अपनाती हैं और फिर उसी खाद का इस्तेमाल अपने आंगन, खेत और सामुदायिक जमीन पर करती हैं। यह काम किसी बड़े बजट या भारी मशीनरी से नहीं हुआ, बल्कि पंचायत, गांव वालों और पास की अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के छात्रों और शिक्षकों के सहयोग से संभव हुआ। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि कचरा हम बनाते हैं, तो उसे संभालना भी हमारी जिम्मेदारी है।

घरों में खाद बनाना केवल पर्यावरण के लिए नहीं, सामाजिक बदलाव के लिए भी अहम साबित हुआ है। जब महिलाएं कचरे को अलग करती हैं, खाद बनाती हैं और पेड़ उगते देखती हैं, तो उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। रसोई का कचरा, जिसे पहले बेकार समझा जाता था, अब गांव की हरियाली की नींव बन गया है। इससे मिट्टी की सेहत सुधरी है, रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हुई है और गांव का खर्च भी घटा है। सबसे बड़ी बात यह कि बच्चों ने अपनी आंखों के सामने कचरे से जंगल बनते देखा है, जो उन्हें जीवन भर याद रहेगा।

इन सभी कहानियों को जोड़ने वाली एक डोर है स्थानीय पहल और सामूहिक जिम्मेदारी। कहीं पेड़ बचाने के लिए चंदा है, कहीं जंगल बचाने के लिए नियम, तो कहीं घर-घर में खाद बनाने की आदत। ये पहलें बताती हैं कि पर्यावरण संरक्षण कोई एक बड़ा कदम नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सतत प्रयासों का नतीजा है। जब गांव यह समझ लेते हैं कि तापमान बढ़ने, पानी घटने और जंगल कटने का असर सबसे पहले उन्हीं पर पड़ेगा, तब समाधान भी वहीं से निकलते हैं।

आज जब शहर कचरा प्रबंधन, हरियाली और जल संकट से जूझ रहे हैं, तब ये गांव एक रास्ता दिखाते हैं। घरों में खाद बनाना, पेड़ों को बचाने के लिए सामूहिक खर्च उठाना और जंगल की रखवाली खुद करना ये सब ऐसे कदम हैं, जिन्हें कहीं भी अपनाया जा सकता है। जरूरत केवल सोच बदलने की है। इन गांवों ने साबित किया है कि अगर हम अपने आसपास से शुरुआत करें, तो धरती को बचाने की कोशिश रंग ला सकती है। यह कोशिश ही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

कांतिलाल मांडोत

क्या था एपस्टीन का बेबी रैंच प्लान

जेफ्री एपस्टीन का तथाकथित बेबी रैंच विचार आधुनिक समय के सबसे डरावने और विचलित करने वाले प्रसंगों में से एक माना जाता है। यह कोई औपचारिक योजना या लिखित परियोजना नहीं थीए बल्कि उसकी निजी बातचीतोंए दंभ भरी चर्चाओं और शक्ति प्रदर्शन से उपजा हुआ एक ऐसा विचार थाए जिसने उसके चरित्रए मानसिकता और नैतिक दिवालियेपन को उजागर कर दिया। यह विचार केवल व्यक्तिगत सनक नहीं थाए बल्कि उस सोच का विस्तार था जिसमें धनए प्रभाव और सत्ता के बल पर इंसानी जीवन को प्रयोग की वस्तु समझा जाता है। एपस्टीन स्वयं को असाधारण बुद्धिमान मानता था। उसे यह भ्रम था कि उसके भीतर कुछ ऐसा विशेष है जो सामान्य मनुष्यों से उसे श्रेष्ठ बनाता है। इसी आत्ममुग्धता से यह विचार जन्मा कि यदि उसके जैविक गुणों से अनेक संतानें पैदा की जाएँए तो एक प्रकार की श्रेष्ठ मानव पीढ़ी अस्तित्व में आ सकती है। उसने न्यू मैक्सिको क्षेत्र में स्थित अपने विशाल और एकांत रैंच को इस कल्पना का केंद्र माना। उसके अनुसार यह स्थान इतना दूरदराज़ और सुरक्षित था कि वहाँ बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के उसकी मर्जी के प्रयोग किए जा सकते थे। उसकी कल्पना में यह रैंच केवल निवास स्थान नहीं थाए बल्कि एक प्रजनन केंद्र जैसा थाए जहाँ अनेक युवतियों को लाकर उनसे गर्भधारण कराया जाता और इस प्रक्रिया से उत्पन्न बच्चों को भविष्य के असाधारण मनुष्य के रूप में देखा जाता। वह बार बार यह कहता था कि इतिहास में कुछ लोगों ने महान बुद्धिजीवियों के जैविक तत्वों को संचित करने की कोशिश की थी और वही परंपरा वह और आगे ले जाना चाहता है। फर्क केवल इतना था कि वह स्वयं को उसी महानता का प्रतीक मान बैठा था। इस विचार की भयावहता केवल इसकी अव्यवहारिकता में नहीं थीए बल्कि उस दृष्टि में थी जिसमें स्त्रियों को स्वतंत्र मनुष्य नहींए बल्कि साधन के रूप में देखा गया। उसके लिए मातृत्व कोई भावनात्मक या सामाजिक अनुभव नहीं थाए बल्कि एक यांत्रिक प्रक्रिया थी। स्त्री का शरीर उसके लिए प्रयोगशाला बन गया था और गर्भ एक परियोजना। यही कारण है कि जिन लोगों ने उससे यह बातें सुनींए उन्होंने इसे अस्वस्थए खतरनाक और परेशान करने वाला बताया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कथित योजना के वास्तविक क्रियान्वयन का कोई ठोस प्रमाण कभी सामने नहीं आया। न तो ऐसे किसी संगठित प्रजनन केंद्र के प्रमाण मिले और न ही ऐसे बच्चों केए जिन्हें निश्चयपूर्वक उससे जोड़ा जा सके। कुछ महिलाओं द्वारा यह दावा अवश्य किया गया कि वे उससे गर्भवती हुई थींए परंतु ये दावे न तो न्यायिक जांच में सिद्ध हो सके और न ही किसी वैज्ञानिक पुष्टि तक पहुँचे। इस प्रकार यह योजना विचारों और दावों के स्तर पर ही सिमटी रही। फिर भीए केवल इस आधार पर इसे महत्वहीन नहीं माना जा सकता। क्योंकि यह विचार उसी मानसिक संरचना से निकला थाए जिसने उसे व्यापक यौन अपराधों की ओर प्रवृत्त किया। उसकी दुनिया में संबंधों का कोई नैतिक अर्थ नहीं था। वहाँ केवल नियंत्रण थाए प्रभुत्व था और दूसरों की देह पर अधिकार जमाने की लालसा थी। उसका धन और सामाजिक पहुँच उसे यह भ्रम देती थी कि वह नियमों से ऊपर है और उसकी इच्छाएँ ही उसका विधान हैं।

इस पूरे प्रसंग में एक गहरी ऐतिहासिक छाया भी दिखाई देती है। मानव इतिहास में कई बार ऐसी विचारधाराएँ उभरी हैं जिनमें कुछ लोगों ने स्वयं को श्रेष्ठ मानकर दूसरों की तुलना में अधिक मूल्यवान समझा। ऐसी सोच ने नस्लीय भेदभावए अमानवीय प्रयोगों और व्यापक हिंसा को जन्म दिया है। एपस्टीन का विचार उसी खतरनाक परंपरा का आधुनिक और निजी रूप थाए जिसमें विज्ञान का मुखौटा पहनाकर अनैतिक इच्छाओं को? ठहराने की कोशिश की जाती है। यह भी उल्लेखनीय है कि एपस्टीन यह सब बातें अकेले में नहीं करता था। वह प्रभावशाली लोगोंए शिक्षाविदों और वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के बीच इन विचारों को साझा करता था। यह तथ्य अपने आप में चिंताजनक हैए क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि उसकी बातों को सुनने और सहने वाले लोग भी समाज के उच्च स्तरों में मौजूद थे। यद्यपि उनमें से कई ने बाद में दूरी बना लीए परंतु प्रारंभिक चुप्पी भी अपने आप में एक प्रश्न खड़ा करती है। बाद में जब उसके अपराध सार्वजनिक हुए और उससे जुड़े दस्तावेज़ सामने आएए तब इस कथित बेबी रैंच विचार को उसके समग्र व्यक्तित्व के संदर्भ में देखा जाने लगा। यह स्पष्ट हुआ कि यह कोई अलग या विचित्र कल्पना नहीं थीए बल्कि उसी मानसिकता का तार्किक विस्तार था जिसमें शक्ति का दुरुपयोग और इंसानी गरिमा की अवहेलना शामिल थी। उसके लिए लोग व्यक्ति नहीं थेए बल्कि संसाधन थे।इस पूरे मामले ने समाज को यह सोचने पर मजबूर किया कि जब अत्यधिक धन और प्रभाव किसी व्यक्ति के हाथ में बिना जवाबदेही के चला जाता हैए तो वह किस हद तक जा सकता है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं हैए बल्कि उस व्यवस्था पर भी प्रश्न है जो लंबे समय तक ऐसे लोगों को संरक्षण देती रहती है। एपस्टीन का पतन अचानक नहीं हुआय वह वर्षों तक एक ऐसी दुनिया में सक्रिय रहा जहाँ उसकी हरकतों को या तो अनदेखा किया गया या दबा दिया गया। अंततः बेबी रैंच का विचार चाहे वास्तविकता में न बदला होए परंतु उसका प्रतीकात्मक महत्व बहुत गहरा है। यह हमें यह याद दिलाता है कि विज्ञानए बुद्धि और प्रगति के नाम पर यदि नैतिकता को किनारे रख दिया जाएए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। मानव जीवन कोई प्रयोगशाला की वस्तु नहीं है और न ही किसी एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा का साधन। यह प्रसंग हमें सतर्क करता है कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसकी संपत्तिए संपर्क या कथित प्रतिभा के आधार पर महान नहीं मान लेना चाहिए। असली मूल्य उस सोच में होता है जो मनुष्य को मनुष्य की तरह देखे। जेफ्री एपस्टीन का बेबी रैंच विचार इसी कसौटी पर पूरी तरह असफल सिद्ध होता है और इतिहास में एक चेतावनी की तरह दर्ज हो जाता है कि जब अहंकारए सत्ता और अनैतिक इच्छाएँ एक साथ मिलती हैंए तो कल्पनाएँ भी अपराध का रूप ले सकती हैं।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन का किया गहन निरीक्षण

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने सोमवार को पुलिस लाइन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान आदेश कक्ष, क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, रेडियो शाखा, डायल 112 कार्यालय, जनपद नियंत्रण कक्ष, शस्त्रागार, आरटीसी, बैरक, मेस एवं पुलिस कैंटीन का बारीकी से अवलोकन किया। आदेश कक्ष में अभिलेखों के अद्यतन रख-रखाव और आदेशों के समयबद्ध निस्तारण की समीक्षा की गई। क्वार्टर गार्द में ड्यूटी, टर्नआउट और अनुशासन की जांच कर सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। परिवहन शाखा में वाहनों की स्थिति, मरम्मत व ईंधन प्रबंधन की व्यवस्था पर जोर दिया। रेडियो शाखा व डायल 112 की संचार प्रणाली की कार्यक्षमता परखी गई तथा आपात सेवाओं में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। शस्त्रागार में हथियारों की सुरक्षा और अभिलेखों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक व संबंधित क्षेत्राधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

20 हजार का इनामिया गोवध निवारण अधिनियम का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बरहज पुलिस ने 20 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त राशिद पुत्र आलमगीर उर्फ बिस्कुट, निवासी सोफीगढ़ थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़, को गिरफ्तार किया। वह मु0अ0सं0 302/2025 धारा 109(1), 325 बीएनएस, 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में वांछित था। उसे रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा गया। अभियुक्त पर पूर्व में गोवध निवारण अधिनियम व आर्म्स एक्ट सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मौर्य समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पुलिस ने निकाला पैदल मार्च,दिलाया सुरक्षा का भरोसा

सिद्धार्थनगर। सोमवार को उसका पुलिस ने स्थानीय नगर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पैदल मार्च किया, इस दौरान सड़क पर नियमों की अनदेखी कर फर्राटा भरने वाले वाहनों पर सख्ती दिखाई ।इस कड़ी में प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने नगर के थाना रोड ,बैंक तिराहा और मुख्य कस्बा में पुलिस फोर्स पहुंच कर पैदल मार्च किया।इस दौरान सड़क पर बिना हेलमेट और तेज रफ्तार चल रहे वाहनों की चेकिंग भी किया।तेतरी तिराहा तथा तेतरी बाई पास चौक पर वाहन चालकों को रोककर उनकी वैद्यता और हेलमेट आदि की जांच कर तेज रफ्तार में वाहन न चलाए जाने की अपील किया।सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन स्वामियों को सड़क पर वाहन न खड़ा करने की हिदायत दी गई।कई वाहन चालक हेलमेट को अपनी गाड़ियों में लटका कर चल रहे थे, जिन्हें सख्ती के साथ हेलमेट लगा कर चलने के निर्देश दिए गए।प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि सड़क और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले बक्से नहीं जायेगी।शीघ्र ही चेकिंग चलाकर नगर के भीड़भाड़ वाले और प्रमुख चौराहों पर आवागमन व्यवस्था सुधारी जाएगी।

जयपुरिया कॉलेज में 550 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण

देवरिया। आरोग्य भारती के तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत जयपुरिया कॉलेज में लगभग 550 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए सूर्य नमस्कार के मंत्रों सहित योग व आसान अभ्यास की जानकारी योग प्रशिक्षिका सुश्री जागृति सिंह ने दी। अभियान में आस्था हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज देवरिया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मझगांवा के चिकित्सकों का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. अजीत नारायण मिश्र, डॉ. स्वेता त्रिपाठी, डॉ. जनार्दन त्रिपाठी, डॉ. जफर अनीस, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. कीर्ति अग्रहरि, डॉ. नवनीत कुमार यादव व अनंत प्रकाश वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जैतपुर-बोकटा मार्ग पर मौत का रास्ता बना भारी वाहनों का आवागमन, ग्रामीणों का उग्र प्रदर्शन

●टोल बचाने को गांवों से गुजर रहे ट्रक-डंपर, दो दर्जन से अधिक लोगों की जा चुकी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां (गोरखपुर)। जैतपुर-बोकटा मार्ग पर भारी वाहनों के बेलगाम आवागमन से उत्पन्न जाम, दुर्घटनाओं और जनहानि को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। जैतपुर विकास/बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले करीब आधा दर्जन गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया और नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व समिति के संरक्षक समरपाल सिंह ने किया। ग्रामीणों का आरोप है कि जैतपुर-बोकटा मार्ग संकरा होने के बावजूद यहां से लगातार ट्रक, डंपर और अन्य भारी वाहन तेज रफ्तार में गुजर रहे हैं। टोल टैक्स से बचने के लिए चालक इस ग्रामीण मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आए दिन भीषण जाम और हादसे हो रहे हैं। हालात यह हैं कि जाम में स्कूली वाहन, एंबुलेंस और आवश्यक सेवाएं घंटों फंसी रहती हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

ग्रामीणों ने बताया कि अब तक भारी वाहनों की चपेट में आकर करीब दो दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, फिर भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। तेज रफ्तार वाहनों से सड़क किनारे रहने वाले लोग हमेशा भय में जी रहे हैं। इसके साथ ही लगातार लगने वाले जाम से स्थानीय व्यापार प्रभावित हो रहा है और वायु व ध्वनि प्रदूषण में भी खासी वृद्धि हुई है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मांग की कि जैतपुर-बोकटा मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए, वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया जाए, नियमित पुलिस निगरानी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के मामलों की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई गई।

ग्रामीणों ने प्रशासन को साफ चेतावनी दी कि यदि 10 दिन के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से उमेद सिंह राणा, विनय वर्मा, दुर्गेश मौर्या, गोविंद मौर्या, संजीव कुमार, परशुराम गुप्ता, विजेंद्र वर्मा, शहवान, मोनू भारती, रिंकू विश्वकर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद।

बरहज घटनाओं पर सपा प्रतिनिधिमंडल का दौरा, सरकार पर उठाए सवाल

देवरिया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बरहज क्षेत्र में हुई तीन घटनाओं के स्थलों का निरीक्षण कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। सपा नेताओं ने ग्राम समोगर में महेंद्र गौड़ की हत्या, परसिया-देवार में सरयू नदी पर पीपा पुल पर सुरक्षा अभाव में धर्मू प्रसाद की मौत तथा शव तलाश के दौरान गोताखोर सुरेंद्र साहनी की डूबने से मृत्यु को प्रशासनिक लापरवाही बताया। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है और गरीब-वंचित वर्ग असुरक्षित है। प्रतिनिधिमंडल ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई, मृतकों के परिजनों को मुआवजा व सरकारी नौकरी तथा सरयू नदी पर सुरक्षित पुल निर्माण की मांग की। सांसद राम भुआल निषाद सहित अन्य नेताओं ने कहा कि पार्टी न्याय के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपेगी। इस दौरान पूर्व राज्य सभा सांसद कनक लता सिंह, स्वामी नाथ यादव, मुरली जायसवाल सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

थाना सोनहा पुलिस की बड़ी सफलता गुमशुदा तीन बालिकाएं मुंबई से सकुशल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केथाना सोनहा पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली का परिचय देते हुए गुमशुदा तीन बालिकाओं को मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बस्ती डा. यशवीर सिंह के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप सिंह यादव के कुशल पर्यवेक्षण में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 03 फरवरी 2026 को थाना क्षेत्र के ग्राम तुसैल से तीन बालिकाएं कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। परिजनों की सूचना पर थाना सोनहा में उनकी गुमशुदगी दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सतत प्रयासों के बल पर बालिकाओं की लोकेशन ट्रेस कर उन्हें मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया। इस पूरी कार्रवाई में थानाध्यक्ष महेश सिंह की सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और मानवीय दृष्टिकोण की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।बरामदगी के बाद तीनों बालिकाओं को सुरक्षित उनके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया के साथ नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस सफल अभियान से क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। थाना सोनहा पुलिस की यह कार्रवाई न सिर्फ कानून व्यवस्था की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्ती पुलिस आमजन की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गोरखपुर पुलिस में नई शुरुआत: एक्शन मोड में एसएसपी डॉ. कौस्तुभ

●पहले ही कार्यदिवस पर दफ्तरों का औचक निरीक्षण, लंबित मामलों पर सख्त रुख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद के नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने पदभार ग्रहण करते ही अपनी कार्यशैली का स्पष्ट संकेत दे दिया है। शनिवार को विधिवत कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को उन्होंने कार्यालय में पहला कार्यदिवस बिताया, लेकिन उससे पहले ही पुलिस कार्यालय के सभी संभागों और शाखाओं का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था को परख लिया। उनके इस कदम से पुलिस महकमे में अनुशासन और सक्रियता का माहौल बनता नजर आया। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने पुलिस लाइन स्थित आदेश कक्ष और उससे जुड़े विभिन्न अनुभागों का विस्तार से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पटल प्रभारियों से लंबित मामलों की जानकारी ली और अभिलेखों, रजिस्टरों तथा प्रार्थना पत्रों के रख-रखाव की स्थिति देखी। कई स्थानों पर कमियां मिलने पर उन्होंने तत्काल सुधार के निर्देश दिए और चेताया कि कार्य में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने कहा कि पुलिस कार्यालय आम जनता के लिए न्याय और उम्मीद का केंद्र होता है। यहां आने वाला हर फरियादी समाधान की अपेक्षा करता है, ऐसे में शिकायतों को लंबित रखना गलत परंपरा है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का समय से पंजीकरण किया जाए, उसकी प्रगति नियमित रूप से दर्ज हो और फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। डॉ पांडेय, एसपी मंदिर संतोष कुमार तथा सीओ ऑफिस दीपांशी सिंह राठौर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने अनुभाग की कार्यप्रणाली से एसएसपी को अवगत कराया। निरीक्षण के अंत में एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने स्पष्ट कहा कि अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जबकि लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई तय है। उनके इस सख्त लेकिन सकारात्मक संदेश से पुलिस महकमे में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और आने वाले दिनों में व्यवस्था में और सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

करंट की चपेट में आया संविदा लाइनमैन, ड्यूटी के दौरान दर्दनाक मौत से बिजली विभाग में हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सूरजकुंड विद्युत उपकेंद्र से जुड़ी एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। विद्युत सप्लाई दुरुस्त करने के दौरान करंट की चपेट में आने से संविदा पर तैनात लाइनमैन कर्मचारी मोहम्मद सलीम उर्फ राजू की मौके पर ही गंभीर रूप से झुलसने के बाद मौत हो गई। इस घटना से न केवल परिजनों में कोहराम मच गया, बल्कि पूरे विद्युत विभाग में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मद सलीम उर्फ राजू सूरजकुंड विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत मोहनलालपुर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित होने की सूचना पर फॉल्ट ठीक करने पहुंचे थे। कार्य के दौरान यह मानकर कि सप्लाई बंद है, वे लाइन पर काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक विद्युत आपूर्ति चालू हो गई, जिससे वह तेज करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों और विद्युत कर्मियों ने आनन-फानन में घायल राजू को जिला चिकित्सालय की इमरजेंसी में पहुंचाया। हालांकि, वहां मौजूद चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मृतक के परिजन दहाड़ें मारकर रोने लगे। सूचना मिलते ही जिला चिकित्सालय में बड़ी संख्या में विद्युत विभाग के अधिकारी, संविदा कर्मचारी, कर्मचारी नेता और सहकर्मी पहुंच गए। सभी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे गंभीर लापरवाही का परिणाम बताया। कर्मियों का कहना है कि संविदा कर्मचारियों से जोखिम भरे कार्य कराए जाते हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और स्पष्ट समन्वय के अभाव में इस तरह की घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। विद्युत कर्मियों की मौजूदगी में मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया गया। वहीं, कर्मचारी संगठनों ने घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा एवं एक सदस्य को नौकरी दिए जाने की मांग उठाई है।

सहजनवां में चोरों का आतंक: खाली मकान को बनाया निशाना, चोरों ने उड़ा दिए करीब 16 लाख के गहने-इलाके में दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां- गोरखपुर जनपद के सहजनवां थाना क्षेत्र के पिपरा वार्ड संख्या-9 में चोरी की एक बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चोरों ने सुनियोजित तरीके से एक खाली पड़े मकान को निशाना बनाते हुए करीब 16 लाख रुपये मूल्य के सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद से पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस पर जल्द खुलासे का दबाव बढ़ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के नारंगपट्टी निवासी बृजनंदन तिवारी पुत्र स्व. हरिराम तिवारी नगर पंचायत सहजनवां के पिपरा वार्ड में अपना मकान बनाकर रहते हैं। हाल ही में उनके पिता का निधन हो गया था, जिसके चलते वे परिवार सहित गांव चले गए थे। इसी दौरान मकान लंबे समय से बंद पड़ा हुआ था। 8 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए मकान का शीशा और जगला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे कीमती गहनों को समेटकर फरार हो गए।

परिजनों के अनुसार चोरों ने करीब 200 ग्राम सोने के गहने चोरी किए हैं, जिनमें कंगन, हार, मंगलसूत्र, कड़ा, चेन, झुमका, टीका, झाला और आयरन सेट शामिल हैं। चोरी गए गहनों की अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपये बताई जा रही है। चोरी की जानकारी तब हुई जब परिजन मकान पर लौटे और अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल सहजनवां थाने को दी गई, जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन लगातार हो रही वारदातों से अब लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो चुकी है, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल, इस बड़ी चोरी की वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि पुलिस कितनी तेजी से चोरों तक पहुंच पाती है और पीड़ित परिवार को न्याय दिला पाती।

गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र में फिर चोरों का आतंक: रामपुर गडरी गांव में घर का ताला तोड़कर 85 हजार नकद व चांदी के जेवरात उड़ाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला - गोरखपुर (दक्षिणांचल)- गोला थाना क्षेत्र के रामपुर गडरी गांव में चोरों ने एक बार फिर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया है। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने संतोष दुबे के घर में घुसकर अलमारी का ताला तोड़ा और करीब 85 हजार रुपये नकद, चार चांदी के सिक्के तथा एक जोड़ी चांदी की पायल लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पीड़ित परिवार सदमे में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतोष दुबे अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात करीब 1 बजे चोर चुपके से घर में दाखिल हुए और कमरे में रखी अलमारी को निशाना बनाया। ताला तोड़कर उन्होंने नकदी और जेवरात चुरा लिए। पूरी वारदात इतनी चुपचाप अंजाम दी गई कि परिवार को किसी तरह की भनक तक नहीं लगी। सोमवार सुबह जब परिवार की नींद खुली, तो अलमारी टूटी हुई और सामान बिखरा पड़ा मिला। नकदी व जेवरात गायब देखकर घर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और भीड़ जुट गई। पीड़ित ने तुरंत गोला थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तथा संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई। संतोष दुबे की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

क्षेत्र में बढ़ता चोरों का खौफ

ग्रामीणों का कहना है कि गोला थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी की घटनाएं फिर से तेज हो गई हैं। कुछ समय पहले बड़ी गैंग के खुलासे के बाद चोरियां थमी हुई थीं, लेकिन अब फिर से वारदातें बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना हावी हो रही है। ग्रामीणों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और सतर्कता बरतने की मांग की है।

पुलिस का दावा

थाना प्रभारी राकेश रौशन सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर मिल चुकी है और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जांच के लिए टीम गठित की गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही चोरों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया जाएगा। यह घटना गोला क्षेत्र में चोरों के बढ़ते आतंक को दर्शाती है, जहां लोग अब रात में भी सतर्क रहने को मजबूर हैं। पुलिस से अपेक्षा है कि वह इस सिलसिले को जल्द तोड़े और क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करे।

पटवध- बसुहारी मार्ग के निर्माण में अनियमितता व देरी को लेकर भाकपा ने सांकेतिक प्रदर्शन कर आंदोलन की दी चेतावनी

● भाकपा ब्रांच कमेटी कनछ की बैठक में खस्ताहाल सड़क और अन्य समस्याओं पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त किया।

12 फरवरी को श्रमिक संगठनों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में भाकपा जनपद की जटिल समास्याओं को भी लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर करेगी धरना प्रदर्शन ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -सोमवार को पटवध बसुहारी सड़क निर्माण में देरी को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने सांकेतिक प्रदर्शन कर आंदोलन की दी चेतावनी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के ब्रांच कमेटी कनछ की पूर्व निर्धारित बैठक कामरेड बंधू गोड़ (पूर्व प्रधान - कनछ) की अध्यक्षता में हुई। जहां पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, खेत मजदूर यूनियन नेता ,कामरेड अमरनाथ सूर्य भी उपस्थित रहे। बैठक में कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूती और विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए पटवध बसुहारी मार्ग के निर्माण में हो रहे देरी पर आक्रोश व्यक्त किया। जिस पर सैकड़ों ग्रामीणों ने समर्थन करते हुए पटवध बसुहारी सड़क के खस्ताहाल को लेकर शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निर्माणाधीन सड़क पर उतर कर करीब आधे घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया ।जिसके क्रम में उन्होंने कहा कि

पटवध बसुहारी मार्ग जो कि नक्सल प्रभावित कई गांवों के लोगों के आवागमन का मात्र एक लाइफ लाईन जैसा मार्ग है, जिस पर सैकड़ों लोगों का प्रतिदिन आवागमन होता है और विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन भी इसी मार्ग पर स्थित सोनभद्र के चर्चित देवी स्थान (अमिला भवानी) पर होता है। सरकार देवी स्थानों को पर्यटन के नाम पर बढ़ावा दे रही है। लेकिन बहुचर्चित देवी मंदिर पर श्रद्धालुओं को पंहुचने में खराब रास्ते की वजह से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उ.प्र.सरकार के समाज कल्याण मंत्री की पत्नी व चोपन ब्लॉक प्रमुख भी इसी क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करतीं हैं, इसके वावजूद भी साल भर से बनाएं जा रहे इस सड़क का पूरा निर्माण नहीं हो सका। जो कहीं न कहीं भ्रष्टाचार का इशारा करता है । उपस्थित लोगों ने कहा कि हम ग्रामीणों को इमरजेंसी में समय से अस्पताल पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बतातें चलें कि खराब सड़क की वजह से एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है। प्रदर्शन के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने कहा भाकपा इस सड़क निर्माण में हो रही देरी पर आज सांकेतिक प्रदर्शन कर चेतावनी दे रही है कि पटवध बसुहारी मार्ग के निर्माण सामग्री व गुणवत्ता की जांच की जाए और इस मार्ग के निर्माण में तेजी ला कर यथाशीघ्र पूरा कराया जाए ।जिससे दर्जनों गांवों के लोगों सरल व सुलभ आवागमन प्राप्त हो ।अमिला भवानी दर्शन के आने जाने वाले श्रद्धालुओं को भी वर्तमान जटिल रास्ते से तत्काल राहत पहुंचाया जाए। अन्यथा क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ भाकपा जल्द ही बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को बाध्य होगी।भाकपा नेताओं ने बताया कि 12 फरवरी को मजदूरों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल को समर्थन देते हुए भाकपा जिला कौंसिल द्वारा जनपद की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।इस दौरान प्रमुख रूप से कामरेड प्रेम चंद गुप्ता, हृदय नारायण गुप्ता, कामरेड बूटन प्रसाद, योगेन्द्र चंद्रवंशी, नागेंद्र कुमार, गजानंद, राम शकल भारती, राम चंद्र यादव, रामनाथ गुप्ता, विजय कुमार, संजू मदेशिया व विनोद गिरी आदि मौजूद रहे।

सोनभद्र अनुसूचित जाति के मामलों में संवेदनशीलता दिखाए प्रशासन, बैंक न करें अनावस्यक रिजेक्शन-लवकुश कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय सदस्य लवकुश कुमार ने आज सोनभद्र कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास और सुरक्षा कार्यों की नब्ज टटोली। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के हितों से समझौता करने वाले अधिकारियों और बैंकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में लवकुश कुमार ने केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि मुद्रा योजना और स्टार्ट-अप इंडिया जैसी स्वरोजगार योजनाओं की पत्रावलियों को बैंकर्स अनावश्यक रूप से रिजेक्ट न करें। पात्र व्यक्तियों को ऋण देना बैंकों की जिम्मेदारी है।अनुसूचित जाति के छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति वितरण और अनुसूचित जाति छात्रावासों की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उज्वला योजना, जन-धन खाते, मनरेगा और भूमि पट्टा आवंटन में पारदर्शिता लाने और पात्रों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करने पर जोर दिया गया। सरकार की मंशा स्पष्ट है।वंचितों को न्याय और विकास की मुख्यधारा से जोड़ना। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लवकुश कुमार, सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग माननीय सदस्य ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों का निस्तारण केवल कागजों पर न हो, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने प्रशासन से पीड़ितों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की अपील की ताकि उन्हें सामाजिक और आर्थिक संबल मिल सके। समीक्षा बैठक के अंत में जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह ने आयोग को आश्वस्त किया कि माननीय सदस्य द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का जनपद में शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निस्तारण में शिथिलता बरतने वाले कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में प्रशासन और पुलिस महकमे के दिग्गज मौजूद रहे, जिनमें शामिल हैं। अभिषेक वर्मा (पुलिस अधीक्षक), अनिल कुमार (अपर पुलिस अधीक्षक), ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया (समाज कल्याण अधिकारी), रविन्द्र वीर (डी.सी. मनरेगा), विभिन्न विभागों (शिक्षा, स्वास्थ्य, आपूर्ति और पशु चिकित्सा) के जिला स्तरीय अधिकारी।

संक्षिप्त खबरें

महिला अपनी बेटी के साथ शादी में गई रहस्यमय ढंग से गायब

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर महिला की शुरू की तलाश

सिंगाही खीरी। अपनी चार साल की बेटी के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने आई विवाहित रहस्यमय ढंग से गायब हो गयी। विवाहित महिला के पति ने गांव के ही एक व्यक्ति को पर पत्नी को बहला-फुसला कर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर सिंगाही पुलिस ने विवाहित महिला को बहला-फुसला कर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कर गायब हुई महिला और चार साल की नाबालिग बेटी की तलाश शुरू कर दी है।

सिंगाही थाना क्षेत्र के अयोध्या पुरवा में तीन फरवरी को जागृति अपने माइके में अपनी चार साल की बेटी निवासी रकेहटी को साथ लेकर आई थी। विवाहित के पति विनोद ने आरोप लगाया है कि सात फरवरी को मनोज कुमार पुत्र चुन्ना निवासी अयोध्या पुरवा के साथ भाग जाने का आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दी है! थाना अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने बताया की विवाहिता को बहला-फुसला कर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कर विवाहित की तलाश शुरू कर दी गई!

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने बरेली के शिक्षक जितेंद्र गंगवार को अध्यक्ष, गिरजेश मंत्री मनोनीत किया

बरेली। प्राथमिक शिक्षक संघ के लखनऊ में संगठन के कार्यालय में बरेली के शिक्षक नेताओं ने शिक्षकों के मसीहा कहे जाने वाले एम 0एल 0सी देवेंद्र प्रताप सिंह एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी से भेंट कर उन्हें पुष्प गुच्छे देकर उनका स्वागत-सत्कार करते हुए, राधा रानी का छाया चित्र भेंट किया। प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश मंत्री ने बरेली जिले में नई टीम का गठन किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष पद का कार्यभार जितेंद्र पाल एवं जिला मंत्री पद का कार्यभार गिरजेश कुमार को मनोनीत किया गया।एम 0एल 0सी सिंह ने कहा टैट से शिक्षकों को छूट दिलाने के लिए जल्द ही पुनः राष्ट्रीय स्तर तक व्यापक प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश नेतृत्व द्वारा जिले में शिक्षकों की समस्याओं को हल कराने के लिए एवं उनसे संवाद करने के लिए कहा गया एवं जल्द ही ब्लॉकों में संगठन की टीम का गठन करने की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर शिक्षक देवेंद्र गंगवार,अरविंद चौधरी,अजय कुमार,पुष्कर आदि मौजूद रहे।

सेवा संवाद समाधान के तहत जनता दरबार में 16 मामलों की सुनवाई

गोपालगंज (बिहार)- समाहरणालय सभा कक्ष में सेवा संवाद समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया।

कार्यक्रम के दौरान कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। जिला पदाधिकारी ने सभी मामलों की क्रमवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में प्रमुख रूप से भूमि विवाद, आंगनवाड़ी केंद्र से संबंधित समस्या तथा स्थानांतरण से जुड़े मामले सामने आए। मानवर आलम, ग्राम लुहाशी, प्रखंड उचकागांव द्वारा भूमि संबंधी विवाद का आवेदन प्रस्तुत किया गया। वहीं रमेश साह, ग्राम नारायणपुर, प्रखंड थावे ने आंगनवाड़ी से संबंधित समस्या रखी। जानकी देवी, ग्राम जमुनहा, प्रखंड पंचदेवरी द्वारा भूमि विवाद का मामला प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त सतेंद्रनाथ तिवारी, ग्राम सोहागपुर, प्रखंड हथुआ द्वारा स्थानांतरण संबंधी विवाद को लेकर आवेदन दिया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को कार्रवाई से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा संवाद समाधान कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर प्रशासन और जनता के बीच संवाद को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गौरव कुमार, अपर समाहर्ता राजेश्वरी पाण्डेय एवं वरीय उप समाहर्ता दिलीप कुमार उपस्थित रहे।

दुबहा में जल संकट: 2 साल से लटकी पानी की टंकी, भ्रष्टाचार ने ग्रामीणों का जीवन बर्बाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खीरी, निघासन। जिले के निघासन तहसील की ग्राम पंचायत दुबहा में राधा स्वामी आश्रम के पास बनी जल जीवन मिशन की ओवरहेड पानी की टंकी पिछले दो वर्षों से चालू नहीं हो सकी है। ग्रामीण इसे भ्रष्टाचार और राजनीतिक साजिश का शिकार बता रहे हैं, जिससे पेयजल संकट गहराता जा रहा है। निर्माण पूरा, लेकिन सक्रियता में विलंब दुबहा गांव में दो साल पूर्व जल जीवन मिशन के तहत बनी इस टंकी का निर्माण तो पूरा हो गया, लेकिन तकनीकी खामियों और फंड की कमी का हवाला देकर इसे आज तक जोड़ा नहीं गया। ग्रामीण अमरजीत सिंह ने कहा, 'टंकी बनने के बाद भी पानी की सप्लाई लाइनें जोड़ने में जानबूझकर देरी हो रही है। यह साफ भ्रष्टाचार का मामला है।' ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों ने घटिया सामग्री इस्तेमाल की, जबकि ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने निरीक्षण में लापरवाही बरती।लाखों के फंड का दुरुपयोग, राजनीतिक हस्तक्षेप

ग्रामवासियों ने निर्माण में लाखों रुपये के फंड के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। राजनीतिक दबाव के कारण अधिकारी जांच से बच रहे हैं। राधा स्वामी आश्रम होने के बावजूद भी लापरवाही सामने आ रही है। जिले के शेखपुरा और लालपुर जैसे गांवों में भी जल जीवन मिशन की टंकियों पर इसी तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं, जहां टंकियां फट गईं या बेकार पड़ी रहीं।ग्रामीणों का आक्रोश, प्रशासन से जांच की मांग गांववासी जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी, बीडीओ निघासन और जल निगम अधिकारियों से तत्काल जांच की मांग कर रहे हैं। अमरजीत सिंह ने चेतावनी दी, 'महिलाएं-बच्चे दूर से पानी लाते हैं। टंकी चालू न हुई तो आंदोलन करेंगे।' प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।योजनाओं पर सवाल यह घटना उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर उठते सवालों को उजागर करती है। लखीमपुर खीरी में कई पंचायतों में करोड़ों का खर्च व्यर्थ हो चुका है। ग्रामीण उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि उन्हें स्वच्छ पेयजल मिल सके।

विवाहिता महिला प्रेमी के साथ भागी

सिंगाही। अपनी चार साल की बेटी के साथ अपने मायके शादी समारोह में शामिल होने आई विवाहित प्रेमी के साथ भाग गई। महिला के पति ने गांव के ही युवक पर 4 साल की बच्ची सहित पत्नी को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। सिंगाही थाना क्षेत्र में तीन फरवरी को महिला अपने माइके में अपनी चार साल की बेटी को लेकर शादी में आई थी। विवाहित महिला के पति ने सिंगाही थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सात फरवरी को मनोज कुमार पुत्र चुन्ना निवासी अयोध्या पुरवा ग्राम पंचायत बांग्ला तकिया ने अपने साथियों हरीश, हीरालाल व सचिन की मदद से भगा ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने बताया की विवाहिता को बहला-फुसला कर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कर विवाहित की तलाश शुरू कर दी गई!

भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक में उठा आवारा पशुओं का मुद्दा

● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक विकासखंड भदपुरा के प्रांगण में आयोजित ताराचंद की अध्यक्षता में की गई बैठक में सर्वप्रथम आवारा घूम रहे पशुओं को पड़कर गौशालाओं में संरक्षित करने का मामला उठाया गया इसी क्रम में यूनियन के लोगों ने पांच सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी राम शंकर सिंह को सोपा इस बैठक में आवारा पशु ओ के द्वारा फसलों को नुकसान किए जाने के साथ ही सरकार द्वारा अनुदान पर निशुल्क बोरिंग योजना के तहत आवेदन करने के बाद भी बोरिंग नहीं मिल पा रहे हैं।

पात्र किसानों के राशन कार्ड नहीं बन पानी ग्राम मेथी में प्रबंधन केंद्र बना है उसके आने जाने के लिए रास्ता ठीक करने की मांग की गई पांच सूत्रीय ज्ञापन देखकर यूनियन के लोगों ने सभी कार्य शीघ्र करवाए जाने की मांग की है इस बैठक में उपस्थित हीरालाल गंगवार सत्यपाल खेमकरन लाल विजयपाल छत्रपाल शाहिद इंद्रजीत राकेश कुमार रजनीश वर्मा तुलाराम मेवाराम चंद्र प्रकाश महेश कुमार राजकुमार नन्हेंलाल सियाराम बाबूराम महेंद्र पाल लाल बहादुर आदि लोग उपस्थित थे।

भू-माफियाओं का दुस्साहस पिरई नदी का सीना चीरकर कर दी अवैध प्लाटिंग, सरकारी जमीन पर कब्जा

मितौली खीरी। तहसील क्षेत्र में भू-माफियाओं और प्लाटिंग डीलरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी जमीनों को भी नहीं बख्शा है। एक ताज़ा और गंभीर मामला पिरई नदी के किनारे से सामने आया है, जहां नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए नदी के बहाव क्षेत्र (सरकारी चौड़ाई) में ही अवैध प्लाटिंग कर दी गई है।

क्या है पूरा मामला?

मितौली तहसील के अंतर्गत आने वाली पिरई नदी, जो क्षेत्र की पारिस्थितिकी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, अब भू-माफियाओं के निशाने पर है। प्राप्त जानकारी के अनुसारःसरकारी जमीन पर कब्जाः नदी के किनारे स्थित बेशकीमती सरकारी जमीन पर प्लाटिंग डीलरों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है।

» नदी के अस्तित्व पर संकटः हद तो तब हो गई जब मुनाफे के लालच में डीलरों ने पिरई नदी की सरकारी चौड़ाई के भीतर भी मिट्टी पटान और प्लाटिंग का कार्य शुरू कर दिया।

यह कार्य एनजीटी के निर्देशों और राजस्व विभाग के नियमों के बिल्कुल विपरीत है।

» बाढ़ और पर्यावरण का खतरा

» नदी की धारा और उसके पाट को संकरा करने का यह कृत्य भविष्य में बड़ी तबाही का कारण बन सकता है। नदी के बहाव क्षेत्र में निर्माण होने से बरसात के मौसम में पानी रिहायशी इलाकों में घुसने और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

» प्रशासन की चुप्पी पर सवाल?

» इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस अवैध कारोबार पर स्थानीय प्रशासन की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

» क्या स्थानीय लेखपाल और कानूनगो को इसकी जानकारी नहीं है?

» क्या यह सब अधिकारियों की नाक के नीचे मिलीभगत से हो रहा है

» स्थानीय जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और उप-जिलाधिकारी मितौली से मांग की है कि इस मामले का तत्काल संज्ञान लिया जाए। नदी की पैमाइश करवाकर अवैध कब्जों को हटाया जाए और पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने वाले प्लाटिंग डीलरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

» अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कब तक अपना पीला पंजा (बुलडोजर) चलाता है और पिरई नदी को अतिक्रमण मुक्त कराता है।

11 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर लौटे सेवानिवृत्ति शिक्षक ने साझा किया सफर का विचार

● धरा पर कहीं स्वर्ग है तो यही है ऐसी देव भूमि के दर्शन कर मां को शांति प्राप्त हुई यह सनातन की परंपरा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज विकासखंड के गांव सबलखेड़ा के सेवानिवृत शिक्षक हर प्रसाद गंगवार 32 दिन के भ्रमण पर उन्होंने 11 है जो तेरे लिंग के दर्शन किए और वहां के वातावरण एवं वहां की सुरक्षा व्यवस्था पर स्वतंत्र प्रभात से वार्ता करते हुए अपने यात्रा के दौरान मिले सुख दुख को साझा किया और बताया जगन्नाथ पुरी एक धाम है जिसे लोग कहते हैं जगन्नाथ के भात को जग पसारे हाथ बिना किस्मत के मिलता नहीं जगन्नाथ का भात उन्होंने बताया मनुष्य को अपनी पूर्ण कमाई में से कुछ शेर इकट्ठा करके धार्मिक स्थलों का भ्रमण करना चाहिए जहां जाने पर मनुष्य को शांति प्रदान तो होती ही है परंतु भौगोलिक इतिहास का विज्ञान होता है जिसके तहत उन्होंने 32 दिन के भ्रमण के दौरान 11 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन किए।

उनको लगा धरती पर यदि कहीं स्वर्ग है तो इन्हीं स्थानों पर है जिन्हें देखने के लिए लोग लाखों की संख्या में एकत्रित होते हैं दर्शन को जिसके तहत वह प्रयागराज से चलकर चित्रकूट बाबा विश्वनाथ चुनार में मछला का किला गया बोधगया कोलकाता में मां काली का मंदिर पश्चिम बंगाल में ही नाम खाना गंगासागर कपिल मुनि आश्रम कोणार्क जगन्नाथ पुरी धाम तिर्यक राज बाबा बैजनाथ बासुकीनाथ मल्लिकार्जुन तिरुपति बालाजी कांची पुरी सिडनी सेतु बंधु रामेश्वरम कन्याकुमारी में महर्षि विवेकानंद आश्रम मदुरई सोमनाथ मंदिर भीमाशंकर पातालगंगा शनिदेव घृकेश्वर उज्जैन महाकाल ओकरा ओंकारेश्वर समेत विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर उन्होंने ज्ञान है जो तेरे लिंगों के दर्शन कर अपने को धन्य समझा।

और उन्होंने भोलेनाथ का अपार आशीर्वाद मानते हुए यह यात्रा पूर्ण की उन्होंने अंत में कहा यदि धरा पर कहीं स्वर्ग है तो इन्हीं स्थानों पर है प्रत्येक व्यक्ति को अपनी कमाई से कुछ धनराशि बचाकर इन स्थानों का भ्रमण करना चाहिए जीवन में प्राणी ना कुछ लेकर आया ना कुछ लेकर जाएगा इन धार्मिक स्थलों के भ्रमण करने से मनुष्य को शांति प्रदान होती है और भौगोलिक इतिहास का भी ज्ञान होता है उन्होंने बस के द्वारा अपने 32 दिन के भ्रमण का अनुभव साझा किया और बताया हर जगह उनका बढ़िया सुविधा मिली परंतु बैजनाथ में कष्ट दायक यात्रा रही वहां के पंडा पुजारी का आतंक ठीक नहीं था वहां के प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए बाकी यात्रा सफल रही।

पटेल समाज का ऐलान, डॉ. पीयूष शुक्ला के खिलाफ कार्यवाही न होने पर होगा ओबीसी का भारी आंदोलन- राजीव पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। राजीव पटेल के हवाले से गोला में स्थित पटेल संस्थान में राजीव पटेल की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक,में हुआ ओबीसी का ऐलान, डॉ. पीयूष शुक्ला के खिलाफ प्रशासन द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर ओबीसी का होगा भारी आंदोलन। राजीव पटेल का कहना है कि बलिया जनपद के इब्राहिमपुर में विवेक पटेल हत्याकांड में घोर प्रशासनिक लापरवाही एवं आए दिन प्रदेश में कूर्मि (ओबीसी) समाज पर गोला नगर के डॉ पीयूष शुक्ला द्वारा किए जा रहे घृणित अत्याचारों की कड़े शब्दों में निंदा की गई है। प्रदेश में जाति विशेष के चंद लोगों के द्वारा नफरत फैलाकर समाज का सामाजिक ताना-बाना और सद्भाव को खराब करने का कृत्य कुछ लोगों के द्वारा किया जा रहा है। जिसको पटेल समाज (ओबीसी) कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। वायरल वीडियो में गोला नगर के निवासी डॉ पीयूष शुक्ला के द्वारा ओबीसी समुदाय को अभद्र व अश्लील भाषा में टिप्पणी करने का मामला प्रकाश में आया है। जो प्रमाण के रूप में मौजूद है। हुई आपात बैठक में ओबीसी समाज ने विरोध प्रदर्शन करते हुए तत्काल शिकायती पत्र गोला कोतवाल को सौंप कर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

गोला पुलिस ने (ओबीसी) की भारी संख्या देखते हुए पटेल संस्थान पर आकर कूर्मि समाज द्वारा शिकायती पत्र प्राप्तकर संपूर्ण कार्यवाही करने का अस्वासन दिया। शिकायती पत्र में उल्लेख है कि यूजीसी के समर्थन में पटेल संस्थान एवं ओबीसी महासभा के द्वारा पूर्व में एक ज्ञापन दिया गया था। उसके विरोध में गोला नगर के डॉक्टर पीयूष शुक्ला पुत्र रामकुमार शुक्ला के द्वारा एक आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल किया गया है। जिससे पूरे ओबीसी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं, उक्त वायरल वीडियो प्रमाण के साथ मुकदमा पंजीकृत करने के लिए ज्ञापन गोला कोतवाल को सौंपा गया है। आपात बैठक में मौजूद राजीव पटेल, जिला महासचिव शिवम पटेल, जिला महासचिव विशाल वर्मा,जिला महासचिव पटेल कपिल वर्मा, युवा मंच जिला अध्यक्ष आशीष पटेल, जिला महासचिव युवा मंच विशाल पटेल, मंत्री अंकुर वर्मा, शिक्षक सुशील वर्मा, सुर्जन लाल वर्मा, अशोक कनौजिया, रामनिवास वर्मा, दीपू वर्मा, अजय वर्मा, पंकज वर्मा, विकास वर्मा, हरिओम कनौजिया, शोभित वर्मा, आदेश कुमार, अश्वनी वर्मा, लक्ष्मी चंद, मनीष कुमार, संजीव वर्मा, प्रधान श्याम देव वर्मा, प्रमोद वर्मा शेरु, दिव्यांश वर्मा, डॉ. आलोक वर्मा सहित भारी संख्या में पटेल समाज के वंशज ओबीसी के लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत मुड़ा बुजुर्गः खलिहान की भूमि पर अवैध कब्जा, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

निघासन, उत्तर प्रदेश (9 फरवरी, 2026) जनपद के ग्राम पंचायत मुड़ा बुजुर्ग के मजरा नन्होवा में सार्वजनिक संपत्ति पर अवैध कब्जे का एक बड़ा मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के खलिहान की सुरक्षित भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से पक्का निर्माण कर लिया गया है, जबकि स्थानीय प्रशासन इस पूरे मामले में मूकदर्शक बना हुआ है।

धीरे-धीरे बदला कब्जे का स्वरूप

स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, खलिहान की जमीन पर कब्जे की शुरुआत बेहद योजनाबद्ध तरीके से की गई। सबसे पहले जमीन के एक हिस्से पर अस्थाई छप्पर डाला गया। जब प्रशासन या राजस्व विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो कब्जेदारों के हौसले बुलंद हो गए। अब उस छप्पर की जगह पक्का निर्माण खड़ा कर लिया गया है, जिससे भविष्य में इस सार्वजनिक भूमि को मुक्त कराना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

सरकारी शिक्षक पर मिलीभगत के आरोप

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की संलिप्तता है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस अवैध कब्जे के पीछे गांव के ही एक सरकारी शिक्षक, शरद विश्वकर्मा का हाथ है। आरोप है कि शिक्षक के प्रभाव और संरक्षण के चलते ही कब्जा करने वाले लोग बेखौफ होकर सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन मौन

खलिहान की जमीन गांव के सामूहिक कार्यों और कृषि गतिविधियों के लिए आरक्षित होती है। इस पर कब्जे से ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों का कहना है किः

कई बार मौखिक और लिखित सूचना देने के बावजूद राजस्व टीम मौके पर नहीं पहुंची।

प्रशासन की इस ढिलाई से ऐसा प्रतीत होता है जैसे अधिकारियों की मौन सहमति प्राप्त हो। सार्वजनिक भूमि पर निर्माण कार्य अभी भी जारी है, जिसे तुरंत रोका जाना आवश्यक है।

नोटः उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के अनुसार, खलिहान, चरागाह या तालाब जैसी सुरक्षित श्रेणियों की भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण अवैध है और इसे ढहाने के साथ-साथ दोषी पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है।

क्या आप चाहेंगे कि मैं इस शिकायत को उच्च अधिकारियों (जैसे कि तहसील पोर्टल या आईजीआरएस) पर भेजने के लिए एक औपचारिक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कर दूँ?

सालों जैल में रहने और दस साल की सजा के बाद भी दोषी रोजगार सेवक कर रहा नौकरी

● सूचना अधिकार अधिनियम से जिला कारागार व जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से मांगी गई सूचना मिलने के बाद होगा बड़ा खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी जनपद खीरी के विकासखंड विजुआ के ग्राम पंचायत पहलापुर के पंचायत मित्र और खंड विकास अधिकारी की मिली भगत का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पहाड़पर के पंचायत मित्र सुनील कुमार पर पत्नी की हत्या का केस दर्ज हुआ था और उसमें उक्त अभियुक्त को जेल जाना पड़ा था, तथा कई साल तक जेल में बिताने के बाद 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। नियमानुसार कई वर्ष जेल में बिताने और सजा सुनाए जाने के बाद संविदा कर्मी की संविदा स्वत समाप्त हो जाती है इसके बावजूद भी उक्त रोजगार सेवक को उसके पद से हटाया नहीं गया जो चर्चा का विषय बना है मिली जानकारी के अनुसार जिला कारागार में नियुक्त रहने के दौरान अनुपस्थित ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने पर संविदा कर्मी की संविदा स्वतः समाप्त हो जाती है लेकिन अधिकारियों की मिली भगत के चलते उक्त पंचायत मित्र आज भी नौकरी में देखा जा रहा है। लोगों का आरोप है कि आखिर यह सजायाफ्ता व्यक्ति किस नियम और किस सक्षम अधिकारी के आदेश से रोजगार सेवक के पद पर सेवाएँ दे रहा है? मामले की जानकारी जिला कारागार और पंचायती राज विभाग से सूचना का अधिकार अधिनियम से चाही गई है वांछित सूचनाये मिलने के बाद होगा बड़ा खुलासा और कई जिम्मेदारों की भी तय होगी जवाब देही और आएगी कार्यवाही की आंच।

अपने खिलाफ प्रकाशित खबर से बौखलाए रोजगार सेवक ने पत्रकार को दी झूठे मुकदमे में फंसाने और जान माल की धमकी

विकासखंड बिजुआ के ग्राम पंचायत पहाड़ापुर में तैनात पंचायत मित्र सुनील कुमार को न्यायालय द्वारा पत्नी की हत्या के केस में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। इसी केस में उक्त रोजगार सेवक सालों तक जेल में निरुद्ध रहा था, और जेल से बाहर आने के बाद पूनःरोजगार सेवक की नौकरी करते देखा जा रहा है। नियम अनुसार जब कोई भी संविदा कर्मी काफी समय तक ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है और किसी आपराधिक मामले में न्यायालय से दोषी करार दिया जाता है तो उसकी संविदा स्वतः समाप्त हो जाती है। उक्त मामले की खबर को स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र संवाददाता ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था ।अपने खिलाफ छपी खबर से बौखलाकर रोजगार सेवक द्वारा फोन करके खबर न चलने का दबाव बनाया जा रहा है साथ ही साथ फर्जी मुकदमे में फंसने तथा जान माल की धमकी भी दे रहा है पत्रकार ने मामले की लिखित शिकायत शासन प्रशासन से कर निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

गलत इलाज से हुआ इंफेक्शन, हाथ कटवाने की नौबत मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत

सीएम पोर्टल पर पीड़ित की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की ढुलमुल कार्रवाई, उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराकर आरोपी डॉक्टर पर कड़ी कार्रवाई कराने और न्यायोचित मुआवजा दिलवाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/फतेहगंज पश्चिमी। महानगर के एक काबिल डॉक्टर ने पेटदर्द का ऐसा इलाज किया कि गलत इंजेक्शन लगने की वजह से मरीज के बाएं हाथ में ऐसा इंफेक्शन हुआ कि उसका हाथ कटवाने की नौबत आ चुकी है।महीने भर में महंगे इलाज पर 50 हजार रुपये से ज्यादा खर्च हो चुके हैं। सीएम जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई भी अब तक ढुलमुल ही रही है। थाना व विकास क्षेत्र फतेहगंज पश्चिमी के ग्राम खिरका जगतपुर के 54 वर्षीय सुनील कुमार गंगवार का पिछले लगभग एक साल से लिवर में खराबी की समस्या का शास्त्रीनगर बरेली स्थित डॉ. प्रेमस्वरूप के स्वरूप क्लीनिक में इलाज चल रहा था। पेटदर्द ज्यादा बढ़ने पर आठ जनवरी 2026 को डॉ. प्रेम स्वरूप को दिखाया तो उन्होंने कई दवाइयां दीं और इंजेक्शन भी लगाया। आरोप है कि गलत इंजेक्शन और दवाइयां देने से सुनील के बाएं हाथ में इंफेक्शन हो गया। हाथ सूजकर काफी मोटा हो गया। इस बीच एक पखवाड़े में डॉ. प्रेमस्वरूप को कई बार दिखाया लेकिन वह लगातार महंगे इंजेक्शन-दवाइयां देते रहे लेकिन हाथ की सूजन और दर्द कम होने के बजाय बढ़ता ही गया। डॉक्टर प्रेमस्वरूप द्वारा लिखे गए दवाइयों के पर्चों से भी यह सच्चाई साफ उजागर होती है। 26 जनवरी को डॉ. प्रेमस्वरूप ने मरीज सुनील कुमार को हायर सेंटर को रेफर कर दिया।

दूसरे डॉक्टर को दिखाने पर उसने बताया कि इंफेक्शन खतरनाक हद तक पहुंच गया है और हाथ कटवाना भी पड़ सकता है। इस बीच महंगे इलाज पर 50 हजार रुपये से ज्यादा खर्चा हो चुका है। 8 हजार रुपये कीमत का तो एक ही इंजेक्शन लगवाना पड़ा है लेकिन अभी भी इंफेक्शन और दर्द बरकरार है। डॉक्टर के गलत इलाज से हाथ में संक्रमण होने और 50 हजार रुपये से ज्यादा खर्चे के बावजूद हाथ कटवाने की नौबत आने पर पीड़ित सुनील कुमार ने बीते दिनों मुख्यमंत्री के जनसुनवाई (आईजीआरएस) पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित सुनील कुमार का आरोप है कि शिकायत पर सीएमओ द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर आरोपी डॉ. प्रेमस्वरूप ने तथ्यों को तोड़मरोड़कर पेश करते हुए इलाज में लापरवाही से इन्कार कर दिया है और खुद को बेकसूर करार दिया है जो न्याय पर कुठाराघात है। उन्होंने सीएमओ से उच्चस्तरीय टीम से निष्पक्ष जांच कराकर आरोपी डॉक्टर को दंडित करने और पीड़ित को उचित मुआवजा दिलवाने की पुरजोर मांग की है।

क्या कहना है आरोपी डॉक्टर का?

इस बाबत आरोपी डॉक्टर प्रेमस्वरूप ने 26 जनवरी को सीएमओ बरेली को भेजे जवाब अपने लिखित स्पष्टीकरण में कहा है कि पेटदर्द की शिकायत पर मैंने तो सिर्फ डायनापार का एक इंजेक्शन लगाया था और कोई इंजेक्शन या दवा नहीं दी थी। इंफेक्शन कैसे हुआ मुझे पता नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के आरोप में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र के चेरा के पुरा गांव में तेजगति मोटरसाइकिल चलाने को लेकर मना करने पर मारपीट के दौरान रविचंद्र मौर्य का इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसमें नामजद अभियुक्त को सोमवार को चुनार पुलिस ने पिरल्लीपुर पावर हाउस से गिरफ्तार किया गया नामजद अभियुक्त काफी दिनों से फरार चल रहा था। कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि रविचंद्र मौर्य के हत्यारा एक व्यक्ति कहीं भागने के फ़िराक में पावर हाउस के पास खड़ा हैं सूचना मिलते ही कोतवाल विजय शंकर सिंह चौंकी प्रभारी कुमार सन्तोष हेड कांस्टेबल विनय राय व अनिल कुमार मौर्या मौके पर पहुंच कर डाक्टर उर्फ तेजबली पुत्र स्व राजेन्द्र निवासी जमुई थाना चुनार जनपद मीरजापुर गिरफ्तार को आलाकतल व डंडा के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय को भेज दिया।

महिला थाना की पहल से टूटते रिश्तों को मिला नया जीवन

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में भदोही पुलिस द्वारा लगातार बिछड़े दम्पतियों के बीच सुलह कराकर परिवारों को फिर से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला थाना/परिवार परामर्श केन्द्र के अथक प्रयास से घरेलू विवाद के चलते अलग हुए तीन दम्पत्ति पुनः साथ रहने को राजी हुए। परिवार परामर्श केन्द्र ज्ञानपुर पर दोनों पक्षों को नोटिस/मोबाइल के माध्यम से बुलाकर शांतिपूर्ण काउंसलिंग की गई। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से बीती बातों को भुलाकर नई शुरुआत करने का निर्णय लिया। महिला थाना/परिवार परामर्श केन्द्र की इस मानवीय पहल से न केवल पारिवारिक विवाद समाप्त हुआ, बल्कि मासूम बच्चों के जीवन में भी खुशियों से भरा नया सवेरा आया। सफल सुलह के बाद दम्पतियों की विदाई कराई गई।

मीरजापुर में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, बेड पर पड़ा मिला शव

» डोहरी गांव में रोशनी पटेल का शव संदिग्ध हालत में मिला।

» पिता ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस ने जांच शुरू की।

» पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का खुलासा होगा।

मीरजापुर। जमालपुर क्षेत्र के डोहरी गांव में शुक्रवार की रात 28 वर्षीय रोशनी पटेल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में बेड पर पड़ा मिला। मृतका के पिता राधेश्याम की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जब पुलिस वहां पहुंची, तो कमरे में सीलिंग पंखे से एक साड़ी का फंदा लटक रहा था, जिससे स्थिति और भी संदिग्ध हो गई। रोशनी की शादी नवंबर 2019 में डोहरी निवासी गोविंद पटेल के साथ हुई थी। मृतका का मायका बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर मदुरना में था। उनके दो बच्चे हैं, एक पुत्र जिसका नाम अखंड पटेल है और एक पुत्री जिसका नाम अद्विका है। रोशनी की मौत से उसके पिता और भाई दीपू ने हत्या की आशंका जताई है। बच्चों की मां की मौत से उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो मृतका का शव बेड पर पड़ा हुआ था और कमरे का दरवाजा खुला था। घर के अन्य सदस्य दूसरे कमरों में थे। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही विवाहिता की मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पिता राधेश्याम ने बताया कि उनकी बेटी रोशनी हमेशा खुश रहने वाली और अपने बच्चों के प्रति समर्पित थी। उन्होंने यह भी कहा कि शादी के बाद से रोशनी के साथ कुछ समस्याएं थीं, लेकिन उन्होंने कभी भी इस तरह की स्थिति की कल्पना नहीं की थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक टीम गठित की है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि इस मामले की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

पाच दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ मीरजापुर। विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत सीखड़ में स्थित श्री शंक्राश्रम इन्टर कॉलेज के प्रांगण में आजाद स्पोटिंग क्लब सीखड़ के तत्वावधान में चल रहे पांच दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन आठ फरवरी को सायं सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच बी एल डब्लू और मीरजापुर के बिच खेला गया जिसमें बी एल डब्लू की टीम ने मीरजापुर को 1 जीरो से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया दुसरा सेमीफाइनल मुनारी वाराणसी और सरैया वाराणसी के बीच खेला गया जिसमें मुनारी वाराणसी ने सरैया वाराणसी को 2 जीरो से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया वहीं फाइनल मैच मुनारी वाराणसी और बी.एल.डब्लू वाराणसी के मध्य खेला गया दोनों टीमें हाफ मैच तक कोई भी टीम गोल नही कर पाई तब कमेटी ने पेनलिटि शूट आउट का निर्णय लिया जिसमे मुनारी की टीम ने बी.एल.डब्लू को 4-2 से पराजित कर फाइनल मैच का खिताब अपने नाम किया7 राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य, स्वदेशी जागरण मंच मीरजापुर समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, उपाध्यक्ष जिला बालीबाल संघ एसोसिएशन श्री कृष्ण कुमार सिंह विषिठ अतिथि पॉपुलर हॉस्पिटल के चेयरमैन ए. के.कौशिक ने सभी खेलाड़ियो से परिचय प्राप्त किया दोनों टीमों के खेलाड़ियो पुरस्कार वितरण किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में खेलाड़ियो को निरंतर खेल के प्रति जागरूक रहने मेहनत से खेल को खेलने आपस में प्रेम को बनाए रखने जैसे खेल के प्रति विन्दुवार जानकारी दिया। उक्त अवसर पर विनोद कुमार चतुर्वेदी, कृपा शंकर चतुर्वेदी अशोक कुमार शुक्ला अनिल पांडेय कप्तान , प्रधान प्रतिनिधि चन्दबली यादव सहित हजारों की संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। आगे प्रतियोगिता में मेन रेफरी के रूप मे अरविंद यादव और लाइनमैन के रूप मे लवकुश यादव और श्रेयांश यादव रहे कमेंटेटर अवनीश पांडेय रहे ,स्कोरर का कार्य बीनू यादव और शशिकांत यादव ने किया। आगे प्रतियोगिता को सफल बनाने में क्लब के संरक्षक सूत्रधार श्री राम सिंह यादव, नरेश यादव, धमेंद्र विश्वकर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ तन मन धन से लगे रहे।

श्रीराम कथा के लिए गाजे बाजे के साथ निकाली गई कलशयात्रा

हलिया मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के खुटहा गांव स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित श्रीराम कथा के लिए सोमवार को गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कथावाचक विंध्य पीठाधीश्वर लक्ष्मणाचार्य महराज के नेतृत्व में कलश यात्रा मनकामेश्वर मंदिर से कलश यात्रा आरंभ हुई। पटेहरा गांव स्थित हनुमान मंदिर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्याओं और महिलाओं ने कलश में जल भरा।कलश यात्रा पटेहरा गांव से होती हुई मनकामेश्वर मंदिर कथा स्थल पर पहुंची।जहां विधि विधान से कलश स्थापना की गई।कलश यात्रा में जय श्रीराम के जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान रहा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एस आई अंसार अहमद व पुलिसकर्मी लगे रहे।कलश यात्रा में छोटी कुंवर सिंह,कृष्ण कांत तिवारी,अमर बहादुर सिंह, रमाशंकर सिंह,भानु तिवारी,धीरज मिश्र, मार्तंड सिंह, उमाकांत दुबे,अरूण मिश्र, राकेश तिवारी, पिंकेश सिंह, रतौर ग्राम प्रधान राहुल सिंह ब्रजकिशोर सिंह राजन सिंह विनीत तिवारी सुशील पटेल सुरेश शुक्ला राजू शुक्ला शशी पटेल अभिषेक सिंह अधिवक्ता जेपी तिवारी सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन का मैच खेला गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड, मीरजापुर। विंध्य क्रिकेट एसोसिएशन मीरजापुर के तत्वाधान में,राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता,चुनार प्रीमियर लीग मिनी स्टेडियम मेड़िया, चुनार, मीरजापुर, के ग्राउंड पर आयोजित किया जा रहा हैं तीसरा दिन दो मैच खेला गया। चुनार प्रीमियर लीग के तीसरे दिन का पहला मैच लखिमपुर और आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी लखनऊ के बीच हुआ। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला लिया, लखिमपुर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर 117 रन बनाए। वहीं पर गेंदबाजी टीम से मनोज पटेल ने 3 विकेट विकेट प्राप्त किया।

लक्ष्य का पिछा करते हुए 118 रन बना कर आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी लखनऊ ने यह मैच 3 विकेट से अपने नाम किया। पुरस्कार के क्रम में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अनुराग रघुवंशी को विजय कुमार पटेल के द्वारा दिया गया। वहीं पर प्रीमियर लीग के तीसरे दिन का दूसरा मैच गाजीपुर और प्रतापगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर प्रतापगढ़ की टीम बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 114 रन बनाए। गेंदबाजी टीम से महंतिम यादव ने 4 विकेट लिया। 115 रन के लक्ष्य का पिछा करते हुए गाजीपुर की टीम ने 116 रन बनाकर 3 विकेट से विजयी हुई,

प्रखर उपाध्याय 52 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच हुए। रजत सिंह के द्वारा उन्हें पुरस्कार दिया गया। उक्त अवसर पर आयोजक कमेटी गौतम सिंह, रजत सिंह , प्रवीन सिंह किट्टू नीतेश सिंह, ज्योति प्रकाश सिंह, हेमंत पांडेय, अमित चतुर्वेदी, संजय सिंह, देवेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। मैचों के अंम्पायर पवन यादव, अमित बालखंडी स्कोरर प्रितेश शोनकर कमेंटेटर गौतम सिंह सहित सैकड़ो खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा देवहट गांव

● मृत श्रमिक के परिजनों से मिलकर घटना की ली जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ड्रमंडगंज। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के निर्देश पर सोमवार दोपहर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल क्षेत्र के देवहट गांव पहुंचा। समाजवादी पार्टी के छानबे विधानसभा अध्यक्ष सोकिम अहमद के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने मृत श्रमिक छोटकऊ कोल के घर पहुंचकर स्वजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। प्रतिनिधि मंडल ने श्रमिक की हत्या का खुलासा नही किए जाने पर आक्रोश जताया। प्रतिनिधि मंडल मृत श्रमिक के पुत्र रविन्द्र कुमार उर्फ पिंटू के साथ ड्रमंडगंज थाने पर पहुंचा और घटना की जांच के संबंध में थानाध्यक्ष भारत सुमन से जानकारी ली। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने श्रमिक की हत्या का जल्द से जल्द खुलासा करने के लिए थानाध्यक्ष से कहा।

थानाध्यक्ष ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि मामले की जांच चल रही है जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा। समाजवादी पार्टी के अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव सियाराम जैसल ने बताया कि जिलाध्यक्ष के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार से मिलकर घटना के संबंध में जानकारी ली। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर विधानसभा तक आवाज उठाएगी। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज से मामले की जांच की प्रगति के संबंध में वार्ता की गई है।हम उम्मीद करते हैं कि डीएम और एसएसपी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का कार्य करेंगे। राष्ट्रीय सचिव ने आरोप लगाया कि श्रमिक दुलार मनि कोल ने आत्म हत्या नही कि बल्कि उसकी भी हत्या कर पेड़ से लटका दिया गया।छोटकऊ कोल की हत्या में शामिल लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है। समाजवादी पार्टी श्रमिक की हत्या में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करती है। प्रतिनिधि मंडल ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है।

गोपीगंज-ज्ञानपुर मार्ग पर यातायात सुधार की उठी मांग

गोपीगंज। ज्ञानपुर रोड स्थित संस्कृत पाठशाला के बगल में हाल ही में खुले मॉल के कारण उत्पन्न हो रही यातायात समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। मॉल में आने वाले ग्राहकों द्वारा सड़क के दोनों पटरियों पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग से गोपीगंज से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह और शाम के समय जाम की स्थिति गंभीर हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, कार्यालय कर्मियों, एंबुलेंस एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को आवागमन में कठिनाई होती है। नागरिकों ने बताया कि संकरी सड़क पर दोनों ओर वाहन खड़े होने से आमने-सामने से आने वाले वाहनों को निकलने में दिक्कत होती है, जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से सकारात्मक पहल की अपेक्षा करते हुए मांग की है कि मॉल के सामने अवैध पार्किंग पर रोक लगाई जाए, यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की जाए तथा वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक हस्तक्षेप से न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि छात्रों और आम नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

लकड़ी के पिंड में स्थित फुलवरिया माता मंदिर का जीर्णोद्धार, मनाया वार्षिकोत्सव किया गया भव्य श्रृंगार

● लकड़ी के पिंड के रूप स्थित फुलवरिया माता का मूर्ति लगभग तीन सौ वर्ष पुरानी बताई गई

लकड़ी के आकृति वाली फुलवरिया माता के पिंड में न दीमक लगा और न ही पानी से खराब हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। क्षेत्र के सीखड़ गांव स्थित प्राचीन फुलवरिया माता कि वार्षिकोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान मां को केश लगा कर भव्य श्रृंगार किया गया। इसके उपरांत भव्य भंडारे का भी आयोजन हुआ।वार्षिकोत्सव में मंदिर पर अखंड रामचरित मानस का पाठ के साथ ही भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर में स्थापित फुलवरिया माता कि मूर्ति लकड़ी के पिंड के रूप में स्थित है। जो लगभग तीन सौ वर्ष पुरानी बताई गई, बारिश के समय में गंगा के बाढ़ से एक सप्ताह से अधिक समय तक डूबने के बावजूद लकड़ी के पिंड में न तो दीमक लगा और न ही पानी से सड़ा गला। मान्यता है कि फुलवरिया माता से पुत्र कि कामना हेतु लगाई गई अर्जी पूर्ण हुआ है। भजन कलाकार आशु पांडेय ने भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सैकड़ों वर्ष पुरानी प्राचीन फुलवरिया माता मन्दिर का जीर्णोधार अजीत पांडेय,राजेश पांडेय,रिशु द्वारा कराया गया। इस दौरान आचार्य पंडित सुनील मिश्रा, प्रदीप पांडेय, रामेश्वर पांडेय,अखिल भोलू

मिश्रा, गुन्नू पांडेय,रतन पांडेय, गणेश पांडेय, निर्भय शंकर चौबे, अनील पांडेय ,आशिष कुमार पांडेय आशू सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहें।

मतदाता सूची में पात्र युवाओं व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

● युवाओं एवं महिलाओं को मतदान के अधिकार के प्रति किया जाए जागरूक

संबंधित विभाग पात्र युवा व महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने में करें सहयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत पात्र मतदाताओं में 18 से 20 आयु वर्ग के युवा तथा महिलाओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किए जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित जनपद के सभी उप जिला अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों जैसे विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला कल्याण, माध्यमिक व उच्चशिक्षा विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और नगर विकास विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक की गई। सम्बन्धित अधिकारियों को पात्र युवा, किशोरियों व नवविवाहिता महिला मतदाताओं के नाम सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गए।

बड़ी संख्या में 18 से 20 वर्ष की आयु वर्ग के युवा मतदाता अभी भी मतदाता सूची में शामिल नहीं है। ऐसे सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराए जाने हेतु अभियान के तौर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपदों में समस्त शैक्षणिक संस्थानों यथा काशी नरेश विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा अन्य समस्त शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मतदाता साक्षरता क्लब के माध्यम से मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया जाये। उन्हें अपने मतदान के अधिकारों से अवगत कराया जाय जिससे की सभी युवा अपनी मनपसंद की सरकार चुनने के लिए और लोकतंत्र में हिस्सेदार बनने के लिए मतदाता सूची में बढ़-चढ़कर अपना नाम सम्मिलित कर सकें। साथ ही सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष अभियान चलाकर पात्र छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन पोर्टल voters.eci.gov.in तथा ECINET मोबाइल ऐप अथवा बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से ऑफलाइन घोषणा पत्र सहित फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में शामिल कराये जाने के निर्देश दिये गए।

जिन छात्र-छात्राओं की आयु दिनांक 01.01.2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है उनका शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाय। जिन छात्र-छात्राओं की आयु दिनांक 01.10.2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो उनका भी फार्म-6 एडवांस फार्म के रूप में भरवाया जा सकता है। फार्म 6 के साथ घोषणा पत्र भरने हेतु वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश की वेबसाईटों पर उपलब्ध है जहाँ से उसे आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इस मतदाता सूची की प्रतिलिपि सभी बूथ लेविल अधिकारियों के पास भी उपलब्ध है। अधिकारियों को इन तथ्यों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराए जाने के निर्देश दिये।

27 अक्टूबर 2025 तक की मतदाता सूची में प्रदेश स्तर पर महिलाओं का अनुपात प्रति हज़ार पुरूषों की तुलना में 877 था जो कि 6 जनवरी 2026 को जारी आलेख्य मतदाता सूची में घटकर 824 रह गया है। इससे स्पष्ट होता है की बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं के नाम गणना प्रपत्र ना भरे जाने के कारण छूट गए हैं।

कई महिलाएं विवाह के पश्चात अपने मायके के स्थान पर पंजीकृत होने के कारण ससुराल में गणना प्रपत्र नहीं भर सकी। इनको लक्षित करते हुए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों यथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्यरत महिला समूह की दीदी, चिकित्सा विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही आशा तथा एएनएम बहनें, बाल विकास पुष्टाहार विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा सुपरवाइजर, के सहयोग से नव विवाहित महिलाओं और किशोरियों के नाम आलेख्य मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है उन सभी पात्र महिलाओं का नाम घोषणा पत्र सहित फॉर्म 6 भरवा कर मतदाता सूची में शामिल करने का प्रयास करें। जन प्रतिनिधियों को चुनने में महिलाओं की भूमिका एवं सहभागिता बढ़ाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि अगले 15 दिनों तक मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं का नाम दर्ज कराने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए, जिसका प्रचार-प्रसार प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में किया जाये फार्म-6 भरवाने हेतु संबंधित कार्मिकों को समुचित प्रशिक्षण भी दिया जाना सुनिश्चित किया जाय जिससे मतदाता सूची में समस्त पात्र नागरिकों का नाम शामिल हो सके।

सपा जिला इकाई की मासिक बैठक में पीडीए की मजबूती और फार्म-7 पर हुई अहम चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। समाजवादी पार्टी जिला इकाई की मासिक बैठक में पीडीए की बढ़ती सहजता और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संघर्षों के परिणामस्वरूप चुनाव आयोग द्वारा फार्म-7 को लेकर किए गए नए प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि अब फार्म-7 की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट स्तर से की जाएगी और थोक में फार्म-7 स्वीकार नहीं किए जाएंगे, जो लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि यह बदलाव राष्ट्रीय अध्यक्ष के निरंतर संघर्ष और जनहित की राजनीति की ताकत का परिणाम है। आज एकजुट और जागरूक पीडीए समाज का हर व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहा है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण पीडीए समाज इस बात को लेकर उत्साहित और आश्वस्त है कि आने वाले समय में पूरे देश में पीडीए का परचम लहराया जाएगा और पीडीए सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि पीडीए केवल एक शब्द नहीं, बल्कि पीड़ा से जुड़ी एक साझा भावना है, जो सामाजिक न्याय, समान सम्मान, समान अवसर और समृद्धि का रास्ता दिखाती है। वर्तमान हालात में भ्रष्टाचार और अत्याचार से त्रस्त समाज का हर वर्ग सकारात्मक, प्रगतिशील और सौहार्दपूर्ण पीडीए विचारधारा से जुड़ता जा रहा है। बैठक में जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति, पूर्व मंत्री रामकिशोर बिंद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत करने और पीडीए विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बाल कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पी. सी. उपाध्याय सम्मानित

भदोही। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक द्वारा सोमवार को बाल कल्याण समिति, जनपद भदोही के सम्मानित अध्यक्ष पी. सी. उपाध्याय को किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत बच्चों की देखभाल, संरक्षण एवं पुनर्वास के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों तथा पुलिस के साथ बेहतर समन्वय के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि बाल अधिकारों की रक्षा और पुनर्वास की दिशा में बाल कल्याण समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पी. सी. उपाध्याय को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की शुभकामनाएं भी दीं।

निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता एवं प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

● समयबद्ध एवं मानक के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही/ जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सड़क निर्माण परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 108.97 किलोमीटर लंबाई की 52 सड़कों, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा 21 सड़क निर्माण कार्य, मंडी परिषद द्वारा 1.80 किलोमीटर लंबाई की 02 सड़कें, सिंचाई नहर प्रखण्ड द्वारा 7.45 किलोमीटर लंबाई की 05 सड़कें तथा जिला पंचायत द्वारा 17.948 किलोमीटर लंबाई की 42 सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने उपर्युक्त पांचों विभागों द्वारा निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा के संदर्भ में संबंधित समस्त अधिशासी अभियंताओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में एवं मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं जैसे विद्युत पोल, पेड़ों अथवा अन्य अवरोधों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभागीय वनाधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय एवं सहयोग स्थापित करते हुए कार्य संपादित करने के निर्देश दिए, जिससे परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने संबंधित समस्त अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें, ताकि सभी परियोजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके और कार्य ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सकें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनसुविधा से जुड़ी इन परियोजनाओं का समय पर पूर्ण होना प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में संदीप सरोज अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रज्ञा परमिता अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, अनिल त्यागी अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत्त सहित सभी विभागों के सहायक अभियंता, अवर अभियंता आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

लापता युवक का शव पेड़ से लटकता मिला

नैनी,प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के रहने वाले राकेश मिश्रा का शव चार दिन बाद नैनी लेप्रोसी चौराहे के पास देर रात रेलवे ओवर ब्रिज के समीप पेड़ से लटकता मिला। इसकी सूचना परिवार वालों को मिली तो, वह मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय लेकर गए।जहां से मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वही चार दिन पहले घरवालों ने नैनी कोतवाली में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद से पुलिस जांच कर रही थी।जानकारी के मुताबिक कौंधियारा थाना निवासी राकेश मिश्रा उर्फ गुड्डू 38 वर्ष नैनी स्थित गंगा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इकाई में सिक्योरिटी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।वह 5 फरवरी को गंगा प्रदूषण बोर्ड ड्यूटी पर पहुंचे थे। जहां उनकी बाईक खड़ी मिली थी।बाइक की डिग्गी में एक सुसाइड लेटर मिला था। जिसमें लिखा था कि मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। सुसाइड नोट में 57 लाख रुपए के लेन देन की बात लिखी गई थी। हालांकि राकेश मिश्रा के लापता होने के बाद परिवार वालों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट नैनी कोतवाली में दर्ज कराई वहीं नैनी पुलिस ने भी बाइक मिलने के बाद यमुना नदी में गोताखोरों की मदद से काफी खोजबीन की थी। लेकिन युवक का कोई पता नहीं मिल सका था। वहीं परिजनों का कहना था कि इससे पहले भी एक बार वह गायब हो गए थे और बाद में वापस लौट आए थे।ग्रामीणों के मुताबिक राकेश मिश्रा ने कुछ लोगों से पैसे भी ले रखे थे। जिसकी वजह से वह काफी परेशान रहते थे।

प्रतिष्ठित व्यापारी नेता के निधन पर व्यापार मंडल ने शोक सभा आयोजित

नैनी, प्रयागराज। नैनी व्यापार मण्डल कार्यालय पर नैनी बाजार के प्रतिष्ठित व्यापारी समाज सेवी जीत राम अग्रवाल के निधन पर दो मिनट का मौन रख मृत आत्मा के शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया गया। शोक सभा को मुख्य रूप से नैनी व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष चन्द्र केसरवानी, पार्षद राकेश जायसवाल घनश्याम जायसवाल, मो अजहर, राधेश्याम गुप्ता, रमेश केसरवानी, डब्लू जायसव नाजिम खान, राजेश केसरवानी, गुलाब वैश्य, अंकित कन्नौजिया, आदि लोग शामिल रहे।

प्रयागराज जंक्शन पर मजिस्ट्रेट चेकिंग, 1.54 लाख वसूला गया जुर्माना

दया शंकर त्रिपाठी।

ब्यूरो प्रयागराज। रेलवे मजिस्ट्रेट, विनय कुमार जायसवाल के नेतृत्व एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, प्रयागराज। हरिमोहन के मार्गदर्शन में प्रयागराज जंक्शन पर मजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग), दिनेश कुमार भी मौजूद थे। इस टिकट चेकिंग अभियान में 15 ट्रेनों में व्यापक रूप से टिकटों की जांच की गई। इस चेकिंग अभियान में कुल 193 यात्रियों से ?1,54,226/- जुर्माना वसूला गया। इनमें बिना टिकट यात्रा के 65 यात्रियों से 41,034/-, अनियमित टिकट के 117 यात्रियों से 56,400/-,अनबुक्ड लगेज के साथ 5 यात्रियों से ?56,192/-, तथा गंदगी फैलाने के 06 यात्रियों से 600/- का जुर्माना शामिल है। इस अभियान में मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक, प्रयागराज दिवाकर शुक्ला; मुख्य टिकट निरीक्षक, संतोष कुमार के साथ टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ एवं जीआरपी स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। यात्रियों को RailOne App के माध्यम से टिकट लेने एवं 14 जुलाई 2026 तक उपलब्ध 3% विशेष छूट का लाभ उठाकर अपने सफर को स्मार्ट एवं सहज बनाने के लिए भी जागरूक किया गया।

'जो उचित समझो, वह करो' ही नहीं है, जनरल नरवणे की किताब में और भी बहुत कुछ है जिससे सरकार हो जाएगी शर्मिंदा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

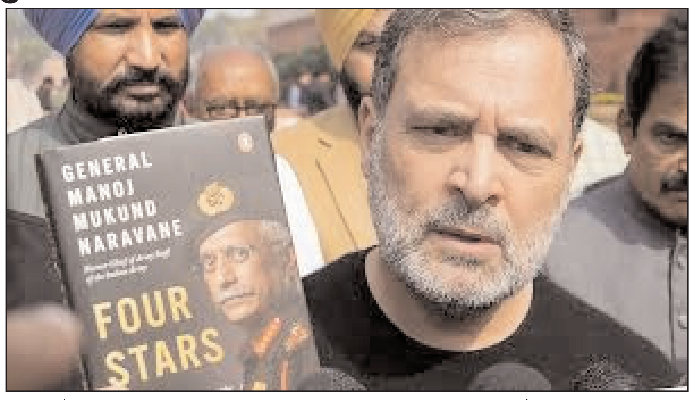

ब्यूरो प्रयागराज। पूर्व जनरल एम एम नरवणे की किताब पर आधारित लेख लिखने वाले रणनीतिक मामलों के विश्लेषक सुशांत सिंह का कहना है कि उन्होंने यह लेख जनरल नरवणे की किताब की पांडुलिपि के आधार पर लिखा है। उनका कहना है कि इस किताब में काफी कुछ ऐसा है जिससे मोदी सरकार को और भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। द वायर के लिए पत्रकार करण थापर को दिए एक इंटरव्यू में सुशांत सिंह ने किताब में कई और ऐसे संदर्भ हैं जो सरकार को शर्मिंदा कर सकते थे।

जैसा कि सर्वविदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हर मौके पर सेना की यूनिफॉर्म पहनने का शौक है। यह भी सार्वजनिक है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि जब 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक हुई थी तो वे वॉर रूम में थे और हमले पर गहरी नजर रखे हुए थे। इस सिलसिले में उनका वह इंटरव्यू तो काफी मशहूर हुआ था जिसमें उन्होंने एयर फ़ोर्स को बादलों का फ़ायदा उठाने की सलाह दी थी। वैसे इस दावे का किसी ने कभी आधिकारिक तौर पर खंडन नहीं किया है।

इसी तरह, ऑपरेशन सिंदूर से पहले प्रधानमंत्री की प्रचार टीम ने मोदी की सैन्य अधिकारियों के साथ ऑपरेशन की डिटेल्स पर चर्चा करते हुए तस्वीरें शेयर की थी। ऐसे में इतना सक्रिय रहने वाले प्रधानमंत्री का सेना प्रमुख से यह कहना कि, 'जो आपको उचित लगे, वह करो', वह भी जनरल नरवणे के निर्देश मांगने के दो घंटे बाद रक्षा मंत्री के ज़रिए, यह बात अजीब थी। यह शर्मनाक भी है क्योंकि ऐसा लग रहा था कि वह अपनी ज़िम्मेदारी से भाग रहे हैं। हालांकि, करण थापर के साथ बातचीत में सुशांत सिंह ने दावा किया कि 'अप्रकाशित' किताब में यह एकमात्र शर्मनाक बात नहीं है, जिसे सरकार ने प्रकाशन के लिए मंजूरी नहीं दी है।

सुशांत सिंह बताते हैं कि 2019 के ऑपरेशन बंदर (बालाकोट एयरस्ट्राइक का कोडनेम) और 2025 के ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान के साथ चार दिन की लड़ाई का नाम) के उलट, 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी शेयर नहीं की गई है। दोनों मामलों की ऑपरेशनल डिटेल्स भारतीय सेना ने शेयर की थीं और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों को इन ऑपरेशन के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया था, जिन्हें सरकार ने किताबें लिखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

लेकिन, भारत सरकार चीन के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ झड़पों के बारे में ब्योरा साझा करने में हिचकिचा रही है। सुशांत सिंह बताते हैं कि यही वजह है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे (रिटायर्ड) के कथित तौर पर 'अप्रकाशित' संस्मरण ज़्यादा महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

सितंबर 2024 में द इंडियन एक्सप्रेस को दिए गए जवाब में, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसके पास 2020 से 35 किताबों की मंजूरी के लिए उनके शीर्षक और पांडुलिपियां जमा की गई थीं। जनरल नरवणे की किताब को छोड़कर बाकी सभी किताबों के प्रकाशन की मंजूरी दे दी गई थी और वे सभी प्रकाशित भी हो गईं। असल में, जिन किताबों को मंजूरी मिली, उनमें से एक नॉर्दर्न कमांड के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वाई. जोशी की भी थी, जिन्होंने 2020 में चीनियों के खिलाफ भारतीय सेना के ऑपरेशन्स के बारे में बहुत अच्छी बातें लिखी थीं। जनरल नरवणे का ब्यौरा लेफ्टिनेंट जनरल जोशी के ब्यौरे से काफी अलग है।

सुशांत सिंह ने करण थापर को बताया कि अगर जनरल नरवणे ने भी जीवनी लिखी होती और राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की तारीफ की होती, तो उन्हें लगता है कि उनके संस्मरण भी प्रकाशन के लिए मंजूर हो गए होते। लेकिन ऐसा लगता है कि इस किताब ने दोनों को ही शर्मिंदा किया है।

सुशांत सिंह का कहना है कि इस किताब में सबसे चौंकाने वाले खुलासों में से एक यह है कि चीनी सैनिक मई, 2020 में भारतीय इलाके में घुसे थे, न कि जून, 2020 में जैसा कि आम तौर पर माना जाता है। पूर्व सेना प्रमुख के मुताबिक, चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी में उस हाथ-पाई वाली लड़ाई से एक महीने पहले ही अपना टेंट लगा लिया था, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। नॉर्दर्न कमांड और 14वीं कोर के कमांडरों को घुसपैठ के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने इसे ज़्यादा अहमियत नहीं दी। उन्होंने कहा कि जब बर्फ पिघलेगी और उस जगह पानी का लेवल बढ़ेगा, तो चीनी टेंट पानी में डूब जाएंगे।

लेकिन, 15 जून 2020 को भारतीय सैनिकों को आदेश दिया गया कि वे वहीं जाकर अपने टेंट लगाएं जहां चीनी पहले ही टेंट लगा चुके थे। इसी वजह से गलवान घाटी में झड़प हुई। हालांकि प्रोटोकॉल के अनुसार निहत्थे भारतीय सैनिकों को टेंट लगाने का आदेश किसने दिया, यह पता नहीं है। जनरल नरवणे ने भी अपने संस्मरण में यह खुलासा नहीं करते कि यह आदेश किसने दिया था। हालांकि, तत्कालीन सेना प्रमुख ने स्थानीय कमांडरों की कड़ी आलोचना की है और लिखा कि वे चीनी घुसपैठ से निपटने के लिए तैयार नहीं थे और उन्होंने स्थिति की गंभीरता को कम करके आंका।

सिंह का तर्क है कि मई 2020 में चीनी घुसपैठ गलत और उकसाने वाली थी, लेकिन बिना सही तैयारी, प्लानिंग या कोऑर्डिनेशन के एक महीने बाद जवाब देने का भारतीय फैसला एक बड़ी गलती साबित हुआ। जाहिर है, अब तक किसी की जवाबदेही तय नहीं की गई है।

जनरल नरवणे इस किताब में यह भी बताते हैं कि भारतीय सेना को बॉर्डर पर कोर कमांडरों के स्तर पर हुई मीटिंग्स के मिनट्स रिकॉर्ड करने की इजाज़त नहीं थी। विदेश मंत्रालय ने तर्क दिया कि बॉर्डर पर बातचीत करना उसका काम है और सेना को मिनट्स नहीं रखने चाहिए। नतीजतन, कई मौकों पर चीन ने ऐसे कदम सुझाए जिन पर भारतीय पक्ष ने 'विचार' करने पर सहमति जताई, लेकिन चीन ने इसे 'सहमति' मान लिया। सिंह ने दावा किया कि बातचीत के 9वें दौर में ही, जब विदेश मंत्रालय के एक जॉइंट सेक्रेटरी बातचीत में शामिल हुए, तब मिनट्स रिकॉर्ड करना शुरू किया गया।

सुशांत सिंह का कहना है कि हमें शायद कभी पता न चले कि 2020 में भारत ने चीन को कितनी ज़मीन खो दी, क्योंकि लद्दाख में चीन के साथ बफर ज़ोन के लिए समझौते की बातचीत करने वालों की एक और शर्मनाक 'गलती' हुई। भारत सरकार इसे बफर-ज़ोन नहीं कहती, बल्कि इस समझौते को दोनों तरफ से पीछे हटना बताती है। हालांकि, जनरल नरवणे इसे बफर ज़ोन बताते हैं और अपने संस्मरण में कहते हैं कि भारतीय बातचीत करने वालों ने दोनों पक्षों के पांच किलोमीटर पीछे हटने पर सहमति जताई थी। सिंह इस बात के रेखांकित करते हैं कि हालांकि, 2020 में चीनी सैनिक जहां तक आए थे, वहां से पांच किलोमीटर पीछे हट गए, लेकिन भारतीय सैनिक भी अपने इलाके में पांच किलोमीटर और पीछे हट गए। इसलिए, यह पूरी तरह मुमकिन है कि जिस बफर ज़ोन पर सहमति बनी है।

चाइनीज मांझा की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु 09.02.2026 से 12.02.2026 तक अभियान

ब्यूरो प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज में चाइनीज मांझा से विगत में हई दुर्घटनाओं के दृष्टिगत इन दुर्घटनाओं को रोकने एवं चाइनीज मांझा की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु दिनांक 09.02.2026 से 12.02.2026 तक अभियान चलाया जा रहा है। चाइनीज मांझा के निर्माण, भण्डारण एवं सिंथेटिक मांझा/सीसा लेपित/नायलॉन पतंग डोरी एवं भण्डारण, उपयोग एवं बिक्री पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में दोषी पाये गये व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जायेगी । इस दौरान कमिश्नरेट प्रयागराज के सभी थाना प्रभारी निम्नलिखित कार्यवाही करेंगे।

1-सभी थाना प्रभारी संदिग्ध दुकानो की चेकिंग करेंगे।

2- चाइनीज मांझा बेचने वाले सभी दुकानो का सत्यापन किया जाये।

3-चाइनीज मांझा बेचने वालो के नेटवर्क का पता लगाया जाये।

4-चाइनीज मांझे के जब्तीकरण की कार्यवाही की जाये।

5-जनता के व्यक्तियो को सूचना देने के लिये प्रोत्साहित किया जाये, सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

6-उक्त कार्यवाही की समीक्षा पुलिस आयुक्त, प्रयागराज द्वारा की जायेगी। शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

न्यायिक प्रक्रिया को सशक्त करेगा ग्लोबल मेडिएशन सेंटर : सुनीत अग्रवाल

● 12 फरवरी को हाईकोर्ट से होगा डिजिटल शुभारंभ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रीवा मप्र। मध्यस्थता केन्द्र के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव एवं न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल ने सोमवार को ग्लोबल मेडिएशन सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं, संरचना एवं कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र पूर्णतः सुव्यवस्थित है और यहाँ सकारात्मक वातावरण में प्रभावी ढंग से मध्यस्थता संभव है। ग्लोबल मेडिएशन सेंटर की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा राजगोपाल एवं उपाध्यक्ष जी.एस. तिवारी ने स्मृति-चिह्न भेंट कर न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल का स्वागत किया तथा संस्था के उद्देश्यों, उपलब्ध सुविधाओं एवं मध्यस्थता प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. राजगोपाल ने बताया कि यह केंद्र पारिवारिक, सामाजिक एवं अन्य विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान की दिशा में कार्य कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल ने कहा कि मध्यस्थता न केवल न्यायालयों पर लंबित मामलों का भार कम करता है, बल्कि पक्षकारों को समय, धन और मानसिक तनाव से भी राहत प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र न्यायिक व्यवस्था को और अधिक मानवीय तथा सुलभ बनाते हैं।

डॉ. प्रतिभा राजगोपाल ने आगे जानकारी दी कि उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा आगामी 12 फरवरी को ग्लोबल मेडिएशन सेंटर का अवलोकन एवं डिजिटल शुभारंभ किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन को ध्यान में रखते हुए न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल द्वारा केंद्र का प्राथमिक निरीक्षण किया गया, ताकि सभी व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से सुनिश्चित की जा सकें। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष जी.एस. तिवारी, मीडिएटर एवं काउंसलर आशा, उर्मिला शर्मा सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार डंपर किराना दुकान में घुसी, लाखों का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी के घनी आबादी वाले नई बाजार में टीएसएल रेलवे क्रॉसिंग के समीप सोमवार भोर अंधेरे में बड़ा हादसा हुआ। गलत दिशा से तेज रफ्तार में मोड़ने से अनियंत्रित डंपर दो दुकानों में शटर तोड़ते हुए जा घुसा। उस वक्त दुकानों में परिवार के कई सदस्य गहरी नींद में सोए हुए थे। हादसे में तेज धमाका हुआ और अंदर सो रहे लोग दहशत में उठकर बैठ गए। उनको लगा कि भूकंप आया है। बाहर निकलने की कोशिश करते लेकिन अंधेरे में कुछ समझ में नहीं आ रहा था। अपने को सामान्य करते हुए जब देखा तो उनके होश उड़ गए। भारी भरकम डंपर दुकान के अंदर छत और शटर फाड़ कर घुसा हुआ था। सभी लोग दहशत व घबराहट में चीखने लगे। भगवान का शुक्र था कि सभी लोग बाल बाल बचे थे। यह भयानक हादसा किराना स्टोर मालिक महेंद्र केसरवानी और उनके भाई व परिवार के साथ हुआ। बेकाबू डंपर के घुसने से दोनों दुकानों के शटर, दीवारें और अंदर रखे किराना माल नष्ट हो चुके थे। छतों का बारजा टूट गया। ऊपरी तल पर बने घर और नीचे दुकानों में किराना कारोबारी का परिवार बुरी तरह फंसा मदद के लिए शोर मचाता रहा। हादसे के बाद बाहर मौजूद भीड़ ने सीढ़ी लगाकर बांस बल्लियों के सहारे फंसे परिजन को सकुशल बाहर निकाला। हादसे के बाद डंपर चालक भाग निकला था।

क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर जाम का किया प्रयास

सुबह हुई तो भुक्तभोगी कारोबारी महेंद्र केसरवानी, उनकी पत्नी शकुंतला देवी नैनी थाने पहुंची। थाने में जानकारी दी गई। काफी देर तक वहां परिवार बैठा हुआ था। फिर लौट आया। इसके बाद कार्रवाई व क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर स्थानीय लोगों संग परिवार ने चक्का जाम का प्रयास किया। लेकीन पुलिस ने जाम नही लगने दी।पुलिस ने परिवार को मुआवजा के रूप में नुकसान की भरपाई डंपर मालिक से करने का आश्वासन देकर जाम खत्म कराया। परिवार के मुताबिक लाखों का नुकसान हुआ है।

अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट, डीआरएम कप -2026 का शुभारंभ

● उदघाटन मैच में विद्युत 'सामान्य' विभाग एवं परिचालन विभाग की टीम में परिचालन विभाग की टीम बनी विजेता।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री राजनीश अग्रवाल द्वारा डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में आयोजित अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट, डीआरएम कप-2026 का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल के विविध विभागों की कुल 15 टीमें हिस्सा ले रहीं है। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा, श्री नवीन प्रकाश एवं अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन, मो. मुबश्शिर वारिस एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम मण्डल क्रीड़ा/वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, शैलेंद्र सिंह द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, राजनीश अग्रवाल का स्वागत किया गया। अपने संबोधन में मण्डल रेल प्रबंधक अग्रवाल ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। रेलवे में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल गतिविधियाँ अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे खेल आयोजनों से कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय, सहयोग एवं प्रतिस्पर्धा की सकारात्मक भावना को बढ़ावा मिलता है।

कुछ टीम जीतेंगी और कुछ हारेंगी पर यह प्रतियोगिता सबको कुछ ना कुछ देकर जाएगी। जीतने वालों को उपलब्धि और हारने वालों को सीख और साथ ही बेहतर करने का जज़्बा पर इस सब में सबसे ऊपर एक बात रहनी चाहिए वो है खेल भावना। मैं आशा करता हूं वो सब के लिए सर्वोपरि रहेगी। आज परिचालन विभाग एवं विद्युत विभाग के मध्य खेले गए शुभारंभ मैच में परिचालन विभाग की टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की । टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए विद्युत विभाग की टीम ने 19.5 ओवर में 10 विकेट खो कर 144 रन बनाए जिसमें विशाल ने सर्वाधिक 31 रन एवं आकाश श्रीनेत्र ने 24 रन बनाए बनाए। परिचालन विभाग की ओर से चितरंजन चौबे ने 4 विकेट, महेंद्र गुप्ता ने 3 विकेट, मो. अदिल ने 2 विकेट एवं रगेश सिंह ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुये परिचालन विभाग की टीम ने 17 ओवर में 6 विकेट खो कर 145 रन बनाए जिसमें अनुज शुक्ला ने सर्वाधिक 34 रन एवं चितरंजन चौबे ने 32 रन बनाए बनाए। विद्युत विभाग की ओर से प्रवीण मौर्य एवं गौरव ने 2-2 विकेट एवं देवानन्द यादव, प्रकाश जायसवाल ने 1-1 विकेट लिए।

रोहन की गेंदबाजी से मिलेनियम क्लब चैंपियन

● सत्यम शुक्ला अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी प्रयागराज। मिलेनियम क्रिकेट क्लब ने स्वर्गीय सत्यम शुक्ला स्मारक अंडर -14 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज को 48 रन से हराकर प्रतियोगिता को अपने नाम किए हैं। इस जीत में रोहन रंजन की सटीक गेंदबाजी (5.5 - 1 - 19 - 4) कर अपनी टीम को चैंपियन कराया हैं। सोमवार को मिलेनियम वर्लड स्कूल मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिलेनियम क्रिकेट क्लब ने 27.4 ओवर में 126 रन (सौरभ तिवारी 49, सूर्यांश त्रिपाठी 24 रन, विवेक कुमार 5/22, निखिल 3/20, आशुतोष 1/37) पर बनाए। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज की पूरी टीम 21.5 ओवर में महज 78 रन (किशन 22, अलोक 12 रन, रोहन रंजन 4/19, स्वातिक 2/08, अवहन तिवारी 1/10) पर सिमट गई। मैच के बाद समापन समरोह के मुख्य अतिथि मिलेनियम स्कूल के चेयरमैन संजीव मिश्रा ने विजेता व उपविजेता टीम को पुरुस्कृत किया, प्रतियोगिता में बेस्ट बैट्समैन व मैन ऑफ़ द टूर्नामेंट सौरभ तिवारी, बेस्ट बॉलर विवेक कुमार, बेस्ट फील्डर अभिमन्यु और मैन ऑफ़ द फाइनल रोहन रंजन को पुरस्कार दिया। इससे पहले आयोजन सचिव शिवम शुक्ला ने मुख्य अतिथि को बुके व शौल देकर उनका स्वागत किया, इस अवसर पर सुधीर सोनकर, अरुण कुमार, विपिन यादव, बृजेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

गाली-गलौज व धमकी देने का आरोप, कोतवाली में प्रार्थना पत्र

तालबेहट। नगर के चौबयाना निवासी गौरक्षा प्रमुख ने गाली-गलौज और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया है। पीड़ित ने बताया कि 8 फरवरी की शाम करीब चार बजे मोहल्ले में कुछ लोगों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा था। मना करने पर आरोपी आक्रामक हो गए और जान से मारने व झूठे मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा का कहना है कि दोनों अभियुक्त शराब के नशे में थे और गाली गलौज कर रहे थे उन्हें कोतवाली लाया गया था। जहां भी वह नशे में गाली गलौज कर रहे थे। आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

31 मार्च तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में सम्पूर्ण देश में 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जनपद स्तर पर यह अभियान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षा माननीय जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह के कुशल निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उपभोक्ता फोरम, भूमि अर्जन एवं भूमि अधिग्रहण पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण कराया जाएगा।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा से संबंधित प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक एवं सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति के बंटवारे, बेदखली से संबंधित वादों सहित अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों एवं लंबित प्रार्थना पत्रों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से किया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक चलने वाले राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने लंबित वादों के निस्तारण हेतु संबंधित न्यायालयों, कार्यालयों अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के कार्यालय में संपर्क कर मध्यस्थता की प्रक्रिया का लाभ उठाएं और शीघ्र न्याय प्राप्त करने में सहयोग करें।

एपस्टीन फाइल्स का भूचाल: यूरोप से अमेरिका तक बड़े नामों पर असर, इस्तीफों की लंबी कतार- भारत में क्या सवाल उठे?

प्रयागराज। एपस्टीन फाइल्स से जुड़े नए खुलासों ने यूरोप से लेकर अमेरिका तक राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल अमेरिका के कुख्यात अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज जैसे-जैसे सार्वजनिक हो रहे हैं, वैसे-वैसे इसका असर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रह गया है। ईमेल संपर्क, निजी मुलाकातें, सोशल नेटवर्क और कथित लेन-देन से जुड़ी जानकारियों ने कई देशों की राजनीति और प्रशासन में हलचल मचा दी है।

इन खुलासों का नतीजा यह हुआ कि यूरोप और अमेरिका में कई प्रभावशाली पदों पर बैठे लोगों को सार्वजनिक दबाव के चलते इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि, इन मामलों में यह भी साफ है कि हर इस्तीफा अपराध सिद्ध होने के कारण नहीं हुआ, बल्कि संस्थागत साख और नैतिक जिम्मेदारी को लेकर लिया गया फैसला था।

ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल्स का असर सबसे पहले प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की टीम तक पहुंचा। प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।दरअसल, मैकस्वीनी पर दबाव इसलिए बढ़ा क्योंकि उन्होंने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत नियुक्त करने की सिफारिश की थी। बाद में सामने आया कि यह फैसला विवादों से जुड़ गया।मैकस्वीनी ने खुद स्वीकार किया कि यह सलाह गलत थी और इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का फैसला किया। नॉर्वे में भी एपस्टीन से जुड़े मामलों ने बड़ा असर डाला। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वरिष्ठ राजनयिक मोना जूल अपने पद से हटेंगी।66 वर्षीय मोना जूल पहले मंत्री रह चुकी हैं और इजरायल, ब्रिटेन तथा संयुक्त राष्ट्र में नॉर्वे की राजदूत के रूप में भी काम कर चुकी हैं।सरकारी बयान में कहा गया कि एपस्टीन से जुड़े संबंधों के मामले में उनसे 'फैसले में गंभीर गलती' हुई, जिसके बाद यह कदम उठाया गया।

एपस्टीन फाइल्स का असर अमेरिका में भी साफ दिखाई दिया। फरवरी 2026 में मशहूर वकील ब्रैड कार्प ने एक बड़ी लॉ फर्म के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया। उनके एपस्टीन से जुड़े ईमेल संपर्क सामने आए थे, जिसके बाद दबाव बढ़ता गया।इससे पहले नवंबर 2025 में लैरी समर्स ने भी एक महत्वपूर्ण बोर्ड पद छोड़ा। उन्होंने सार्वजनिक रूप से माना कि एपस्टीन से संपर्क रखना उनकी गलती थी।

दिसंबर 2025 में विवाद ने अमेरिका की शीर्ष जांच एजेंसी तक दस्तक दी। एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बोंजिनो ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया।हालांकि उनके मामले में एपस्टीन से सीधा रिश्ता सामने नहीं आया, लेकिन फाइल्स से जुड़े विवाद और बढ़ते राजनीतिक दबाव ने हालात ऐसे बना दिए कि पद छोड़ना पड़ा।

एपस्टीन फाइल्स का असर सिर्फ ब्रिटेन और नॉर्वे तक सीमित नहीं रहा।फ्रांस में पूर्व मंत्री जैक लैंग ने एक सांस्कृतिक संस्थान के प्रमुख पद से इस्तीफा दिया।स्लोवाकिया में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजचाक को ईमेल विवाद के बाद पद छोड़ना पड़ा।स्वीडन में भी एक अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया, जब उनके एपस्टीन के निजी द्वीप से जुड़े आरोप सामने आए। एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम जुड़ चुका है। एपस्टीन के एक ईमेल में पीएम मोदी के इजरायल दौरे का जिक्र है। जैसे ही एपस्टीन फाइल्स में पीएम मोदी का जिक्र आया भारत सरकार ने सफाई दी।

संक्षिप्त खबरें

फरार वारंटी के विरुद्ध इश्तिहार का तमिला, गांव में ढोल-माइकिंग से किया गया प्रचार

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग सदर थाना कांड संख्या 901/15 के फरार वारंटी कयूम अंसारी पिता स्वर्गीय अशर्फी मियां साकिन बधियाजगाड़ थाना बरही जिला हजारीबाग के विरुद्ध माननीय न्यायालय हजारीबाग से प्राप्त इश्तिहार का तमिला किया गया। पुलिस द्वारा वारंटी के आवास पर इश्तिहार चस्पा किया गया। साथ ही गांव के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ढोल बजाकर एवं माइकिंग के माध्यम से इश्तिहार का सार्वजनिक रूप से प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान आसपास के ग्रामीणों को वारंटी के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर पुलिस को तत्काल सूचित करने का अनुरोध किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है और वारंटी की गिरफ्तारी के लिए आगे भी सघन प्रयास जारी रहेंगे।

नारायणपुर में माझी-परगना की मासिक बैठक आज

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- माझी परगना सरदार महासभा की मासिक बैठक आज मंगलवार को नारायणपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में संगठन को मजबूत करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विमर्श किया जाएगा। इस दौरान पेसा (PESA) सदस्यों को नियमावली से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। महासभा के प्रखंड अध्यक्ष सज्जन मुर्मू और सचिव संजीत हेम्ब्रम ने बताया कि राज्य में पैसा नियमावली लागू होने के बावजूद कई महत्वपूर्ण तथ्यों को इसमें शामिल नहीं किया गया है। इसी विषय पर भी बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मरम्मत कार्य के कारण कुछ देर बाधित रही बिजली

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर के जंगलपुर स्थित विद्युत सब स्टेशन के आरई-4 क्षेत्र में सिकरपोसनी से मोहनपुर तक मेंटेनेंस कार्य होने के कारण सोमवार को कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। मेंटेनेंस के दौरान जर्जर तारों को बदला गया तथा अन्य आवश्यक तकनीकी सुधार कार्य भी किए गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, गर्मी के मौसम से पहले आवश्यक मरम्मत और तैयारी की जा रही है ताकि आगे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। बताते चलें कि इससे पूर्व भी जंगलपुर सब स्टेशन में मरम्मत कार्य किया गया था और जहाँ आवश्यकता है, वहाँ लगातार सुधार कार्य जारी है। इसमें तारों के प्रतिस्थापन से लेकर डिश समेत अन्य उपकरणों की जाँच शामिल है। उधर, नारायणपुर के भगाबांध में निर्मित पावर ग्रिड तैयार हो चुका है, जिसके शुभारंभ का इंतजार है। पावर ग्रिड के चालू होने से नारायणपुर प्रखंड के लोगों को स्थिर और बेहतर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलने की उम्मीद है।

श्रमिक के मौत पर मिला 12 लाख रुपए का चेक

प्रतापगढ़। जनपद चुरु राजस्थान में 6 नवंबर 2023 को मेजर्स बीबीसी ईट भट्ठा उद्योग पर झोकवार के रूप में भट्टे पर आग लगाते हुए मजदूर स्व.रज्जन निवासी कॉडर खुर्द पोस्ट संग्रह तहसील कुंडा जनपद प्रतापगढ़ झुलस गए थे और उससे उनकी मृत्यु हो गई थी। जिन्हें कर्मचारी प्रतिकार आयुक्त एवं सहायक श्रम आयुक्त ने क्षतिपूर्ति के रूप में वसूल की गई धनराशि बारह लाख बासठ हजार दो सौ चौहत्तर रुपए के भुगतान का चेक मृतक स्वर्गीय रज्जन की पत्नी श्रीमती माधुरी देवी को किया गया।उनके बच्चों ऋषि कुमार और खुशी देवी को निर्गत किया गया। जिसमें से आदि धनराशि एफडी एवं एमआईएस के रूप में और बाकी रेखांकित चेक के माध्यम से भुगतान किया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रांतीय सचिव श्रमिक नेता हेमंत नंदन ओझा उपस्थित रहे। चेक प्राप्त करने के उपरांत मृतक की पत्नी माधुरी देवी ने सहायक श्रम आयुक्त श्री सुविज्ञ सिंह एवं श्रमिक नेता हेमंत नंदन ओझा के प्रयासों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हजारीबाग में एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई, 38.80 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग जिले के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने लगभग 38.80 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 09 फरवरी 2026 को आसूचना संकलन के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिमरा रेस्ट हाउस के समीप पेट्रोल पंप के पीछे ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, हजारीबाग अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल में पुलिस उपाधीक्षक (परिक्ष्यमान) श्री प्रशांत कुमार भी मौजूद रहे। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापामारी की। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तलाशी के क्रम में उसके पास से 38.80 ग्राम ब्राउन शुगर एवं 10,100 रुपये नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ में बताया कि वह ईचाक क्षेत्र से ब्राउन शुगर खरीदकर लाता था और फिर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर पुड़िया बनाकर 300 से 500 रुपये में बेचता था। इस संबंध में सदर (बड़ा बाजार) थाना कांड संख्या 46/26, दिनांक 09.02.2026 को धारा 21(बी)/22(बी)/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। अभियुक्त को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि इस कांड में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर सत्यापन के बाद उनके विरुद्ध भी अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार अभियुक्त में मो एजाज, उम्र लगभग 30 वर्ष, पिता मो उस्मान, पता यासिन गली, खिरगांव, थाना सदर (बड़ा बाजार), हजारीबाग शामिल है। इनका अपराधिक इतिहास सदर (बड़ा बाजार) थाना कांड संख्या 367/16 है। वहीं जब्त सामग्री में ब्राउन शुगरः 38.80 ग्राम, नकद राशि 10,100 रुपये शामिल है। छापामारी दल में अमित आनंद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग, प्रशांत कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (परिक्ष्यमान) हजारीबाग, पुअनि पंकज कुमार, ओपी प्रभारी बड़ा बाजार, पुअनि गौतम उराव, बड़ा बाजार, थाना शस्त्र बल शामिल रहे।

निजी भवन में चल रहा दुबहड़ थाना, सरकारी भूमि पर नए थाना भवन के निर्माण के निर्देश

बलिया के मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) त्रिभुवन ने जिलाधिकारी के निर्देश पर दुबहड़ थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि थाना वर्तमान में एक निजी भवन में संचालित हो रहा है। सीआरओ ने इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए सरकारी भूमि पर नया थाना भवन निर्माण कर उसे शीघ्र स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ग्राम दुबहड़ में भूमि चिन्हित कर ली गई है और शासन से भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीआरओ ने शासन स्तर पर तेजी से पैरवी कर नवीन थाना भवन निर्माण को गति देने के निर्देश दिए। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने पर भी जोर दिया। अपराध नियंत्रण को लेकर उन्होंने रजिस्टर नंबर-8 (अपराध रजिस्टर) की गहन समीक्षा कर गुंडा, गैंगस्टर व अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष को अराजक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा भूमाफिया व अपराधियों को जेल भेजने को कहा गया।

बरही अनुमंडल में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित, अपराध नियंत्रण व सामुदायिक पुलिसिंग पर दिया गया जोर

●बरही एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों के साथ की मामलों की समीक्षा, जनता से मित्रवत व्यवहार के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार बिमल ने की। इस अवसर पर अनुमंडल अंतर्गत सभी थानों के प्रभारियों के साथ संज्ञेय एवं असंज्ञेय मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। गोष्ठी के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार बिमल ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, नियमित गश्ती, अपराध नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक पुलिसिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता से पुलिस का व्यवहार मित्रवत, सहयोगात्मक और संवेदनशील होना चाहिए, ताकि लोग बिना किसी भय के अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रख सकें। साथ ही उन्होंने महिला एवं बच्चों से जुड़े मामलों में त्वरित और गंभीर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मौके पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, बरकठ्ठा थाना प्रभारी पंकज सिंदुरिया, महिला थाना प्रभारी किरण कच्छप, पदमा थाना प्रभारी संचित दुबे समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 की ऐतिहासिक सफलता पर हजारीबाग यूथ विंग ने सांसद मनीष जायसवाल को दी बधाई

●सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह उत्सव सामाजिक सेवा, संवेदनशीलता और समरसता की अद्भुत मिसाल है : चंद्र प्रकाश जैन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के तत्वावधान में रामगढ़ जिले के सिद्धू-कान्हू मैदान में आयोजित सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 की ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सफलता पर हजारीबाग यूथ विंग की ओर से सांसद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन सहित पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस आयोजन को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए आशा और सम्मान का प्रतीक बताया। मुख्य रूप से संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित यह सामूहिक विवाह उत्सव सामाजिक समरसता, सेवा और संवेदनशील नेतृत्व की अद्भुत मिसाल है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक नया जीवन आरंभ करने का अवसर देना इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। चंद्र प्रकाश जैन ने बताया कि लगातार तीसरी बार इतने भव्य और सुव्यवस्थित सामूहिक विवाह समारोह का सफल आयोजन किया जाना सांसद मनीष जायसवाल की सामाजिक प्रतिबद्धता और दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की व्यवस्थाएं, अनुशासन और जनभागीदारी इसे ऐतिहासिक बनाती हैं। इस सामूहिक विवाह उत्सव के अंतर्गत कुल 101 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ अग्नि को साक्षी मानकर विवाह बंधन में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की। नवदंपत्तियों को घर-गृहस्थी की आवश्यक सामग्रियों के साथ-साथ रोजगार के उद्देश्य से टुक-टुक वाहन भी प्रदान किए गए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और सम्मानजनक जीवन जी सकें। कार्यक्रम की एक विशेष और संवेदनशील झलक यह रही कि इसमें दिव्यांग और दृष्टिबाधित दंपतियों ने भी विवाह किया। ऐसे कई जोड़े शामिल रहे जो शारीरिक चुनौतियों के बावजूद इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक मुख्यधारा से जुड़ सके। यह पहल समाज में समानता और मानवीय करुणा का सशक्त संदेश देती है। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कोने-कोने से लाखों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। जनसैलाब की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि यह आयोजन केवल विवाह समारोह नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सहयोग और जनभागीदारी का एक विशाल उत्सव बन चुका है। हजारीबाग यूथ विंग ने विश्वास व्यक्त किया कि सांसद मनीष जायसवाल भविष्य में भी इसी तरह जनकल्याणकारी और समाज को जोड़ने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे और यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस कार्यक्रम में हजारीबाग यूथ विंग की ओर से संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन, अध्यक्ष करण जायसवाल, सचिव रितेश खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष विकास तिवारी,सह सचिव अभिषेक पांडे, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, संस्था मार्दर्शक संजय कुमार, डॉक्टर बी वेंकटेश, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, सेजल सिंह, प्रज्ञा कुमारी, उदित तिवारी, चंदन सिंह एवं प्रिंस कसेरा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी को जल सहिया संघ ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- झारखंड राज्य जल सहिया संघ, महेशपुर एवं पाकुड़िया प्रखंड कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक मांग पत्र सौंपा। विधायक को सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया कि झारखंड राज्य में वर्षों से पेयजल व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली जल सहियाओं के साथ विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार उपेक्षा, लापरवाही एवं अन्याय किया जा रहा है। सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों को जमीनी स्तर पर लागू नहीं किए जाने के कारण राज्य भर की जल सहियाएं आर्थिक, मानसिक एवं सामाजिक संकट से गुजर रही हैं। यह सर्वविदित है कि लंबे संघर्ष के बाद सरकार द्वारा जल सहियाओं के कई माह के लंबित मानदेय भुगतान हेतु राज्य के सभी जिलों में राशि आवंटित की गई थी। परंतु कार्यपालक अभियंताओं एवं संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही, उदासीनता एवं मनमानी के कारण कुछ जिलों में मात्र 50 प्रतिशत तथा कुछ में 30 प्रतिशत राशि का ही भुगतान किया गया। मार्च क्लोजिंग का बहाना बनाते हुए शेष राशि राज्य को वापस कर दी गई। अप्रैल 2024 से दो वर्ष बीत जाने के बावजूद उक्त राशि का पुनः आवंटन अब तक नहीं किया गया है। विभाग द्वारा यह कहकर भुगतान टाला जा रहा है कि राज्य से राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस प्रशासनिक विफलता के कारण हजारों जल सहियाएं महीनों से बिना मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि के कार्य करने को मजबूर हैं। जल सहिया अत्यंत गरीब महिला श्रमिक होती हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और भी दयनीय होती जा रही है।

जल सहियाओं की प्रमुख मांगों में सबसे पहले यह शामिल है कि उन्हें महंगाई के अनुरूप न्यूनतम मजदूरी के समकक्ष मानदेय तुरंत लागू किया जाए। इसके साथ ही वे मांग करती हैं कि उन्हें 20 लाख रुपये की जीवन बीमा राशि का लाभ प्रदान किया जाए तथा कार्य के दौरान या आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उनके आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर सरकारी नौकरी या समुचित आर्थिक सहायता देने की स्पष्ट और बाध्यकारी नीति बनाई जाए। जल सहियाओं का यह भी कहना है कि शहरी क्षेत्रों में कार्यरत सहियाओं को नगर निगम या नगर परिषद में समायोजित किया जाए और जल जीवन मिशन में उनकी अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वे यह भी आग्रह करती हैं कि मुखिया द्वारा बिना लिखित कारण बताए जल सहियाओं को मनमाने ढंग से हटाए जाने की प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए और इस संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए जाएं।

उनकी एक अन्य मांग यह है कि जल सहियाओं को स्थायी नीति और नियोजन प्रक्रिया के अंतर्गत समायोजित किया जाए तथा कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक मोबाइल रिचार्ज भत्ता अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, जिन जिलों में मानदेय और प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने हेतु आवंटित धनराशि को मार्च क्लोजिंग का हवाला देकर राज्य को वापस कर दिया गया है, उस राशि को तुरंत पुनः आवंटित किया जाए और लंबित भुगतान का पूरा निपटारा कराया जाए। साथ ही, इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अंत में, प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि पाकुड़ के कार्यपालक अभियंता द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत वर्षों पूर्व निर्मित व्यक्तिगत शौचालयों–जिनका जियो-टैगिंग और तकनीकी स्वीकृति कार्य पूरा हो चुका है–का भुगतान अब तक लंबित है, इसलिए इसका भुगतान अविलंब कराया जाए। विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने आश्वासन दिया कि विधानसभा के आगामी सत्र/बजट सत्र में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव अथवा स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से सभी प्रमुख मांगों को वे विधानसभा के पटल पर उठाएंगे। मौके पर सुनीता देवी, नूरजहां खातून, रीना देवी, एलिज़ाबेथ मुर्मू, अनीता सोरेन, शरीफ़ा खातून, तुहिना खातून, ताहिरा बीबी, जीना देवी सहित अन्य जल सहियाएँ उपस्थित थीं।

कोयली गांव में सनातन हिंदू सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

●बरही मंडल में व्यापक स्तर पर आयोजन की बनाई गई रणनीति, घर-घर संपर्क अभियान पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- रसोईया धमना क्षेत्र अंतर्गत बरही मंडल में प्रस्तावित सनातन हिंदू सम्मेलन की व्यापक तैयारी को लेकर रविवार की संध्या को बेंदगी पंचायत के कोयली गांव स्थित निर्माणाधीन बजरंगबली मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नितेश कुमार की योजना के अनुरूप 21 हिंदू समाज के लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुई। वक्ताओं ने संघे शक्ति कलियुगे की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में संगठन के माध्यम से ही समाज को सशक्त किया जा सकता है। सेवाभावी समाजबंधु त्रिवेणी साव ने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान कृष्ण ने अर्जुन को अपना विशाल दिव्य स्वरूप दिखाकर धर्मयुद्ध का बोध कराया था, उसी तरह आज के समय में हिंदुत्व के स्वरूप को समाज के सामने प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, जिसे यह सम्मेलन पूरा करेगा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सम्मेलन की सफलता के लिए सभी हिंदू परिवारों महिला-पुरुष, युवक-युवतियों के साथ घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए वयस्क वर्ग का नेतृत्व मनोज कुमार को तथा युवा शक्ति का नेतृत्व आनंद कुमार को सौंपा गया। सम्मेलन के कोषाध्यक्ष नितेश कुमार ने अपने ओजपूर्ण विचार रखते हुए सभी उपस्थितजनों का आह्वान किया कि वे एकजुट होकर सम्मेलन को सफल बनाएं। अंत में उनके द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया

सजेती पुलिस ने 19 क्वार्टर शराब के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर नगर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण गिरफ्तारी हुई,अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था कानपुर कमिश्नरेट द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित , वारंटी, अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहें विशेष अभियान के तहत् पुलिस उपायुक्त दक्षिण जोन अपर पुलिस उपायुक्त जोन दक्षिण कमिश्नरेट कानपुर नगर के कुशल निर्देशन व सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर के कुशल पर्वेक्षण में दिनांक 8/2/2026को थाना सजेती पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति मुखबिर खास की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गौशाला चौराहे के पास ग्राम लहुरीमऊ , चौकी क्षेत्र निवेली थाना सजेती पुलिस ने एक अभियुक्त राहुल वर्मा पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी ग्राम सिसदैया पोस्ट सिसिया थाना बरखेडा जिला पीलीभीत उम्र करीब 21 वर्ष को 19 क्वार्टर देशी शराब नाजायज मस्ती व्राड के साथ गिरफ्तार किया गया ,,बरामद शुदा आधार पर, अभियुक्त राहुल वर्मा पर थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या 37/2026 धारा 60आबकारी अधिनियम पंजीकर कर विधिक कार्रवाई की गई, गिरफ्तारी टीम,, थाना प्रभारी निरीक्षक सजेती अनुज कुमार भारती,,चौकी प्रभारी निवेली? उप निरीक्षक अनुराग सिंह ,, कांस्टेबल रोहित चौधरी कांस्टेबिल लाखन सिंह आदि लोग शामिल रहे।

बरही में पहली बार बिजनेस कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन, उद्यमियों को मिला मार्गदर्शन

●श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने डिजिटाइजेशन, निवेश और व्यवसाय विस्तार पर रखे विचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- नगर भवन बरही में पहली बार बिजनेस कॉन्क्लेव का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों, व्यापारियों और युवाओं को व्यवसाय की आधुनिक अवधारणाओं से जोड़ना, उन्हें नए अवसरों के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटाइजेशन और निवेश के माध्यम से व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना रहा। कॉन्क्लेव का माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण रहा, जिसमें बरही और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारी, युवा उद्यमी और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय व्यापारिक समुदाय में खासा उत्साह देखने को मिला, क्योंकि यह पहली बार था जब बरही जैसे क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ व्यवसायी संघ अध्यक्ष कपिल केसरी सहित उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य कैलाश कुमार व संचालन अमरजीत कुमार पांडेय ने किया। उद्घाटन के दौरान वक्ताओं ने इस आयोजन को बरही के व्यापारिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पुस्तक ब्रोकन प्रॉमिसेस के लेखक एवं भाजपा झारखंड के प्रवक्ता मृत्युंजय शर्मा, बिजनेस कंसल्टेंट एवं मल्टीपल बिजनेस ओनर पंकज सोनी, झारखंड सोलर सर्विस के हेड सह रिलायंस फैशन वर्ल्ड के प्रमुख आशीष कुमार, चार्टर्ड एकाउंटेंट अभिषेक कुमार तथा बिजनेस एडवाइजर रंजीत चंद्रवंशी बतौर मुख्य वक्ता मौजूद रहे। अतिथियों को शॉल व मोमेंटो प्रदान कर स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता मृत्युंजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में व्यवसाय केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र निर्माण का भी मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नवाचार, ईमानदारी और दीर्घकालिक सोच के साथ व्यवसाय में कदम रखें। बिजनेस कंसल्टेंट पंकज सोनी ने व्यवसाय प्रबंधन, ब्रांडिंग और नेटवर्किंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सही रणनीति और निरंतर प्रयास से छोटे व्यवसाय भी बड़े स्तर पर स्थापित हो सकते हैं। झारखंड सोलर सर्विस के हेड आशीष कुमार ने सोलर ऊर्जा और रिन्यूएबल सेक्टर में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय हरित

ऊर्जा का है और सोलर जैसे क्षेत्रों में निवेश कर व्यवसायी न केवल मुनाफा कमा सकते हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। चार्टर्ड एकाउंटेंट अभिषेक कुमार ने टैक्स प्लानिंग, लेखा-जोखा और वित्तीय अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत फाइनेंशियल मैनेजमेंट के बिना कोई भी व्यवसाय स्थिर और दीर्घकालिक रूप से सफल नहीं बन सकता। वहीं बिजनेस एडवाइजर रंजीत चंद्रवंशी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन मार्केटिंग और ई-कॉमर्स की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में व्यापार को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ना बेहद जरूरी हो गया है। कार्यक्रम में व्यवसायी संघ अध्यक्ष कपिल केसरी ने अपने संबोधन में कहा कि बरही क्षेत्र के व्यापारियों और युवाओं के लिए यह कॉन्क्लेव एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि बरही में पहली बार इस प्रकार का बिजनेस कॉन्क्लेव आयोजित होना गर्व की बात है। ऐसे आयोजन स्थानीय उद्यमियों को आगे बढ़ने, नई तकनीक अपनाने और बड़े बाजार से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे बरही के व्यापारिक विकास को नई गति मिलेगी और युवा स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि बरही के व्यापारी प्रतिभाशाली हैं, जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन और प्लेटफॉर्म देने की, ताकि वे अपने व्यवसाय को राज्य और देश स्तर तक ले जा सकें। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सह व्यवसायी भरत यादव की भी विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को स्थानीय व्यापारियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि व्यवसाय को सही दिशा देना, सोच को विस्तार देना और डिजिटाइजेशन की ओर कदम बढ़ाना ही इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य है। उपस्थित उद्यमियों ने भी इस आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की। बरही में आयोजित यह पहला बिजनेस कॉन्क्लेव निश्चित रूप से स्थानीय व्यापारिक विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। कॉन्क्लेव में व्यवसायी भरत यादव, मनोज केशरी, उमेश ठाकुर, नंदकिशोर कुमार, पिंटू केशरी, धर्मपाल केशरी, सरयू साव, प्रदीप चंद्रवंशी, गौतम केशरी, टुनटुन कुमार, प्रशांत मधेशिया, दिवाकर कुमार सिंह, बलराम केशरी, निरंजन केशरी, चुन्नू केशरी, दीपू कुमार, धर्मेंद्र कुमार, प्रभात कुमार, विकास कुमार, रवि केशरी, टिंकू गुप्ता, सुदेश कुमार, बंटी गुप्ता, गोविंद केशरी, सन्नी कुमार, बंटी केशरी, राहुल गुप्ता, बसंत सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यवसायी एवं उद्यमी उपस्थित थे।

बिधनू थाना क्षेत्र के शम्भुआ में चारागाह भूमि पर अवैध खनन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर नगर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र की ग्राम पंचायत शम्भुआ में सरकारी चारागाह भूमि पर अवैध खनन और कब्जे का मामला सामने आया है, ग्रामीणों ने लेखपाल और एक स्थानीय व्यक्ति पर मिली भगत का आरोप लगाया है,,यह मामला शम्भुआ के मौजा एकधरा स्थिति गाटा संख्या 2499और 2400 से संबंधित है जो सरकारी अभिलेखों में चारागाह और रास्ते के रूप में दर्ज़ हैं, शिकायत कर्ताओं के अनुसार, अवैध खनन माफियाओं ने इस भूमि से लगभग चार फीट तक मिट्टी निकालीं है, जिससे समतल भूमि गहरे गड्ढों में बदल गई है,आऱोप है कि आरोपी ने केवल मिट्टी बेचीं, बल्कि अब उस सरकारी भूमि पर कब्जा कर गेहूं की फसल भी बो दी है, इससे बेसहारा पशुओं के लिए निर्धारित चारागाह समाप्त हो गया है,इस संबंध में स्थानीय लेखपाल संतोष कुमार का कहना है कि उनकी तैनाती शम्भुआ में करीब एक साल से हैं और यह खनन उनके कार्यकाल में नहीं हुआ, ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान और लेखपाल की जानकारी और मिलीभगत के बिना इतना बड़ा अवैध खनन संभव नहीं है, कानपुर नगर के जिला अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर तहसीलदार को जांच के निर्देश दिए हैं, उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी,सदर तहसीलदार विनय कुमार ने भी पुष्टि की है कि यदि चारागाह पर अवैध खनन हुआ है तों इस मामले की जांच पड़ताल कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी , ग्रामीणों ने बताया कि मिलीभगत ग्राम प्रधान व लेखपाल,व भूमाफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

संक्षिप्त खबरें

शिविर लगा कर ग्रामीणों को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर- विकास खंड भनवापुर के ग्राम पंचायत गोपिया में सोमवार को आरोह फाउंडेशन के तरफ से वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। मानव संसाधन महिला विकास संस्थान सिद्धार्थनगर से ब्लॉक कोड़िनेटर ह्रदय सिंह, भनवापुर असिस्टेंट फाइनेंसियल काऊंसलर सहज़ाद अहमद के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समूह की विभिन्न योजनाओं के बारे मे बताया गया तथा, असिस्टेंट फाइनेंसियल काऊंसलर सहज़ाद अहमद ने बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय एंव सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना,जनधन योजना,अटल पेंशन योजना, मुख्यमंत्री युवा उदयमी, सुकन्या समृद्धि योजना एवं बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। सहज़ाद अहमद ने बताया कि वित्तीय जागरूकता बहुत जरूरी है बैंक की जो भी कल्याणकारी बैंकिंग योजनाएं हैं इसका जरूर लाभ प्राप्त करें तथा धोखाधड़ी होने पर जरूरी टोल फ्री नंबर 1930, एवं 155260 का प्रयोग करने की जानकारी दी। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक सिकटा के शाखा प्रबंधक अमरनाथ निषाद ,मिशन शक्ति त्रिलोकपुर थाना उप निरिक्षक कृष्णा कुमार पाण्डेय, तालीमुद्दीन खान ,महिला कांस्टेबल प्रीती तिवारी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सीआईएसएफ इकाई द्वारा छह दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग कोर्स का शुभारंभ

शक्तिनगर /सोनभद्र-उत्तर प्रदेश के शक्तिनगर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) इकाई द्वारा छह दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग कोर्स का उद्घाटन समारोह सोमवार को प्रातः लगभग 07:45 बजे एसएसटीपीएस शक्तिनगर इकाई के अंबेडकर भवन में आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ इकाई प्रभारी विवेक आर्या, कमांडेंट CISF शक्तिनगर, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से जुड़े लक्ष्मी चंद (घोरावल) संजीव, डीजीएम एनटीपीसी शक्तिनगर द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर अधिकारियों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन एवं अनुशासित जीवनशैली में आर्ट ऑफ लिविंग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बल सदस्यों के मानसिक संतुलन, कार्यक्षमता और सकारात्मक सोच को सुदृढ़ करने में सहायक होते हैं। इस छह दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग कोर्स में ओबरा, अनपरा, रिहंद, विंध्यनगर, दिबियापुर, पनकी, टांडा, पिपरी, घाटमपुर, ऊंचाहार, एनसीएल सिंगरौली सहित विभिन्न CISF इकाइयों से आए कुल 135 बल सदस्यों ने भाग लिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन से बल सदस्यों में उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार देखा गया।

रास्ता रोककर मारपीट, चार नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के नेहरू नगर चौकी अंतर्गत सिद्धंनपुरा इलाके में रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिसनारी में सीमेंट वाली गली में रहने वाले राजीव यादव पुत्र रामसरकार यादव ने बताया कि बीती 7 फरवरी 2026 की रात करीब 9.30 बजे अपनी बहन को लेने सिद्धंनपुरा नेहरू नगर आया था। इसी दौरान अशंश यादव, शिवम यादव, अंशुल यादव और विजय विश्वकर्मा ने उसका रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित के साथ मारपीट की, जिससे उसके चेहरे और आंख में चोटें आई। पीड़ित के अनुसार, मारपीट के बाद सभी आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी और अगले दिन 8 फरवरी 2026 को कोतवाली थाने में लिखित तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) के तहत अभियोग पंजीकृत किया है।

बलिया जिला अस्पताल में अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का आरोप, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सीएमएस को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिला चिकित्सालय में व्याप्त कथित दुर्व्यवस्था, भ्रष्टाचार और मरीजों के शोषण को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम वर्मा के नेतृत्व में सोमवार को लोगों ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की गई। प्रेम वर्मा ने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल में शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं आम जनता को नहीं मिल पा रही हैं। डॉक्टरों द्वारा ओपीडी के समय निजी प्रैक्टिस किए जाने से मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि कई डॉक्टर अपने निजी आवासों पर 300 से 400 रुपये लेकर मरीज देखते हैं, जिससे वे समय पर ओपीडी में उपस्थित नहीं होते। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि ऑपरेशन के नाम पर उपकरणों और सुविधाओं की कमी बताकर मरीजों से निजी आवासों या मेडिकल स्टोरों पर भारी रकम जमा कराई जाती है। कई मामलों में मरीजों को सरकारी अस्पताल से निजी अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए भेजा जाता है और बाद में पुनः जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि डॉक्टर कमीशन वाली बाहरी दवाएं लिखते हैं। विशेषकर रात्रि में आपातकालीन वार्ड में पहुंचने वाले मरीजों को 500 से 2000 रुपये तक की बाहरी दवाएं लिख दी जाती हैं। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि आपातकालीन वार्ड में 24 घंटे कम से कम दो डॉक्टर और तीन फार्मासिस्ट तैनात किए जाएं तथा ईसीजी और हार्ट अटैक से संबंधित आवश्यक मशीनें हर समय उपलब्ध रहें। इसके साथ ही आपातकालीन वार्ड में निजी मेडिकल स्टोर और जांच केंद्र संचालकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही ओपीडी में बाहरी दवाएं, जांच और एक्स-रे लिखने पर रोक, डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध, ओपीडी और ओटी ड्यूटी की समय-सारणी सार्वजनिक करने, अस्पताल में ऑपरेशन से संबंधित सभी उपकरण उपलब्ध कराने और ट्रॉमा सेंटर के सुचारू संचालन की मांग की गई। इसके अतिरिक्त गंभीर मरीजों के लिए आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु 24×7 निशुल्क हेल्पलाइन नंबर शुरू करने की भी मांग की गई। प्रेम वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो सभी सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर जिला अस्पताल परिसर में आमरण अनशन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सीएमएस की होगी।

कांग्रेस ने मनरेगा बहाली, मतदाता सूची जांच की मांग की

● 20 किमी पदयात्रा का ऐलान, जिलाध्यक्ष ने दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में ब्लॉक अध्यक्षों, जिला कमेटी के पदाधिकारियों और विधानसभा/ब्लॉक प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा मतदाता सूची में कथित छेड़छाड़, मनरेगा योजना को कमजोर करने का मुद्दा, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और आगामी आंदोलनों की रणनीति तय करना रहा। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची से छेड़छाड़ लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है, जिसे कांग्रेस सफल नहीं होने देगी। राणा ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान' के तहत निकाली जा रही जन-जागरण पदयात्रा को गरीबों, ग्रामीणों, मजदूरों और किसानों के अधिकारों की आवाज बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करना है। यह पदयात्रा केवल रोजगार की मांग नहीं, बल्कि सम्मान, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प है।

जिलाध्यक्ष ने पार्टी कार्यक्रमों में लगातार अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन में पद के साथ जिम्मेदारी भी आती है। बैठक में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' पर भी विस्तृत चर्चा हुई और पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर सुल्तानपुर में 20 किलोमीटर की जन-जागरण पदयात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 6-6 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी। यह पदयात्रा 13 फरवरी को सदर (जयसिंहपुर), कादीपुर और सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्रों में होगी, जबकि 14 फरवरी को इसौली और लंभुआ विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी। इस मौके पर उपाध्यक्ष अपरबल सिंह,आवेश अहमद, ममनून आलम, विजय पाल, ओम प्रकाश त्रिपाठी चौटाला, अरुण त्रिपाठी, इश्तियाक अहमद, विभु पांडे, नंदलाल मोर्य, चंद्रभान सिंह, देवेंद्र पांडे, हाजी इरफान, प्रदीप सिंह जनेश्वर उपाध्याय राजदेव पाल मनीष तिवारी इंद्रकेश शर्मा आदि पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

ओडीएफ गांवों में शौचालय वितरण पर सीडीओ सख्त

● एडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि, दो बीडीओ को कारण बताओ नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर – मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने जयसिंहपुर ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई की है। एक एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि दो खंड विकास अधिकारियों और दो अकाउंटेंट के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने एडीओ पंचायत जयसिंहपुर रामजी लाल से पंचायतों में संचालित योजनाओं की जानकारी मांगी। एडीओ रामजी लाल किसी भी योजना और ओडीएफ घोषित ग्राम पंचायतों की संख्या के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सीडीओ ने उनके विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि जिन ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया जा चुका है, वहां दोबारा शौचालयों का आवंटन किया गया है। इस पर सीडीओ ने निर्देश दिए कि ओडीएफ घोषित पंचायतों में शौचालय आवंटन से पहले ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी और पंचायत सहायक द्वारा पात्रता की विधिवत जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए, ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सके।अभिलेखों एवं योजनाओं की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर तत्कालीन खंड विकास अधिकारी निशा तिवारी और वर्तमान खंड विकास अधिकारी एसएन चतुर्वेदी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दोनों अधिकारियों से उनकी कार्यप्रणाली और अभिलेखीय अनियमितताओं के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। ग्रांट-1 सहित अन्य वित्तीय अभिलेखों की जांच में खामियां मिलने पर तत्कालीन अकाउंटेंट राजकुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वर्तमान अकाउंटेंट बालू सिंह को भी नोटिस दिया गया है, क्योंकि ग्रांट रजिस्टर का पंजीकरण और संधारण नियमानुसार नहीं पाया गया, साथ ही संबंधित पत्रावलियां भी पूर्ण रूप से संलग्न नहीं थीं। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि राज्य वित्त, केंद्रीय वित्त, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी विकास योजनाओं से जुड़ी पत्रावलियों का संधारण नियमों के अनुरूप किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिवेन्द्र के बाद फॉर्च्यूनर की टक्कर से घायल अनुज यादव की भी मौत

● गिरफ्तारी व आर्थिक सहायता की मांग पर अड़े रहे ग्रामीण

सड़क हादसे से गूंजी सियासत, चक्काजाम में सपा-कांग्रेस का मिला समर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने अब पूरी तरह राजनीतिक तूफान का रूप ले लिया है। हादसे में शिवेंद्र की मौके पर मौत और घायल अनुज की झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया। सोमवार को परिजनों और ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि हादसे में शामिल फॉर्च्यूनर वाहन एक नामजद पर ठोस कार्यवाही नहीं की गयी।

राजनीतिक दलों की एंट्री, सरकार पर सीधा हमला

प्रदर्शन की खबर मिलते ही समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष नैपाल सिंह यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष सपा ज्योति सिंह लोधी, सपा नेत्री गीता मिश्रा, विजय यादव, इंजी.ह्देश यादव मुखिया, शत्रुघन यादव, पूजा यादव बुंदेलखंडी, नरेन्द्र सिंह राजपूत, प्रमोद यादव इमलिया, कांग्रेस नेता मोन्टी शुक्ला, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकित यादव, भीम आर्मी के जिला प्रभारी हरपाल सिंह व जिलाध्यक्ष रमाकांत चौधरी समेत कई राजनेता मौके पर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। नेताओं ने इसे सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सत्ता के संरक्षण में हुआ अपराध बताया। सपा नेताओं ने कहा कि यदि आरोपी किसी आम परिवार से होता तो अब तक गिरफ्तारी हो चुकी होती, लेकिन प्रभावशाली लोग होने के कारण सही कार्यवाही नहीं हो पायी। कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था केवल कागजों में है, जमीनी हकीकत में प्रभावशाली लोगों को खुली छूट मिली हुई है।

डीएम-एसपी ने प्रदर्शनकारियों को समझाया

बरखेरा में प्रदर्शन कर रहे लोगों की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक, एएसपी कालू सिंह, एडीएम अंकुर श्रीवास्तव, एसडीएम सदर मनीष विश्वकर्मा, सीओ सिटी सुनील कुमार मौके पर पहुंच गये। यहां डीएम सत्य प्रकाश ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से कहा कि प्रशासनिक स्तर से मृतक के परिजनों को जो भी मदद संभव है की जा रही है। कहा कि दोनों मृतकों को तत्काल 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मुहैया करायी जा रही है। वहीं एसपी मो.मुश्ताक ने कहा कि घटना के बाद पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की गयी है। इसमें धाराओं के अनुसार जो भी कार्यवाही है, वह की जा रही है। डीएम-एसपी ने लोगों से आह्वान किया कि वह इस प्रकार प्रदर्शन न करें, ताकि दूसरे लोगों को भी परेशानियां न हों।

इनका कहना है

सड़क दुर्घटना में पहले एक युवक की दुखद मृत्यु हुयी थी, जिसके बाद उपचाररत एक और युवक की मृत्यु हो गयी, जिससे मृतक के परिजनों में रोष व्यक्त किया गया था। परिजनों की मांग जो थी, उस पर कार्य किया गया। मृतक के परिजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा और हर संभव मदद की जायेगी। सत्य प्रकाश, जिलाधिकारी ललितपुर

इनका कहना है

थाना जाखलौन क्षेत्र में विगत दिनों एक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति की उसी समय मौत हो गयी थी। दूसरे घायल की कल रात मृत्यु हो गयी थी। उसी को लेकर परिजनों द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया था। इस पर उन्होंने डीएम के साथ परिजनों से वार्ता करके उनको समझाया गया, उसके बाद परिजनों ने शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गये। यातायात सुचारू है और कानून व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई परेशानी नहीं है। मो.मुश्ताक, पुलिस अधीक्षक, ललितपुर

संकुल स्तरीय गणित प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विद्या भारती की योजना के अंतर्गत संकुल स्तरीय गणित प्रशिक्षण वर्ग (कक्षा 11 एवं 12) का आयोजन सुबह 8 से अपराह्न 4 बजे तक सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में किया गया। संस्था अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह ने शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाने की जरूरत बताई। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भी दो दिवसीय आचार्य वर्ग संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक आनंद समरया, अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष ओमदत्त गुप्ता बतौर अतिथि मौजूद रहे। विद्यालय के गणित प्रवक्ता संजीव मिश्रा, हिंदी प्रवक्ता राजेंद्र द्विवेदी तथा संकुल से आए हुए सभी आचार्यो ने प्रशिक्षण वर्ग में सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रो. वीरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षु शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को शिक्षण प्रदान करने से संबंधित अपने अनुभवों के माध्यम से मार्गदर्शन किया तथा शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाने पर बल दिया। ओमदत्त गुप्ता एवं संजीव मिश्रा द्वारा शिक्षकों को गणित विषय से संबंधित कौशल विकास एवं प्रभावी शिक्षण विधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वहीं सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में जालौन संकुल से माध्यमिक वर्ग के आचार्यो ने प्रतिभाग किया। अभ्यास वर्ग चार सत्रों में हुआ जिसमें विद्यालय के गणित आचार्य मनीष अग्रवाल, श्याम शरण ने अपने अपने सत्र लिए और गणित विषय में किस प्रकार छात्र छात्राओं को तैयारी कराएं आदि पर चर्चा हुई। संकुल के छह आचार्यो ने प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रबंधक नरसिंह गहरवार, ब्रजबलभ सिंह, प्रधानाचार्या आभा तिवारी आदि मौजूद रहे।

मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप, पति-पत्नी घायल

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के रावतयाना मोहल्ले में गाली-गलौज के विरोध पर पड़ोसी दम्पती द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है। पीड़िता मोहल्ला रावतयाना निवासी श्रीसा पत्नी राजपाल ने आरोप लगाया कि उनके पति घर के बाहर बैठे थे, तभी मोहल्ले में रहने वाले आरोपी ने अभद्र गालियां देनी शुरू कर दीं। मना करने पर आरोपी और उसकी पत्नी ने मिलकर लात-घूंसे व डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर पीड़िता बीच-बचाव में आई तो उसके साथ भी मारपीट की गई, जिससे दंपती को चोटें आई। पीड़िता के अनुसार, उसके पति के दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। तहरीर में यह भी आरोप है कि आरोपियों ने झूठे मुकदमे में फंसाने और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी, जिससे परिवार दहशत में है। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में बीएनएस 352, 115(2) और 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

अतिक्रमण के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई, बुल्डोजर चलता देख महिलाओं ने ईओ से धक्का मुक्की की कोशिश की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर के गांधीनगर इलाके में सोमवार की दोपहर नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राजस्व विभाग और पुलिस टीम के साथ मिलकर पालिका की जमीन पर बने अस्थायी मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। बताया गया है कि ये मकान लगभग 40 वर्षों से अवैध रूप से कब्जा कर बनाए गए थे। कार्रवाई के दौरान गुस्साई महिलाओं ने ईओ से धक्का मुक्की करते हुए उनका दुपट्टा तक खींचने की कोशिश कर डाली, लेकिन मौके पर मौजूद एक सफाई कर्मचारी ने किसी तरह महिला को वहां से हटाया।

पूरा मामला नगर पालिका क्षेत्र के गांधी नगर इलाके में सिंह वाहिनी मंदिर के सामने का है। सोमवार की दोपहर करीब एक बजे नगर पालिका की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और परती भूमि पर बने तीन अस्थायी मकानों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान कई परिवारों का घरेलू सामान मलबे में दब गया, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान बस्ती की महिलाओं ने इसका कड़ा विरोध किया। अपने घरों को गिरते देख कई महिलाएं आक्रोशित हो गई और मौके पर मौजूद अधिकारियों से बहस करने लगीं। पुलिस ने कब्जाधारियों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों के अनुसार, इन अतिक्रमणकारियों को पूर्व में कई बार नोटिस और चेतावनी दी जा चुकी थी, लेकिन उन्होंने कब्जा नहीं हटाया। कुछ महिलाओं ने अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव के साथ धक्का-मुक्की करने और उनके कपड़े खींचने का भी प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और महिलाओं को समझाकर शांत कराया। ईओ मोनिका उमराव ने बताया कि वहां रह रहे परिवारों को 15 दिन पहले नोटिस दी गई थी। इसके बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया। सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराना आवश्यक था और यह कार्रवाई नियमानुसार की गई है। इस दौरान प्रभारी एसडीएम वीरेंद्र गुप्ता, सीओ परमेश्वर प्रसाद, कोतवाली प्रभारी ब्रजेश बहादुर सिंह, अतिरिक्त निरीक्षक लल्लूराम, एसआई अशोक वर्मा, आरआई सुनील यादव, लिपिक शहजाद सहित राजस्व व पुलिस विभाग की टीमें मौजूद रहीं।

बदहाली के आंसू रोता अंबेडकर स्टेडियम, क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतज़ार है?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा (सोनभद्र)- कभी पूर्वांचल के गौरव और रणजी ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित मैचों का गवाह रहा अंबेडकर स्टेडियम आज अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। 1975 में स्थापित यह खेल परिसर आज प्रशासनिक उपेक्षा की जीती-जागती मिसाल बन चुका है। स्टेडियम की सबसे भयावह स्थिति इसकी दर्शक दीर्घा (गैलरी) की है। सीमेंटेड सीढ़ियां और बैठने के स्थान जगह-जगह से टूट चुके हैं। सरिए बाहर निकल आए हैं और कंक्रीट का साथ छोड़ते पत्थर दर्शकों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। खेल के दौरान जब भारी भीड़ इन जर्जर स्टैंड्स पर बैठती है, तो संरचनात्मक कमजोरी के कारण किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घट सकती है। स्टेडियम की बाउंड्री वॉल और प्रवेश द्वारों की स्थिति भी दयनीय है। नाले से सटे हिस्से में सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। पूर्व में दीवार गिरने जैसी घटनाएं हो चुकी हैं, फिर भी विभाग ने इससे कोई सबक नहीं लिया है। मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक वाले स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए बुनियादी सुविधाएं न होना शर्मनाक है। लंबे समय से रखरखाव के अभाव में शौचालय बंद पड़े हैं। खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए स्वच्छ पेयजल की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नियमित अभ्यास करने वाले युवा खिलाड़ियों का मनोबल टूट रहा है।

हैरानी की बात यह है कि स्टेडियम के रखरखाव के नाम पर प्रतिवर्ष सरकारी बजट आवंटित किया जाता है। प्रश्न यह उठता है कि यदि पैसा स्वीकृत हो रहा है, तो वह ज़मीन पर क्यों नहीं दिख रहा? खेल आयोजनों के समय अधिकारी फोटो खिंचवाने तक सीमित रहते हैं, लेकिन आयोजन खत्म होते ही स्टेडियम को फिर से उसके भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। अंबेडकर स्टेडियम ओबरा केवल एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं की उम्मीद है।प्रशासन को चाहिए कि विशेषज्ञों की टीम से स्टेडियम की स्ट्रक्चरल ऑडिट कराई जाए। जर्जर दीर्घा और बाउंड्री वॉल का तत्काल पुनर्निर्माण हो।शौचालय और पेयजल की व्यवस्था 24 घंटे सुनिश्चित की जाए। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो सोनभद्र अपनी एक ऐतिहासिक खेल धरोहर को हमेशा के लिए खो देगा।

आरटीई ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल की तकनीकी खामियों से गरीब बच्चों का प्रवेश अटका, सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी ने उठाई आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश -शिक्षा का अधिकार (RTE) के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए संचालित ऑनलाइन पोर्टल में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी ने बेसिक शिक्षा विभाग पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को शिकायती पत्र भेजकर तत्काल समाधान की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के दौरान गंभीर तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं, जिससे गरीब और पात्र वर्ग के बच्चों के प्रवेश में समस्या उत्पन्न हो रही है। कई अभिभावकों को आवेदन पूरा करने और सत्यापन कराने में परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई क्षेत्रों में निजी विद्यालयों के विकल्प पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे,आवेदन में गलती होने पर संशोधन (Correction/Edit) का विकल्प उपलब्ध नहीं है,ब्लॉक स्तर पर आवेदन सत्यापन में तकनीकी बाधाएं आ रही हैं।कई खंड शिक्षा अधिकारियों (BEO) के लॉगिन पोर्टल पर मोबाइल नंबर और ईमेल से जुड़ी तकनीकी गड़बड़ी सामने आ रही है। जिसके क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी ने कहा कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाएगी जिससे गरीब एवं पात्र बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। पोर्टल पर आवेदन लंबित रहने और सत्यापन न होने के कारण अभिभावकों को बार-बार बेसिक शिक्षा विभाग और ब्लॉक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे आर्थिक, मानसिक और समय की हानि हो रही है। कई अभिभावक दैनिक मजदूरी या निजी कार्य करने वाले हैं, जिनकी आय भी प्रभावित हो रही है।पोर्टल की तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए,आवेदन संशोधन (Correction) का विकल्प उपलब्ध कराया जाए,ब्लॉक स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया को सुचारु किया जाए,आवश्यकता पड़ने पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने पर विचार किया जाए।सेवा संकल्प के सामाजिक कार्यकर्ता राकेश केशरी का कहना है कि ऋञ्ञश्च अधिनियम का उद्देश्य कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना है, लेकिन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण यह योजना पात्र परिवारों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध पार्किंग व अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित प्रवर्तनात्मक कार्रवाई हो - पुलिस उपायुक्त ट्रेफिक

कानपुर। आज दिनांक 09.02.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा यातायात संचालन की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया गया तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । उन्होंने बड़ा चौराहा, परेड चौराहा, चुन्नीगंज चौराहा, का निरीक्षण किया। निरीक्षण के प्रमुख बिंदु प्रमुख चौराहों पर बढ़ते यातायात दबाव, वाहनों की अनियंत्रित एवं अवैध पार्किंग तथा जाम की स्थिति का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया । इस दौरान संबंधित यातायात अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीक आवर्स के समय अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए तथा अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी प्रवर्तनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए । अस्पताल मार्गों पर विशेष ध्यान देते हुए एम्बुलेंस एवं अन्य आपातकालीन वाहनों की निर्बाध एवं सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके ।

क्रियाकर्म घर में मिला वहां के सफाई कर्मी का शव

कानपुर। आज कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना बजरिया क्षेत्रान्तर्गत चौकी पी रोड स्थित क्रियाकर्म घर (रामबाग) में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुँचा। मौके पर जानकारी करने पर पाया गया कि शव कैलाश गौतम, उम्र लगभग 58 वर्ष का है, जो उक्त क्रियाकर्म घर में साफ-सफाई का कार्य करता था तथा वहीं निवास करता था। मृतक के परिजन भी मौके पर उपस्थित हो गए थे। फील्ड यूनिट को घटनास्थल पर बुलाकर निरीक्षण कराया गया। मृतक के शव को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। घटना के संबंध में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

सिद्धार्थनगर । महाशिवरात्रि , होली व रमजान पर्व में कोई खलल न पड़ने पाए इसके लिए पुलिस ने कवायद तेज कर दी है। सोमवार को त्रिलोकपुर थाना परिसर में थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय की अध्यक्षता में हुई पीस कमेटी की बैठक में थाना क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों से शांति सुरक्षा के मसले पर पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। इस दौरान थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय ने आगामी पर्व को आपसी प्रेम व भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।उन्होंने कहा कि गंगा जमुनी तहजीब बना कर कार्य करें। इससे समाज में अच्छा सन्देश जाता हैं। इसके साथ ही लोगों से किसी भी प्रकार के समस्या और कानून को हाथ में लेने वाले लोगों व अन्य अराजकतत्वों के खिलाफ सूचना देने के लिए अपील की। इस मौके पर चौकी इंचार्ज बिस्कोहर अमित कुमार शाही, चौकी बिजोरा जय प्रकाश , उपनिरीक्षक शिवाकांत राय, गणेश कुमार, विजय कुमार, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विशेश्वर प्रसाद, तालीमुनदीन खां, दिनेश चंद्र मिश्र, एहतेशन अहमद, इंद्रजीत सिंह, सागर जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर त्रिपाठी, पूर्व प्रधान शत्रुहन मिश्रा ,हाफिज इरफान, शहनाज, मोहम्मद अकरम, अल्ताफ, विनोद गिरी, भोला पांडेय, पवन गिरी, संतोष ,मोती राम ,बाबू लाल, लाल जी, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

'ठाकुर' हूं होश ठिकाने लगा दूंगी, महिला बैंक अधिकारी की अभद्रता का वीडियो वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पनकी क्षेत्र स्थित एचडीएफसी बैंक की एक शाखा से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में बैंक के अंदर महिला कर्मचारी और एक महिला खाताधारक के बीच तीखी बहस दिखाई दे रही है। आरोप है कि खाताधारक की शिकायत पर बैंक कर्मी ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और खुद को 'ठाकुर' बताते हुए धमकी दी। घटना के बाद बैंक कर्मियों के व्यवहार और ग्राहक सेवा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला खाताधारक काउंटर के सामने खड़ी है और बैंक कर्मचारी से किसी समस्या को लेकर

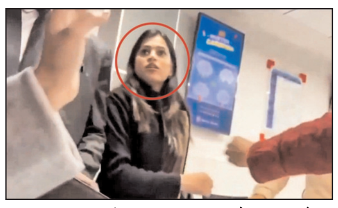

बात कर रही है। बातचीत के दौरान माहौल अचानक गर्म हो जाता है. आरोप है कि महिला बैंक कर्मी खुद को ठाकुर बताते हुए दबदबा दिखाने की कोशिश करती है और खाताधारक को धमकाती है। इसी दौरान वह मेज पर रखे कागज उठाकर महिला की ओर फेंकने का प्रयास भी करती दिखाई देती है। घटना के समय वहां मौजूद अन्य बैंक कर्मचारी स्थिति को संभालने की कोशिश करते हैं। वीडियो में एक अन्य महिला कर्मचारी बीच-बचाव करते हुए नजर आती है, जो विवाद को शांत कराने का प्रयास करती है। हालांकि, कथित रूप से नाराज बैंक कर्मी रुकने का नाम नहीं लेती और लगातार ऊंचे स्वर में बात करती रहती है। वीडियो में वह महिला खाताधारक से यह कहते हुए भी सुनी जाती है कि यह बात अपने पति से जाकर करो। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं. कई यूजर्स ने बैंक कर्मी के व्यव पर सवाल उठाते हुए इसे ग्राहक के साथ दुर्व्यवहार बताया है। लोगों का कहना है कि बैंक जैसी संस्थाओं में ग्राहकों से शालीनता और धैर्य के साथ बात की जानी चाहिए, भले ही विवाद की स्थिति क्यों न हो।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मचा कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि मायके पक्ष द्वारा घटना को हत्या को लेकर भी आरोपित करते देखा गया। लालगंज कोतवाली के देल्हूपुर गांव निवासी धर्मेन्द्र यादव की पत्नी रीता 35 रविवार की रात कमरे के अंदर साड़ी का फंदा लगाकर झूल गयी। विवाहिता को फंदे पर झूलता देख परिजन आवाक रह गये। मृतका के ससुराल पक्ष द्वारा घटना को आत्महत्या बताया गया। इधर मृतका के मायके पक्ष ने दहेज को लेकर इसे हत्या करार दिया है। मृतका का पति धर्मेन्द्र कारोबारी के सिलसिले में बाहर रहता है। वहीं विवाहिता की मौत से सात वर्षीय दीप्ति के सिर से मां का साया भी उठ गया। सूचना मिलने पर रानीगंज कैथौला चौकी प्रभारी विवेक यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजवाया। घटना के बाबत प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच की जा रही है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में सब्बल व ईंट से कुचल कर पति ने की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कर्रही गांव में साहबलाल नाम के व्यक्ति ने अपनी पत्नी की सब्बल व ईंट से कुचल कर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतका के हत्यारे पति को गिरफ्तार कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि दिनांक 09.02.2026 को लगभग 10:30 बजे यूपी-112 के माध्यम से थाना बर्रा को सूचना प्राप्त हुई कि बर्रा थाना क्षेत्र अन्तर्गत कर्रही गांव में एक मकान के अंदर एक महिला की हत्या हो गई है। सूचना पर तत्काल प्रभारी निरीक्षक बर्रा, उनकी टीम, फोरेंसिक टीम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि मृतका के पति द्वारा किसी ठोस वस्तु एवं ईंट से सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या की गई है। महिला का शव घर के अंदर ही पड़ा हुआ मिला।

घटनास्थल से सभी आवश्यक वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए हैं तथा मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के दो बच्चे हैं, जो बाहर नौकरी करते हैं और घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होते ही अभियोग पंजीकृत किया जाएगा। इस प्रकरण में अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रथम दृष्टया हत्या का कारण घरेलू विवाद बताया जा रहा है। अन्य तथ्यों की विस्तृत जांच की जा रही है।

सिविवि ने एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (सत्र 2025-26) की राजनीति शास्त्र, संस्कृत, उर्दू, प्राचीन इतिहास-पुरातत्व एवं संस्कृति तथा लोक प्रशासन विषयों की परीक्षा का परिणाम किया घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह के आदेशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संचालित एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (सत्र 2025-26) की राजनीति शास्त्र, संस्कृत, उर्दू, प्राचीन इतिहास-पुरातत्व एवं संस्कृति तथा लोक प्रशासन विषयों की परीक्षा का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा परिणाम महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन

भरे गए परीक्षा फार्म के आधार पर जारी किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनी है। विद्यार्थियों के लिए परीक्षा परिणाम की महत्ता का उल्लेख करते हुए दीनानाथ यादव ने बताया कि परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों के शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण आधार है, जिससे उनके शैक्षिक प्रगति और भविष्य की शैक्षणिक योजना का निर्धारण होता है। समयबद्ध परिणाम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उच्च अध्ययन की दिशा स्पष्ट होती है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को समय पर एवं पारदर्शी परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। उक्त जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष की हुंकार, बोले- 'शिक्षा और स्वास्थ्य पर फेल सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल सोमवार को कानपुर पहुंचे। वे यहां समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के निजी निवास पर उनके पुत्र और पुत्रवधू को आशीर्वाद देने के लिए आए थे। दोपहर करीब 1:30 बजे हुए इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। एसआईआर और वोटर लिस्ट पर सरकार को घेरा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की मंशा एसआईआर के जरिए एनआरसी कराने की थी, लेकिन समाजवादी कार्यकर्ताओं ने इसे समझकर भारी संख्या में गणना प्रपत्र भरकर जमा किए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सपा कार्यकर्ताओं ने प्रपत्र भरे, तो भाजपा की फर्जी वोटिंग (जो एक व्यक्ति द्वारा कई जगह की गई थी) का खुलासा हो गया। इससे घबराकर भाजपा अब बेईमानी पर उतर आई है और

एसआईआर की तारीखें बढ़ा रही है।

इलाहाबाद की घटना का जिक्र हालिया घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इलाहाबाद के मऊआइमा क्षेत्र में प्रशासन द्वारा फॉर्म नंबर-7 प्रिंट कराकर सुपरवाइजर के माध्यम से बाजार में भेजा गया। जब समाजवादी कार्यकर्ता इसकी शिकायत लेकर एसडीएम के पास पहुंचे, तो एसडीएम कार्यालय छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि यह सरकार शोषित, वंचित और पीड़ित लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाना चाहती है, जो बाबा साहेब के लोकतंत्र की मूल भावना की हत्या है। 'चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है' श्यामलाल पाल ने निर्वाचन आयोग पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इन धांधलियों की तमाम शिकायतें चुनाव आयोग से की गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अब संविधान और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी हमारी है। 2027 और पीडीए की रणनीति आगामी चुनावों पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश से नफरत फैलाने वाली सरकार की विदाई तय है। यूपी ही देश के संविधान को बचाने का रास्ता तय करेगा। उन्होंने कहा कि जनता का गठबंधन ही सबसे बड़ा गठबंधन है, जो संविधान, लोकतंत्र और पीडीए के आरक्षण को बचाने के लिए है।

फीस के नाम पर बच्चों का प्रवेश पत्र रोकने वाले जाएंगे जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा 2026 को नकलविहीन व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर शिव सहाय अवस्थी ने सोमवार को जीआईसी के प्रांगण मे जोनल मजिस्ट्रेट सेक्टर मजिस्ट्रेट स्टैटिक मजिस्ट्रेट केंद्र व्यवस्थापक वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होगी और 12 मार्च 26 तक संचालित होगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी जिसमें प्रथम पाली सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 से 5:15 बजे तक सम्पन्न होगी। जनपद मे 166 परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिसमें 11 राजकीय विद्यालय 69 अशासकीय सहायता प्राप्त तथा 86

वित्तविहीन विद्यालय सम्मिलित है। हाईस्कूल में 52 हजार 300 एवं इण्टर मीडिएट में 50 हजार 683 छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे। जिलाधिकारी

शिव सहाय अवस्थी ने केन्द्र व्यवस्थापक प्रधानाचार्य प्रबंधक को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति मे परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र फीस के कारण रोका नहीं जाएगा,यदि कहीं से यह शिकायत प्राप्त होती है कि फीस के नाम पर बच्चों का प्रवेश पत्र रोका गया है या परेशान किया जा रहा है तो संबंधित विद्यालय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सचल दल को निर्देशित डुकिया कि सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण करें। किसी भी परीक्षार्थी को अनावश्यक रूप से बेवजह परेशान न किया जाए।परीक्षा कक्ष मे तैनात कर्मी बार बार कक्ष मे आवागमन न करें।बैठक में एएसपी बृजनंदन रॉय ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी।इस दौरान एडीएम आदित्य प्रजापति प्रधानाचार्य कुलश्रेष्ठ तिवारी कुंडा एसडीएम वाचस्पति सिंह आदि उपस्थित रहे।

जूनियर हाईस्कूल के गेट में आग लगाई, फिर चोर ले गए सामान

घाटमपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पतारा कस्बे में स्थित कन्या जूनियर हाईस्कूल में बीतीं देर रात चोरी की घटना सामने आई है,, अज्ञात चोरों ने स्कूल का गेट नहीं खोल पाए, तो उसे आग लगा कर जला दिया, और हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए, आज सोमवार को सुबह प्रधानाचार्या बंदना के पहुंचने पर घटना का पता चला,, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी, स्कूल की प्रधानाचार्या बंदना ने पतारा चौकी में दी गई तहरीर में बताया कि चोरों ने प्रधानाचार्या कक्ष का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन चोर असफल रहे, बाद में चोरों ने कमरे के गेट को आग के हवाले कर दिया,गेट जलने के बाद चोर अंदर दाखिल हुए, और वहां से दो गैस सिलेंडर बीस किलो शक्कर, नमकीन,चाय पत्ती, और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा ले गए, घटना की सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी निरीक्षक ललित शर्मा मौके पर पहुंचे, और प्रधानाचार्या बंदना से जानकारी जुटाई,और जल्द ही कारवाई का आश्वासन दिया है, घाटमपुर थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह विष्ट ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

एनएफआईटीयू ने 12 फरवरी की आम हड़ताल में शामिल होने से किया इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आगामी 12 फरवरी को प्रस्तावित आम हड़तालपूर्ण रूप से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। इसीलिए एन एफ आई टी यू और उससे सम्बद्ध श्रमिक संगठन इसमें कदापि शामिल नहीं होंगे। नेशनल फ्रंट ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (एन एफ आई टी यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार जायसवाल ने इस बारे में घोषणा करते हुए कहा कि 12 फरवरी 2026 को कुछ राजनैतिक श्रमिक संगठनों द्वारा प्रस्तावित आम हड़ताल प्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। उन्होंने बताया कि एन एफ आई टी यू भारत सरकार से मान्यता प्राप्त, ग्लोबल कॉरिलेशन फॉर सोशल जस्टिस का सदस्य तथा एक गैर-राजनीतिक केंद्रीय श्रमिक संगठन है। जो कि संगठन श्रमिकों के वास्तविक हितों, औद्योगिक शांति, सामाजिक सुरक्षा तथा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार जायसवाल ने बताया कि इसीलिए एन एफ आई टी यू से सम्बद्ध क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय श्रमिक संगठन इस हड़ताल में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंधमें देश भर में सभी संबद्ध यूनियनों, औ?द्योगिक फेडरेशनों तथा राज्य एवं जिला इकाइयों को

अपने सदस्यों को नियमित रूप से कार्यस्थलों पर उपस्थित रहते हुए हरताल में भाग न लेने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार जायसवाल ने यह भी कहा कि एन एफ आई टी यू का स्पष्ट मत है कि इस प्रकार की हडतालों से श्रमिकों को कार्यदिवसों की हानि, वेतन पर प्रतिकूल प्रभाव तथा औद्योगिक गतिविधियों में बाधा का सामना करना पड़ता है; साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था, औ?द्योगिक उत्पादन, सार्वजनिक सेवाओं और समग्र राष्ट्रीय हितों को भी गंभीर नुकसान पहुँचता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह भी कहा कि संगठन का दृढ विश्वास है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है, और श्रमिकों के दीर्घकालिक हित भी तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब औ?द्योगिक प्रगति, रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

लैम्बोर्गिनी हो या छोटी कार कानून सबके लिए बराबर है, पक्षपात नहीं होगा - पुलिस आयुक्त

● कानपुर में बाइक सवार को टक्कर मारने वाली लैम्बोर्गिनी कार के चालक की पहचान शिवम् मिश्रा के नाम से हुई, जो कि एक बड़े तंबाकू कारोबारी के.के. मिश्रा का बेटा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कल कानपुर के ग्वालटोली थाना क्षेत्र में रेव थ्री माल के पास एक लैम्बोर्गिनी कार द्वारा एक बाईक सवार के टक्कर मार देने से बाइक सवार घायल हो गया था जिसमें अब एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उस लैम्बोर्गिनी कार का चालक शिवम् मिश्रा था। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने कहा है कि कानून सबके लिए बराबर है इसलिए चाहे लैम्बोर्गिनी वाला हो या छोटी कार वाला कार्रवाई जरुर होगी, विवेचना जारी है। शिवम मिश्रा कानपुर के बड़े तंबाकू कारोबारी के.के. मिश्रा का बेटा है और लोगों द्वारा पुलिस पर पक्षपात के आरोप लगाए जा रहे थे। पुलिस आयुक्त रघुवीर

लाल ने बताया कि दिनांक 8.02.2026 को थाना ग्वालटोली क्षेत्रान्तर्गत हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। यह दुर्घटना लैम्बोर्गिनी कार से हुई है। उक्त वाहन ने खड़ी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल वाहन के नीचे आ गई।

मोटरसाइकिल तौफीक नामक व्यक्ति की थी, दुर्घटना में तौफीक को हाथ और पैर में चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था, उपचार के बाद उन्हें जाने दिया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित द्वारा थाने आकर प्रार्थना-पत्र दिया गया, जिसके आधार पर एफआईआर पंजीकृत कर ली गई है। प्रारंभ में चालक का नाम ज्ञात न होने के कारण वाहन के विवरण के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। वाहन को सीज कर दिया गया है।

प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि वाहन को शिवम मिश्रा पुत्र के.के. मिश्रा चला रहा था। दुर्घटना के बाद वाहन में मौजूद दो बाउंसरों द्वारा चालक को वाहन से बाहर निकाला गया। यह बताया गया कि चालक को कोई मेडिकल इश्यू था, जिसके चलते उसे भी प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। अब चालक की पहचान स्पष्ट हो चुकी है, इसलिए उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। वाहन पुलिस अभिरक्षा में है और विवेचक द्वारा सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। कानून सबके लिए समान है । किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया जाएगा और दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी ने तथ्य छिपाने या गुमराह करने का प्रयास किया है, तो उस संबंध में भी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया धरना/ प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- जिले के कलेक्ट्रेट प्रांगण में सोमवार को उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ के लोगों ने जिलाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा की अगुवाई में धरना प्रदर्शन किया, उन्होंने धरना /प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि उपजिलाधिकारी द्वारा एफआईआर दर्ज करा दिया गया। उसके बाद गिरफ्तार नहीं किया गया और उसका रिवॉल्व लाइसेंसी है जिससे अमीन सुभाष को मारने के लिए धमकी भी दे रहा है और गिरफ्तार नहीं हो रहा है। इसलिए हम लोगों धरना दे रहे हैं। अगर हमारी मांगे नहीं मानी जाती है तो हमारे प्रांतीय अध्यक्ष सर्वेश शर्मा द्वारा वार्ता किया गया है। उनके द्वारा कहा गया

अगर दो-तीन दिन के अंदर गिरफ्तार नहीं किया जाता है और उसका लाइसेंस निरस्त नहीं होगा तो हमारे पूरे प्रदेश के राजस्व संग्रह अमीन संघ धरना /प्रदर्शन के लिए बाध्य होगें। अभी तक किसी अधिकारी द्धारा संघ से बात नही किया गया। उन्होंने ने कहा कि पूर्व में पत्र जारी किया गया था। दो दिन पहले तहसील द्वारा पत्र जारी हुआ था। वह भी बीत गया और दो दिन के बाद फिर पत्र जारी किया गया। पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी और एसपी को इस मामले की जानकारी दी गई हैं लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई । इस मौके पर महेश्वर प्रसाद मिश्र ,शिवात्मा प्रसाद, हरेन्द्र कुमार, रमेश चन्द्र ,विश्व कुमार मिश्र आदि लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में एवं अपर जिलाधिकारी आदित्य कुमार प्रजापति, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय व प्रशिक्षु आईपीएस श्री मोहम्मद आफताब आलम एवं अन्य राजपत्रित अधिकारियों की उपस्थिति में आगामी बोर्ड परीक्षाओं को सकुशल, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों पर सतर्क निगरानी, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की पहचान तथा आवश्यक समन्वय बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

दुर्घटना में घायल मासूम की इलाज के दौरान मौत, नाराज परिजनों ने किया हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में घायल मासूम की इलाज के दौरान मौत को लेकर परिजनों ने सोमवार को गांव से लेकर नेशनल हाइवे पर जमकर हंगामा काटा। पुलिस के काफी अनुनय विनय व समझाने बुझाने के बाद दोपहर शव पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया जा सका। लालगंज कोतवाली के भदारी कला के चांदीपुर गांव निवासी धर्मेश सरोज का पुत्र देव सरोज तेरह जनवरी की शाम अपने घर के सामने खेल रहा था। इसी बीच बगल के पूरे कलंदर निवासी बलवंत वर्मा पुत्र संतलाल वर्मा बाइक से उसे टक्कर मार दिया। दुर्घटना में देव को गंभीर चोटें आ

गयी। लालगंज ट्रामा सेंटर में प्रारंभिक उपचार के बाद उसे प्रयागराज रेफर कर दिया गया। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस भी दर्ज कर रखा है। रविवार की रात इलाज के दौरान देव की सांसे थम गयीं। मासूम की मौत की जानकारी पर परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। परिजन शव लेकर गांव चले आये। सोमवार की सुबह परिजन आरोपी की गिरफ्तारी न होने को लेकर आक्रोशित हो उठे। नाराज परिजन ग्रामीणों के साथ गांव से मासूम का शव लेकर नेशनल हाइवे प्रतापगढ़-लालगंज पर आ धमके। ग्रामीणों ने हाइवे पर जाम लगा दिया। इससे नेशनल हाइवे पर दोनों तरफ यायायात बाधित हो उठा। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नाराज ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। करीब डेढ़ घण्टे तक पुलिस नाराज परिजनों से अनुनय विनय करती रही। आरोपी की गिरफ्तारी के आश्वासन पर परिजन संतुष्ट हुए। इसके बाद भी ग्रामीणों के साथ परिजन मासूम के शव को पैदल ही लेकर कोतवाली पहुंचे। यहां शव का पुलिस ने पंचनामा कराकर पीएम के लिए भेजवाया।

संक्षिप्त खबरें

सिद्धार्थनगर बोलेरो ई रिक्शा में टक्कर, एक की मौत, दो महिला सहित तीन घायल

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा थाना क्षेत्र के ग्राम घोपलापुर के पास सोमवार की दोपहर एक तेज रफ्तार बोलेरो ने सामने से आ रहे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक ई-रिक्शा चालक की पहचान कठेला समय माता थाना क्षेत्र के ग्राम गुरौवाजोत निवासी दिलसाद पुत्र इसरार के रूप में हुई है। दिलसाद अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसकी मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे।

बताया जाता हैं की बोलेरो तेज गति में थी और चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ई-रिक्शा में सवार दो घायल महिलाओं की पहचान खानकोट निवासी सुशीला (40) और बलरामपुर जनपद के मधवानगर निवासी उर्मिला (35) के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर बताई है।हादसे में बोलेरो चालक जय प्रकाश (50) भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बोलेरो में चालक सहित कुल पांच लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद बोलेरो में सवार चार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह का कहना है कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजादिया गया हैं और मामले की जांच की जा रही हैं।

सीडीओ ने ब्लाक बेलखरनाथधाम का किया निरीक्षण, शिकायत निस्तारण और साफ-सफाई का दिया निर्देश

विकास योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाए-सीडीओ

प्रतापगढ़। मु य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने आज बाबा बेलखरनाथधाम विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्रम एवं रोजगार संतोष कुमार सिंह तथा खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र बहादुर सिंह अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ उपस्थित रहे। निरीक्षण में मु य विकास अधिकारी ने कार्यालय परिसर की नियमित साफ-सफाई के निर्देश के साथ मनरेगा, आवास योजना और स्थापना पटल सहित सभी योजनाओं की पत्रावलियों का अवलोकन किया गया। उन्होंने खंड स्तर पर तैयार जन सूचना रजिस्टर, शिकायत रजिस्टर, डिस्पैच रजिस्टर, कैश बुक और ग्रांट रजिस्टर की भी जांच की और खंड विकास अधिकारी को सभी रजिस्टरों को शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार अद्यतन पूर्ण करने का निर्देश दिया। प्राप्त शिकायतों का तीन कार्य दिवसों के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और ग्राम में लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

जमीन पर अवैध कब्जा कर धमकाने का आरोप

ललितपुर। सौजना थाना क्षेत्र में भूमि पर अवैध कब्जे, मारपीट और जान से मारने की धमकी के गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। ग्राम सौजना निवासी बृजकिशोर पुत्र स्व.देवी प्रसाद की शिकायत पर थाना सौजना में शिकायत दर्ज की गई है। मामला बीएनएस की धाराओं ×29(×), 111(7), ×52 और ×51(×) के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है। बृजकिशोर के अनुसार सौजना-मड़ावरा मार्ग स्थित उनके ×0 बाई 40 वर्गफुट के आवासीय प्लॉट (खाता सं या 2427/5) पर 28 जुलाई 2025 को आरोपियों द्वारा संगठित रूप से बलपूर्वक बजरी व गिट्टी डालकर गैरकानूनी कब्जा कर लिया गया। ×0 जुलाई 2025 को जब पीड़ित ने कब्जा हटाने का विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि पहले की गई शिकायतों पर स्थानीय स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद न्यायालय की शरण ली गई। न्यायालय के आदेश पर थाना सौजना ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक 10 फरवरी को

प्रतापगढ़। जनपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक दिनांक 10 फरवरी 2026 को पूर्वान्ह 11 बजे सिंचाई खण्ड कार्यालय में की जायेगी। बैठक की अध्यक्षता अधिशासी अभियन्ता/सचिव सिंचाई बन्धु अरविन्द वर्मा द्वारा की जायेगी। बैठक में जनपद के जनप्रतिनिधिगण, जनपदीय अधिकारी एवं कृषकगण आमंत्रित है।

आदिवासी छात्रवास निर्माण में भू-माफिया बने बाधा, निर्माण कार्य रुकवाकर मजदूरों को दी धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। जिले के छतवई क्षेत्र में बन रहे आदिवासी बालक-बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य में भू-माफियाओं द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की मांग की गई है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायत के अनुसार, संदीपनी शा.उ.मा.वि. छतवई में दूर-दराज से आने वाले आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए मध्य प्रदेश शासन की आराजी खसरा नंबर 2019 पर छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि क्षेत्र के कुछ रसूखदार और अतिक्रमणकारी इस सरकारी जमीन को हड़पने की नीयत से निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं।

जातिसूचक गालियां और धमकी का आरोप

शिकायती पत्र में उल्लेख किया गया है कि बीती 25 जनवरी 2026 की सुबह लगभग 10-11 बजे कुछ चिन्हित व्यक्तियों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर मजदूरों को डराया-धमकाया। आरोप है कि इन लोगों ने अभद्र भाषा और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि वे यहाँ छात्रावास नहीं बनने देंगे। मजदूरों को काम छोड़ने पर मजबूर किया गया और उन्हें वहां से भगा दिया गया।

धर्म की आड़ में जमीन कब्जाने की कोशिश

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि ये लोग सरकारी जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से वहां भागवत, रामायण और रामलीला जैसे आयोजनों का बहाना बना रहे हैं। साथ ही, पास की अन्य सरकारी भूमि (खसरा नंबर 1980/1, 1979) पर भी अवैध तरीके से फेंसिंग कर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया गया है।

पुलिस से सुरक्षा और कार्यवाही की मांग

शिकायत में स्पष्ट किया गया है कि आरोपी पक्ष काफी धनवान और प्रभावशाली है, जो असामाजिक तत्वों का सहारा लेकर निर्माण कार्य रुकवा रहा है। इससे न केवल सरकारी कार्य में बाधा आ रही है, बल्कि भविष्य में किसी अप्रिय घटना की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों और संबंधित विभाग ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए ताकि छात्रवास का निर्माण सुचारू रूप से पूरा हो सके।

कोलंबो में आयोजित सेपक टकराव चैंपियनशिप में भारत का पांच स्वर्ण पदक जीतना अप्रत्याशितः पेरिका सुरेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। कोलंबोश्रीलंकामें आयोजित साउथ एशिया सेपक टकराव चैंपियनशिप में भारत के पुरुष एवं महिला सेपक टकराव खिलाड़ियों ने पांच स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया है।अभी हाल ही में टोक्यो में आयोजित एशियाई खेल 2026 के टेस्ट इवेंट में भारतीय पुरुष सेपक टकराव टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। भारतीय सेपक टकराव टीम की इस अप्रत्याशित जीत पर साउथ एशिया सेपक टकराव ऑर्गेनाइजेशन के प्रेसिडेंट एस.आर.प्रेम राज जी, सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट जी.श्रीनिवासलू,संयुक्त सचिव सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया पेरिका सुरेश एवं जनरल सेक्रेटरी नरेश कुमार ने समस्त खिलाड़ियों, कोच, मैनेजमेंट स्टाफ और सेपक टकराव फेडरेशन फैमिली के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जीत सेपक टकराव खेल को मजबूत पहचान देगा तथा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा एवं ऊर्जा का काम करेगा। संयुक्त सचिव पेरिका सुरेश ने कहा कि सेपक टकराव की प्रबंधन समिति के कुशल नेतृत्व में यह खेल तेजी से लोकप्रियता के नए-नए मुकाम प्राप्त कर रहा हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया खेलो के सपनों को साकार करते हुए भारत के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई हैं। भारत में यह खेल लोकप्रियता के नए- नए कीर्तिमान बनाएं तथा युवाओं के लिए खेल भावना के प्रसार का स्रोत बने, इसी कामना के साथ मैं इस जीत पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

तीस हजारी कोर्ट में वकील से मारपीट पर HC सख्त, सत्र न्यायाधीश से मांगी रिपोर्ट; पुलिस को दिए सुरक्षा के निर्देश

» हाई कोर्ट ने तीस हजारी सत्र न्यायाधीश से रिपोर्ट मांगी।

» पुलिस को संबंधित अधिवक्ता को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश।

» अदालत परिसर सुरक्षा पर चिंता, एसीपी जांच का आदेश।

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने तीस हजारी कोर्ट के अंदर एक वकील से मारपीट मामले में तीस हजारी कोर्ट के सत्र न्यायाधीश से रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। अदालत ने साथ ही मामले में जांच रिपोर्ट आने तक पुलिस को संबंधित अधिवक्ता को सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने संबंधित डीपीसी से पूछा कि अदालत परिसर में वकील को पीटा जाती है, आखिरी अदालत की सुरक्षा कैसे हो रही है। अदालत ने भी कहा कि मामले में की गई प्राथमिकी की जाए एक एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा डीसीपी की देखरेख में की जाएगी। यह मामला सोमवार को तब सामने आया जब वकील ने मामले को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सामने उल्लेख किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिवक्ता को हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश के समक्ष शिकायत करने को कहा था।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष खीरी उस्मानिया खातून के कार्यकाल को सराह रहे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

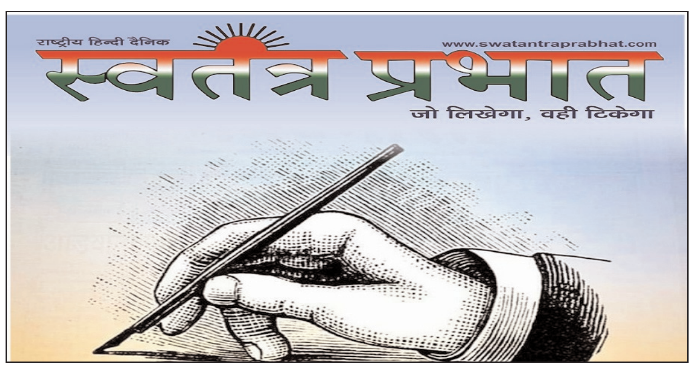

नगर पंचायत खीरी में यूँ तो बहुत से अध्यक्षो का कार्यकाल जनता ने देखा लेकिन वर्ष 2006 से लेकर 15 नवम्बर 2011 तक श्रीमती उस्मा पूर्व नगर पंचायतो खातून पत्नी श्री अफ़ज़ल अली गौरी के कार्यकाल को आज भी नगर पंचायत खीरी का ऐसा सुनहरा कार्यकाल कहा जाता है जिसकी लोग समय समय पर मिसालें देते रहते हैं। जी हाँ अपने निर्भीक और निष्पक्ष फैसलों के लिए चर्चित तत्कालीन अध्यक्ष उस्मानियाँ खातून का नाम कस्बावासी एक आयरन लेडी के रूप में लेते हुए उनके कई निष्पक्ष फैसलों और उनके कार्यकाल की बहुत सी विशेषताओं का बखान करते नहीं थकते हैं।

श्रीमती उस्मानियाँ खातून के कार्यकाल में अनगिनत विकास कार्य बिना किसी भेदभाव के हुए और अवैध अतिक्रमण तो किसी हालत में भी बरदाश्त ही नहीं किये गए। इस आयरन लेडी के कार्यकाल की एक ऐसी विशेषता रही जो किसी भी अध्यक्ष के कार्यकाल में नहीं रही। वो विशेषता ये थी कि पूरे पाँच वर्षों में किसी भी अवैध अतिक्रमणकारी को कभी नोटिस जारी नहीं किया गया बल्कि जहाँ भी जिसने भी अवैध अतिक्रमण किया तो खबर पाते ही चैयरपर्सन खुद नगर पंचायत अमले के साथ मौके पर पहुंचती थी और सारा अवैध अतिक्रमण साफ करवा देती। मोहल्ला शेखसराय, स्टेशन रोड और गन्ना रोड पर उनके कार्यकाल में असर और रसूख वाले लोगों द्वारा किये गए अवैध अतिक्रमणों को कड़ाई और निडरता से धराशाई कराना आजतक लोगों की जुबानों पर रहता है। किसी अवैध अतिक्रमणकारी को कभी लिखित नोटिस नहीं भेजे जाने की बात केवल हवा हवाई नहीं है बल्कि नगर पंचायत खीरी के डिस्पैच रजिस्टर को देखकर आज भी इस बात की पुष्टि की जा सकती है।

श्रीमती उस्मानियाँ खातून के कार्यकाल में भू माफियाओं को उनकी ऐसी औकात बता दी गई थी कि तत्कालीन ई ओ से आर्थिक सांठगांठ बना लेने के बाद भी किसी भू माफिया की हिम्मत नहीं हुई कि वह इस आयरन लेडी को दौलत का लालच देकर नगर के किसी भी तालाब की पटाई करके प्लाटिंग करने का साहस कर पाता। श्रीमती उस्मानियाँ खातून के कार्यकाल के खत्म होते ही कस्बे के कई तालाबों को भू माफिया निगल गए। कस्बे की जल निकासी और वर्षा ऋतु में जो पुराने तालाब वरदान साबित होते थे, एक एक करके सभी का वजूद खत्म कर दिया गया और आज उनपर इमारतें बनी दिख रही हैं और बहुत से तालाबो पर पटाई के बाद प्लाटिंग का काम जारी है। मिसाल के रूप में स्थानीय पुलिस चौकी के सामने का नज़ारा ही देख लिया जाए जहाँ अब करोड़ो की कीमत में प्लाटिंग की जा चुकी है और बहुत सी इमारतें बन चुकी हैं और कई भवन बन रहे हैं इसी स्थान पर वर्तमान में नगर पंचायत द्वारा निर्माणाधीन पार्क ज़बरदस्त विवादों के घेरे में है। मालूम हो कि क़स्बा वासी चश्मदीद हैं कि इस विशाल इलाके में एक विशाल प्राचीन तालाब हुआ करता था। श्रीमती उस्मानियाँ खातून के कार्यकाल मे ज़िला मुख्यालय के कुछ भू माफियाओं का एक अमला तालाब के पास आया और पटाई का काम शुरू किया तो खबर लगते ही अध्यक्ष उस्मानियाँ खातून और उनके पति अफ़ज़ल गौरी अपने चौपहिया वाहन से मौके पर पहुंचे और असलहों से लैस भू माफ़ियाओं पर एक शेरनी की तरह गरजने वाली उस्मानियाँ खातून और जनहित में किसी हद तके चले जाने के मामले में मशहूर उनके पति अफ़ज़ल गौरी ने चेतावनी देते हुए फौरन नज़र के सामने से दफा होने को कहा।

चश्मदीद बताते हैं कि उन माफियाओं की सिट्टी पिटटी गुम हो गई और सब के सब मिनटों में अपने साज़ो सामान सहित ऐसा गायब हो गए जैसे गधे के सर से सींघ। और उस्मानियाँ खातून के अध्यक्ष रहते उन माफियाओं ने कभी पलटकर कस्बे का रुख तक नहीं किया।

अगर नगर के विकास की बात की जाए तो जीता जागता उदाहरण विद्युत पावर हाउस मौजूद है जो इसी आयरन लेडी की कार्यकुशलता का प्रतीक है। बुद्धिजीवियों का आज भी मानना यही है कि इस पावर हाउस को जिस ज़मीन पर बनवाया गया था उस जमीन पर कुछ लोगों द्वारा पावर हाउस बनने नहीं दिया जा रहा था और ज़बरदस्त विवादों के कारण विद्युत विभाग ने अपने हाथ खड़े कर लिए थे लेकिन निर्भीख और निडर उस्मानियाँ खातून और उनके पति ने मौके पर मौजूद रहकर पूरी कड़ाई के साथ पावर हाउस का निर्माण कराया और आपत्ति का रोड़ा अटकाने वालों को मौके से रफ़ू चक्कर ही होना पड़ा। आज वही विद्युत पावर हाउस क़स्बा खीरी और आस पास के इलाके के लिये एक वरदान साबित हो रहा है।

उसूलों से कभी समझौता न करने वाली, बड़े से बड़े असरदार के रोब में नहीं आने वाली, फास्ट डिसीजन लेने वाली, अनुशासन के मामले में काफी सख्त, इस आयरन लेडी के कार्यकाल को आज भी खीरी टाउन के नागरिक याद करते हैं। यूँ तो नगर पंचायत खीरी की अध्यक्ष की कुर्सी पर समय समय पर बहुत से अध्यक्ष आए और चले गये, सभी ने अपने अपने कार्यकाल में क़स्बा खीरी की बेहतरी के काम अपने अपने तरीके से किये लेकिन जिस गरिमा के साथ उस्मानियाँ खातून ने यहाँ अध्यक्ष पद को सुशोभित किया है वो नगर पंचायत खीरी के इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में ऐसा दर्ज हो गया है कि नगर पंचायत खीरी का नाम आते ही जब नए पुराने सभी अध्यक्षों की चर्चा होती है तो पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर सय्यद अहसन रिज़वी के बाद अगर किसी अध्यक्ष का कार्यकाल याद किया जाता है तो वो कार्यकाल नगर पंचायत खीरी की पूर्व अध्यक्ष उस्मानियाँ खातून का ही कार्यकाल था।

यमुना खादर में अवैध निर्माण पर एनजीटी सख्त, एमसीडी-डीडीए समेत कई विभागों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। मजनू का टीला क्षेत्र में यमुना नदी के खादर क्षेत्र में अवैध निर्माण होने के खिलाफ एक स्थानीय नागरिक द्वारा भेजे गए पत्र का नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी ने माना कि पत्र में पर्यावरणीय मानदंडों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया गया है। एनजीटी ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम दिल्ली (एमसीडी), संबंधित जिला मजिस्ट्रेट, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को मामले में पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया। एनजीटी ने जिलाधिकारी को अवैध निर्माण करने वालों को विवरण देने के साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि क्या निर्माण यमुना खादर क्षेत्र में हुआ है। उक्त निर्देश के साथ मामले की सुनवाई 20 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सिलापथार में सौदों असम मटर श्रमिक फेडरेशन का प्रेस वार्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। सौदों असम मोटर वर्कर्स फेडरेशन ने रविवार शाम को सिलापथार में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। देश में मोटर वर्कर्स को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देश में मोटर वर्कर्स को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है असम सरकार ने पारित किया मटर श्रमिक कानून को शीघ्र प्रत्याहार करना। मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स प्रोटेक्शन एक्ट को तुरंत लागू करना, डेंजरस मोटर व्हीकल (अमेंडमेंट) एक्ट 2019 को रद्द करना, बि एन एस हिट एंड रन धारा 106(ख) को रद्द करना, श्रमिक-विरोधी लेबर कोड को रद्द करने की मांगो को लेकर यूनियन ने प्रेस वार्ता कर 12 फरवरी में 24 घंटे के चक्का बंद का आह्वान किया है। बंद के दौरान एंबुलेंस, टेस्ट और इमरजेंसी सर्विस को बंद से छूट दी जाएगी। प्रेस वार्ता में सौदों असम मटर श्रमिक फेडरेशन के सचिव जून सोनोवाल, सौदों असम कमर्शियल परिवहन संस्था के सचिव रंजन गोगोई, मटर श्रमिक संस्था के धेमाजी जिला के सहलाकर किरण गोगोई, सिलापथार मैक्सिकन एसोसिएशन के सचिव गोबिन हजारिका सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

चाय बागान में चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टा हेतु आवेदन पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ अधिकारियों, विधायक एवं बागान प्रबंधक की उपस्थिति में किया गया

● मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बागान श्रमिकों के कल्याण हेतु भूमि आवंटन एवं पट्टा प्रदान करने की यह पहल एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी है : विजय मालाकार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा चाय बागान मैदान में श्रमिकों के लिए भूमि योजना हेतु आवेदन पत्र वितरण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। 9 फरवरी (सोमवार) को आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक विजय मालाकार, जिला प्रशासन के अधिकारी, रामकृष्णनगर सर्कल अधिकारी तथा चाय बागान के प्रबंधक की उपस्थिति में चाय बागान के महिला एवं पुरुष श्रमिकों को भूमि पट्टे के आवेदन पत्र वितरित किए गए। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिन योग्य चाय-श्रमिक परिवारों को भूमि व्यवस्था का लाभ मिलेगा, उनके लिए यह आवेदन पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। आज दोपहर लगभग 2 बजे से जिले के विभिन्न चाय बागानों में आयोजित फॉर्म वितरण कार्यक्रमों के दौरान लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का भाषण लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों का क्रमशः गमछा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक विजय मालाकार ने अपने संबोधन में कहा, 'असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व और दूरदर्शिता में कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत चाय बागान मजदूरों को भूमि आवंटन और पट्टा प्रदान करने की यह पहल श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'उन्होंने श्रमिकों से निर्धारित समय के भीतर आवेदन पत्र सही ढंग से भरकर जमा करने की अपील की। कार्यक्रम में रामकृष्णनगर उपजिला प्रशासन के अधिकारी, सीडीसी निलुतपल पाठक, रामकृष्णनगर सर्कल ऑफिसर सौभिक दत्त, चाय बागान प्राधिकरण के प्रतिनिधि शिरीष तिवारी, सहायक दूल्लभछड़ा जिला परिषद सदस्य प्रणव मुखर्जी, जीपी के प्रतिनिधि, दूल्लभछड़ा जीपी अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी, सहित बड़ी संख्या में चाय बागान के महिला एवं पुरुष श्रमिक सदस्य उपस्थित रहे।

असम विश्वविद्यालय में अत्यधिक वर्षा और जोखिम प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः उत्तर पूर्व में बढ़ती जलवायु अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में, 9 फरवरी (सोमवार) को असम विश्वविद्यालय में 'अत्यधिक वर्षा और जोखिम प्रबंधन' (E&treme Rainfall and Risk Management) विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इस कार्यशाला का आयोजन भौतिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। एक प्रतीकात्मक और पर्यावरण के अनुकूल पहल के रूप में, मेघनाद साहा सम्मेलन कक्ष में एक पौधे को जल अर्पित कर कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पंत ने की। इस अवसर पर गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक सुनीता दास, कछार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सलाहकार डॉ. राजीव गुप्ता और अगरतला मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. पार्थ रॉय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। स्वागत भाषण देते हुए, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज के डीन और कार्यशाला के समन्वयक प्रोफेसर अत्री देशमुख ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। भौतिकी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर हिमाद्री शेखर दास ने वर्तमान जलवायु परिदृश्य के संदर्भ में ऐसी विशेष कार्यशालाओं के महत्व और आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति प्रोफेसर पंत ने आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कार्यशाला की प्रासंगिकता को रेखांकित किया.यह कार्यशाला भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संरक्षण में आयोजित की जा रही है। संसाधन व्यक्तियों (Resource persons) में त्रिपुरा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के शरत चंद्र दास और कछार डीडीएमए के फील्ड ऑफिसर रणविजय दास शामिल हैं। कार्यशाला में कुल 40 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जो वर्षा जनित जोखिमों और उनके तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग की छात्रा सुष्मिता सिन्हा ने किया।

घर का ताला तोड़कर चोरी

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के ग्राम कचरौंदा घाट में एक महिला के घर का ताला तोड़कर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कचरौदा घाट निवासी गिंदा पत्नी लाखन लोधी ने थाना जाखलौन में दी गई तहरीर में बताया कि 6 फरवरी 2026 को वह घरेलू सामान खरीदने के लिए ललितपुर गई थीं। शाम लगभग 4 बजे घर से निकलने के बाद जब वह रात में वापस लौटीं तो देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता के अनुसार घर के अंदर रखे बक्से से सोने की हाय (पीली धातु), लगभग 25-×0 किलोग्राम गेहूं तथा 200 रुपये नकद चोरी हो गए। मामले की जानकारी करने पर पता चला कि उक्त चोरी मनीष पुत्र हरदास राजक निवासी सेरनीकलां, थाना जाखलौन द्वारा की गई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा ×05 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

नकली एंटी-कैंसर दवाओं पर शिकंजा, दिल्ली में 25 फर्मों से 55 सैंपल जब्त; औषधि नियंत्रण विभाग की बड़ी कार्रवाई

● नकली एंटी-कैंसर दवाओं के खिलाफ दिल्ली में अभियान।

25 फर्मों से 55 सैंपल जब्त, 6 पर कार्रवाई।

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। नकली एंटी-कैंसर दवाओं की जांच के लिए दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने सोमवार को अभियान चलाकर 25 फर्मों से 55 सैंपल एकत्र किए। इनमें 33 लीगल सैंपल और 22 स्पेसिमन सैंपल हैं। नियमों के उल्लंघन पर छह फर्मों पर नियमानुसार कार्रवाई आरंभ की दी गई है।

जांच पूर्वी, दक्षिणी, पश्चिमी व उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के लक्ष्मी नगर, यूसुफ सराय, ग्रीन पार्क, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, पश्चिम विहार, द्वारका और रोहिणी आदि में अस्पताल क्षेत्रों और फार्मास्यूटिकल बाजार में की गई। कार्रवाई जीवनरक्षक एंटी कैंसर दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने व मरीजों की सुरक्षा के उद्देश्य से दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह के निर्देश पर की गई। सभी को लैबोरेटरी टेस्टिंग और एनालिसिस के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसी भी सब-स्टैंडर्ड या नकली दवा का बाजार में सर्कुलेशन रोका जा सके। डा. पंकज सिंह ने कहा कि एंटी-कैंसर दवाएं अत्यंत क्रिटिकल और लाइफ सेविंग होती हैं, जिनमें गुणवत्ता से समझौता मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इसी कारण दवा आपूर्ति सप्लाई चेन पर निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

डॉ. पंकज ने कहा कि दिल्ली सरकार की नीति नकली और घटिया दवाओं के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की है। ऐसे अभियान नियमित रूप से चलते रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता और स्वास्थ्य संस्थानों का आह्वान किया कि वे दवा केवल पंजीकृत केंद्रों से ही खरीदें और शक होने पर उसकी सूचना तुरंत औषधि नियंत्रण विभाग को दें।